ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बाढ़ और भूस्खलन के कारण उत्तर कन्नड़ जिले में जन-जीवन अस्त-व्यस्त @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 18 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-199

भाजपा की नीतियों के खिलाफ बंगाल भाजपा ने उठाई आवाज

बंद करिए : सबका साथ, सबका विकास का बेमानी नारा, अब होगा नया नारा

जो हमारे साथ हम उनके साथ

- बंगाल भाजपा की कार्यसमिति में शुभेंदु अधिकारी की घोषणा
- बंगाल के भाजपा नेताओं ने किया शुभेंदु की मांग का समर्थन
- भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे को तत्काल भंग करने की मांग
- असम के सीएम ने भी जनसंख्या कानून लागू करने को कहा

कोलकाता, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व की नीतियों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया है। भाजपा नेतृत्व का नारा, सबका साथ सबका विकास को खारिज करते हुए बंगाल भाजपा ने नारा दिया है जो हमारे साथ, हम उनके साथ। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। उन्होंने आलाकमान से यह भी मांग की है कि पार्टी में अल्पसंख्यक मोर्चे की कतई जरूरत नहीं है, उसे तत्काल प्रभाव से भंग किया जाए। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बगावत की शुरुआत पश्चिम बंगाल भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में हुई। बगावत की मशाल शुभेंदु अधिकारी ने उठाई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भी भाजपा नेतृत्व द्वारा मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति अपनाने के खिलाफ विद्रोही तेवर अख्तियार किए हैं।

पश्चिम बंगाल के जुझारू नेता शुभेंदु अधिकारी ने कार्यसमिति की बैठक में साफ-साफ कहा, जो हमारे साथ, हम उनके साथ। यह बंद करिए, सबका साथ सबका विकास का नारा। हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी कोई जरूरत नहीं है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। इस बैठक में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय नेतृत्व को इंगित करते हुए कहा, मैं राष्ट्रवादी मुस्लिमों की बात करता

▶10 पर

जनसंख्या असंतुलन रोकने का कानून शीघ्र आना चाहिए : हिमंत

गुवाहाटी, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

देश में सारी प्राथमिकताओं के ऊपर जनसंख्या नीति का निर्धारण होना चाहिए। क्योंकि जनसंख्या का असंतुलन अब धैर्य की सीमा से बाहर हो गया है। देश में शीघ्र ऐसा कानून बनना चाहिए, जिससे घुसपैठिए वनवासियों की बेटियों से शादी न कर सकें। जनसंख्या असंतुलन का सवाल, देश के लोगों के जीने मरने का सवाल हैं। मेरे जीने मरने का सवाल है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह बात कही। हिमंत बिस्व सरमा की बातें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ-साथ केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठा रही है। असम के सीएम ने पिछले दिनों झारखंड में भी जनसंख्या असंतुलन का मुद्दा उठाया था और कहा था कि झारखंड को मुस्लिमों का जमाई टोला नहीं बनने देना है। सीएम सरमा झारखंड राज्य के उप प्रभारी भी हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा विधानसभा चुनाव के लिहाज से झारखंड में सक्रिय हैं और भाजपा संगठन को मजबूत करने को काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया है कि इस चुनाव में राज्य से

▶10 पर

खुफिया सूचनाएं मिलने पर दिल्ली पुलिस अलर्ट

दिल्ली में भी हो सकता है ट्रंप जैसा हमला

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका की तरह दिल्ली में भी महत्वपूर्ण हस्तियों पर हमला हो सकता है। इस तरह की खुफिया सूचनाएं मिलने के बाद देश की राजधानी दिल्ली में सतर्कता बरती जा रही है। पिछले ही दिनों अमेरिका के पेंसिलवेनिया में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कातिलाना हमला हुआ, जिसमें हमलावर की गोली ट्रंप का कान बेधती चली गई। ट्रंप की जान बाल-बाल बची। हमलावर समेत दो लोग मारे गए। बाद भी पार्टी की बैठक में एके-47 के साथ कुछ हमलावर घुस आए, जिसमें एक हमलावर मारा गया और दूसरा पकड़ा गया। इन घटनाओं के कारण दिल्ली पुलिस खास तौर पर अलर्ट मोड में है।

15 अगस्त पर आतंकी या फिर खालिस्तानी हमले की संभावनाओं के मद्देनजर दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने मंगलवार को अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। पुलिस आयुक्त ने कहा कि देश में 15 अगस्त को डोनाल्ड ट्रंप जैसा हमला हो सकता है। ऐसे में हमें सतर्क रहना होगा। आयुक्त ने मंगलवार को तैयारियों को लेकर दूसरी मीटिंग बुलाई थी। दूसरी तरफ, 15 अगस्त के दिन टारगेट किलिंग के खुफिया इनपुट मिले हैं। इसको लेकर पुलिस अभी से सतर्क नजर आ रही है।

15 अगस्त को लेकर दिल्ली पुलिस की विशेष तैयारी

दिल्ली पुलिस के अनुसार, 15 अगस्त की तैयारियां एक महीने पहले शुरू हो जाती हैं। तैयारियों को लेकर पुलिस आयुक्त ने मंगलवार को सीनियर अफसरों समेत सभी सीनियर पुलिस अधिकारियों को बैठक में बुलाया। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड पर हुए हमले का उदाहरण

▶10 पर

ट्रंप के कन्वेंशन में एक मारा गया, दूसरा पकड़ा गया

वाशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन सेंटर के पास पुलिस ने एक हथियारबंद व्यक्ति को ढेर कर दिया। मिल्वौकी में चल रहे रिपब्लिकन पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। ट्रंप पर हाल ही में हुए जानलेवा हमले के बाद रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। मारे गए व्यक्ति की पहचान 43 वर्षीय सैमुअल शार्पे के रूप में हुई है। पुलिस ने कन्वेंशन में घुसने की कोशिश करते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसके पास एके-47 राइफल थी और वह मास्क पहने हुए था। एक बैग भी मिला जिसमें कारतूस की एक पूरी भरी हुई मैगजीन भी बरामद हुई।

अग्निवीर योजना पर उठ रहे सवालों के बीच बड़ी घोषणा

हरियाणा में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण

बिना ब्याज मिलेगा लोन

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

अग्निवीर योजना पर उठ रहे सवालों के बीच हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ऐलान किया है कि अग्निवीरों को प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रेस वार्ता के जरिए अग्निवीरों के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अग्निवीरों को प्रदेश में नौकरियों में भर्ती में छूट मिलेगी।

सीएम सैनी ने कहा कि लगभग दो साल पहले 14 जून 2022 को अग्निवीर योजना लागू की गई थी। इसके तहत चार वर्ष के लिए भारतीय सेना में तैनाती की जाती है। अग्निवीर योजना से स्किल्ड और एक्टिव युवा तैयार होता है। मुख्यमंत्री ने एलान किया कि अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग, गार्ड, जेल गार्ड और एसपीओ की भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। ग्रुप सी में तीन वर्ष की आयु में छूट दी जाएगी। ग्रुप बी में पांच प्रतिशत ग्रुप ए में एक प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

अग्निवीर सैनिकों को 500000 तक बिना ब्याज का लोन दिया जाएगा। सरकार अग्निवीर सैनिकों को यातायात दुर्घटना में घायल होने पर मुआवजा देगी। सड़क दुर्घटना में घायलों का पूरा खर्च भी सरकार उठाएगी। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया गया है। अगर पीड़ित की मौत हो जाती है तो परिजनों को मुआवजा मिलेगा। इस खर्च का वहन हरियाणा रोड सेफ्टी फंड से किया जाएगा। इस स्कीम के तहत बीमाकृत तथा बीमा रहित वाहनों और टक्कर मारकर भागने वाले मोटर वाहन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी।

इसके अलावा सीएम सैनी ने कहा कि यदि कोई अग्निवीर अपना उद्यम स्थापित करेगा तो उसमे पांच लाख तक कोई ब्याज नहीं मिलेगा। अग्निवीरों को आर्म लाइसेंस दिया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस ने अग्निवीर योजना को लेकर दुष्प्रचार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर प्रधानमंत्री की लोकहित योजना है। इसलिए कांग्रेस इसके बारे में लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

तेलंगाना को देश के लिए आदर्श बनना चाहिए: रेवंत

आज चार बजे किसानों को मिलेंगे एक लाख रुपए

हैदराबाद, 17 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य को देश के लिए एक आदर्श के रूप में काम करना चाहिए, विशेष रूप से कृषि नीति में। श्री रेड्डी ने बुधवार को प्रजा भवन में आयोजित एक बैठक में कहा कि गुरुवार (कल) उनके जीवन का एक यादगार दिन होगा, क्योंकि किसानों को कृषि ऋण माफी योजना के तहत चार बजे एक लाख रुपए मिलेंगे। उन्होंने घोषणा की कि सात हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा किए जाएंगे और महीने के अंत तक किसानों के दो लाख रुपये में से 1.5 लाख रुपये तक के कर्ज माफ कर दिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि जब गांधी परिवार कोई वादा करता है, तो वह पक्का होता है।

श्री रेड्डी ने गुरुवार को कर्ज माफी के मद्देनजर पार्टी के नेतृत्व में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया। उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार ने 15 अगस्त से पहले दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐसा पहले ही कर रही

▶10 पर

तेल टैंकर पलटा, 13 भारतीय समेत 16 लापता

ओमान, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

ओमान के तट पर सोमवार को एक तेल टैंकर के पलटने के बाद 13 भारतीयों सहित 16 सदस्यों का चालक दल लापता हो गया। इस दल में अन्य तीन सदस्य श्रीलंकाई थे। देश के समुद्री सुरक्षा केंद्र (एमएससी) ने घटना की आधिकारिक पुष्टि की है। एमएससी ने कहा कि कोमोरोस के झंडे वाला तेल टैंकर बंदरगाह शहर डुकुम के पास रास मद्रका के 25 समुद्री मील दक्षिण पूर्व में पलट गया। भारतीय नौसेना के आईएनएस तेग को बचाव और तलाश के लिए भेजा गया है।

डुकुम का बंदरगाह ओमान के दक्षिण-पश्चिम तट पर स्थित है, जो ओमान की प्रमुख तेल और गैस खनन परियोजनाओं के पास है। इसमें एक प्रमुख तेल रिफाइनरी भी शामिल है, जो ओमान की सबसे बड़ी आर्थिक परियोजना और डुकुम के विशाल औद्योगिक क्षेत्र का हिस्सा है। जहाज की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में की गई है। एमएससी ने कहा, जहाज के चालक दल के सदस्य अब भी लापता हैं। तलाश जारी है। नौवहन से जुड़ी वेबसाइट मैरीटाइम ट्रैफिक के मुताबिक, तेल टैंकर यमन के बंदरगाह शहर अदन की ओर जा रहा था। इस जहाज का निर्माण 2007 में किया गया था। यह 117 मीटर लंबा है।

भारतीय नौसेना, ओमान की नौसेना के साथ मिलकर समुद्र में बचाव और राहत अभियान चला रही है। ओमान के तट पर पलटे तेल टैंकर की मदद के लिए भारतीय नौसेना ने अपना युद्धपोत आईएनएस तेग और एक सर्विलांस विमान पी-8 आई को तैनात किया है। भारतीय नौसेना, ओमान की नौसेना के साथ मिलकर समुद्र में बचाव और राहत अभियान चला रही है। तेल टैंकर के क्रू में शामिल 16 सदस्य लापता हैं, जिनमें से 13 भारतीय हैं। जिस जगह तेल टैंकर पलटा, भारतीय युद्धपोत उसी क्षेत्र में परिचालन कर रहा था। जिसके बाद भारतीय युद्धपोत को 15 जुलाई को खोज और बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया था। युद्धपोत ने 16 जुलाई की सुबह पलटते हुए तेल टैंकर का पता लगा लिया था।

भारत सरकार ने रेस्क्यू के लिए नौसैनिक पोत भेजा

समुद्री सुरक्षा केंद्र के अनुसार, समुद्र में पलटे जहाज की पहचान प्रेस्टीज फाल्कन के रूप में हुई है। यह जहाज दुबई के हमरिया बंदरगाह से यमन के अदन बंदरगाह जा रहा था। कोमोरोस का झंडा लगा यह जहाज ओमान के तट पर रास मद्रकाह इलाके से समुद्र में करीब 46 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में पलट गया। इसके 16 सदस्यीय चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई नागरिक हैं। चालक दल के सभी सदस्य लापता हैं। जहाज अभी भी समुद्र में पलटा हुआ है। जहाज से तेल लीक हुआ है या नहीं, अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

अधिकारियों ने बताया कि कोमोरोस के झंडे वाले जहाज फाल्कन प्रेस्टीज ने 14 जुलाई 2024 को लगभग 2200 बजे ओमान के तट से संकट की सूचना भेजी थी। ओमान में

▶10 पर

शेयर मार्केट

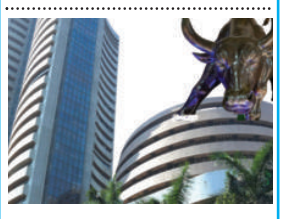

बीएसई : 80,716.55
+51.69 +0.06% ↑
एनएसई : 24,613.00
26.30 (0.11%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस की ढोल : भाजपा नेताओं ने ही खोली पोल

मोदी हों या योगी, सरकारें भ्रष्ट नौकरशाहों के चंगुल में

भाजपा कार्यकर्ताओं का भी काम रिश्वत के बगैर नहीं होता

भाजपा नेताओं ने तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर उठाई उंगली

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में मदमस्त नौकरशाही के भ्रष्टाचार में पगे होने के खिलाफ अब भाजपा नेताओं के स्वर मुखर होने लगे हैं। भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने कहा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं का कोई भी काम बगैर रिश्वत दिए नहीं होता। श्याम प्रकाश उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले की गोपामऊ विधानसभा सीट से विधायक हैं।

2014 के लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने एनडीए की ओर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाया था, तब पार्टी की ओर से दिया गया एक नारा काफी चर्चित हुआ था। नारा था, बहुत हुआ भ्रष्टाचार अबकी बार मोदी सरकार। 2024 के चुनाव में भी पीएम मोदी ने कहा, हमारे तीसरे टर्म में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा, ये मोदी की गारंटी है। लेकिन भाजपा के नेताओं और विधायकों को ही मोदी की गारंटी पर भरोसा नहीं रहा। मोदी सरकार के केंद्र में 10 साल और उत्तर प्रदेश में योगी के 7 साल के शासन के बाद उत्तर प्रदेश में ही पार्टी के विधायक खुलकर भ्रष्टाचार होने की बात कह रहे हैं।

इस मामले में हुआ यह था कि हरदोई के एसपी केसी गोस्वामी का तबादला हो गया था। उनकी जगह पर बिजनौर के एसपी नीरज कुमार जादौन की नियुक्ति की गई थी। मंगलवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह चौहान ने टिप्पणी की कि हरदोई के जनप्रतिनिधि

▶10 पर

फिर भी भारत ईमानदार देशों में शुमार!

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

इस साल जनवरी में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 के लिए करप्शन परसेप्शन इंडेक्स (सीपीआई) में भारत 180 देशों में से 93वें स्थान पर है। इस सूची में डेनमार्क को शीर्ष पर रखा गया था, इसके बाद फिनलैंड, न्यूजीलैंड और नॉर्वे का नंबर था। यह इंडेक्स देशों को 1 से 100 के बीच रेटिंग देता है। इसके मुताबिक 1 सबसे ज्यादा भ्रष्ट है और 100 अत्यंत ईमानदार है। इस दृष्टिकोण से देखें तो भारत ईमानदार देशों में शामिल है। भारत की रेटिंग पर एक नामवर बुद्धिजीवी ने कटाक्ष किया, कहीं इस रेटिंग में भी तो भ्रष्टाचार नहीं चलता?

कार्टून कॉर्नर

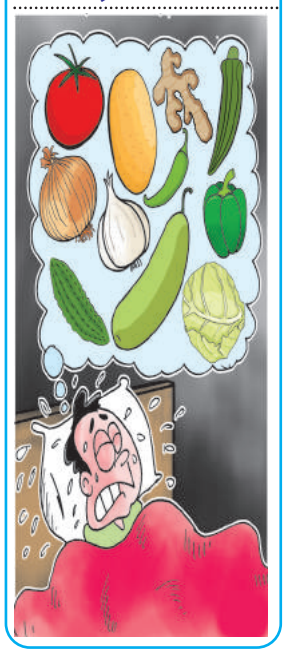

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

एक सशक्त महिला अपने लिए और एक मजबूत महिला अपनों के लिए होती है खड़ी: अर्चना सुराणा

समीक्षा एवं अवार्ड सेरेमनी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग एपेक्स द्वारा दो वर्षीय 22-24 कार्यकाल की समीक्षा एवं अवार्ड सेरेमनी का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी के नेतृत्व में गोवा के ताज एक्सहोटिका में किया गया। राष्ट्रीय मेंटर चित्रा बलदोटा ने एपेक्स के सभी प्रोजेक्ट पर आधारित कार्यक्रमों की सराहना की। सुमन बच्छावत ने उपस्थित विंग की महिलाओं के कार्यशैली से सभी को अवगत कराया और कहा कि रथ के दो पहिये की तरह रहकर समाज में नाम रौशन करें। ललिता गुलेच्छा ने छोटे-छोटे क्षेत्रों द्वारा आयोजित कार्य सूची बतायी एवं साधार्मिक सेवा कार्य पर जोर दिया। डायरेक्टर इन चार्ज सुनीता बोहरा ने कहा कि जीतो एक जबरदस्त नेटवर्किंग संस्था है। जहां दिल और आत्मा से हर कार्यक्रम में सभी जुड़ते हुए आगे बढ़ते है। 18600 सदस्यों एवं 14 नये विंग की स्थापना की बधाई देते हुए कहा कि सपनों की उड़ान को साकार करते रहें। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा ने जेएलडब्ल्यू के अब तक के सफलतम आयोजन अहिंसा रन के सफर पर प्रकाश डाला और कहा कि एक सशक्त महिला अपने लिए खड़ी होती है और एक मजबूत महिला अपनों के लिए खड़ी होती है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीता बुचरा ने सभी श्रम के पौधे पर सिंचित पुष्प की उपमा देते हुए कहा अपने जुनून से बहुत सी चुनौतियों को सफलता में बदलने की शक्ति का नाम है नारी। राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि दो वर्ष पहले हमने जो सोचा आज उससे भी बढ़कर कार्य को कर दिखाया। आज जीतो का डंका चारों ओर बज रहा है। कितनी ही कठिनाई आयी पर समझौता करते हुए हर बार समझते व समझाते हुए सबके सहयोग से आगे बढ़ते रहे। जीतो महिला विंग के नौ जोन और चौदह प्रोजेक्ट संयोजिकाओं ने पीपीटी द्वारा अपनी- अपनी प्रस्तुति दी। सभी के सफलतम प्रयास की सराहना हुई। विशेष रूप से-जीतो बेंगलूरु नार्थ की महिला विंग द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, आर्थिक उन्नति, उनके उद्यम में सर्वोच्चता की प्राप्ति, आत्मविश्वास की बढ़ोतरी, मानसिक सुदृढ़ता एवं समाज में एक विशेष स्थान प्रदान कराने के उद्देश्य से ललित अशोक में दो दिवसीय प्रदर्शनी उड़ान-आसमान को छूना आयोजित किया गया। इस उच्च स्तरीय प्रदर्शनी को विश्व स्तरीय उत्पादों के साथ प्रदर्शक व आगंतुकों को नवीन अवसर करने हेतु सभी ने सराहा। राष्ट्रीय प्रोजेक्ट जायका के सफल संचालन एवं हल्दीराम के प्रयोजन में आगामी हर जायके के सहयोग हेतु अप्रत्याशित तालियाँ बटोरी। पी आर सोशल मीडिया में सर्वाधिक प्रस्तुति हेतु वाहवाही मिली। जेबीएन के सफल संचालन के कार्य को सराहा गया। सर्वाधिक प्रोजेक्ट करने में अग्रणी, सर्वाधिक रिपोर्ट प्रस्तुति हर भाषा में, विशेष कार्यशैली, वक्तृत्व हेतु चेरपर्सन बिन्दु रायसोनी ने पूरे जीतो महिला विंग में जगह बनायी एवं हर प्रोजेक्ट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सबके दिल में जगह बनायी।

अति सार्थक एवं सफल प्रयास

अति सार्थक एवं सफल प्रयास की सराहना हुई। सभी सदस्यों एवं जीतो परिवार के सहयोग से यह मुकाम हासिल हुआ। सभी का बहुत बहुत धन्यवाद दिया गया। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग की समीक्षा एवं अवार्ड सेरेमनी कार्यक्रम में एपेक्स अध्यक्ष कांतिलाल ओसवाल, सचिव संजय जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष संगीता ललवानी, महामंत्री शीतल दूगड़, मेंटर चित्रा बलदोटा, ललिता गुलेच्छा, डायरेक्टर इन चार्ज सुनीता बोहरा, उपाध्यक्ष अर्चना सुराणा, मोनिका पिरगल, निशा सामर, केकेजी जोन संयोजिका यश्मा जैन ने बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी और महामंत्री सुमन वेदमुथा को सर्वांगीण उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया।

छह दिवसीय चिकित्सा शिविर का आरंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी समाज ट्रस्ट महालक्ष्मी लेआउट आईमाता वडेर में डॉ राम मनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमानगढ़ के सयुंक्त तत्वावधान में छह दिवसीय प्राकृतिक एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर बुधवार को सुबह शुरू हुआ। डॉ टी.के.चौधरी ने बताया कि एक्युप्रेशर चिकित्सा बेहतर इलाज के लिए रामबाण औषधि है। जो बिना औषधि के जटिल से जटिल रोगों का निदान करती है । एक्युप्रेशर तकनीक से कई रोगों का इलाज किया जाएगा। इस अवसर पर वडेर के अध्यक्ष प्रतापराम गेहलोत ने बताया कि शिविर सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे और शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक चलेगा। इस कार्यक्रम में सचिव जगदीश राठौड़, उपाध्यक्ष ढगलाराम सोलंकी, सह -सचिव रतनलाल परिहार, सह-कोषाध्यक्ष शेषाराम गेहलोत, सीताराम, स्वरूप राम, बाबुलाल राठौड़, तिलोक राम आदि उपस्थित रहे।

चातुर्मास धर्म आराधना का अनमोल अवसर: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि का भव्य मंगलमय चातुर्मासिक प्रवेश राजाजीनगर स्थानक में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। महेंद्रकुमार धोका के निवास स्थान से प्रारंभ भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा राजाजीनगर स्थानक में विशाल धर्म सभा में परिवर्तित हुआ। स्वर्ण संयम आराधक वीरेंद्रमुनि, साध्वी विपुलदर्शना का सानिध्य इस आयोजन में सभी को प्राप्त हुआ। स्थानक में कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र जाप, गुरु वंदना एवं गुरु आरती से हुई।

त्रिशला महिला, त्रिशला बहु मंडल एवं ब्राह्मी कन्या मंडल की सदस्याओं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी महानुभावों का स्वागत अभिनंदन किया। साध्वी विपुलदर्शना ने कहा कि इस अनमोल अवसर का सदुपयोग तप त्याग और धर्म आराधना से करना है। चार माह में की गई धर्म आराधना से जो पुण्य कर्म का संचय होता है, वह आपके जीवन में पूण्य कर्म को बढ़ाती है। चातुर्मास में कषायो से बचना है।काम क्रोध मान माया लोभ का त्याग करना है।

डॉ वरुणमुनि ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि का पावन अवसर है। आप श्रावक श्राविका की सहभागिता से ही चातुर्मास सफल होता है। इस अवसर पर हुब्बल्ली से महेंद्र सिंघी, अशोक कोठारी, पारसमल पटवा, प्रकाश कटारिया, गौतम बाफना, मालेगाँव से शशिकांत कर्नावट, सुल्तूरपेट से राजेश गोलेच्छा, जैन कॉन्फ्रेन्स के प्रांतीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, महासंघ के अभयकुमार बांठिया, शांतिलाल खीवेसरा, पारसमल लोढ़ा, चेतनप्रकाश डूंगरवाल, आनंदकुमार नाहर, दीपचंद भंसाली, कल्याणसिंह बुरड, गौतमचंद ओस्तवाल, किशोरकुमार दलाल, कन्हैयालाल सुराणा, उत्तमचंद आछा, अशोककुमार गुगलिया, अशोककुमार धोका, पदमचंद बोहरा व अन्य समस्त संघ संस्थाओं व जैन कॉन्फ्रेन्स के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी सदस्य, एसएमएस विहार सेवा, जैन कांफ्रेंस युवा विहार सेवा, त्यागराजनगर, मंजूनाथनगर व अन्य युवा मंडल की भी उपस्थिति रही। सिद्धार्थ बोहरा, महावीर गुगलिया व अन्य ने अपने विचार रखे। राजाजीनगर श्रीसंघ के सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट के साथ विभिन्न समितियों के संयोजक, संघ के पूर्व अध्यक्षों से गठित स्वागत समिति, आवास निवास समिति, जन सम्पर्क समिति, भोजन समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

सुख-प्राप्ति और दुख-मुक्ति का एकमात्र उपाय है धर्म

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जगत का प्रत्येक जीव सुख पाने के लिए सतत प्रयत्नशील है, लेकिन सुख प्राप्ति के सच्चे मार्ग से यदि वह अंजान रहेगा तो वह कभी अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाएगा।

सुख-प्राप्ति और दुख-मुक्ति का एकमात्र उपाय है धर्म को समझकर जीवन में उसका आचरण करना। धर्म किसी व्यक्ति या जाति विशेष या सिर्फ मनुष्यों को सुखी करने का उपदेश नहीं देता।

वह तो तमाम जीव-सृष्टि की भलाई करने का उपदेश देता है। अतः धर्म का कार्यक्षेत्र व्यापक होने के कारण अन्य सभी प्रकार के सेवा कार्यों की तुलना में धार्मिक सत्कार्य कई गुणा अधिक फलदायक होते हैं। उपरोक्त विचार आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी

ने वी.वी पुरम स्थित रिषभ-शांति उपाश्रय के धर्मार्पण समारोह के उपलक्ष में आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि भूतकाल में भी अनेक महापुरुषों ने अपनी आराधना हेतु जगह-जगह विशाल धर्म स्थान बनाए थे और साधु-साध्वी जी को निमंत्रित कर उन्हें साधना हेतु तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाए, इस को शास्त्रीय परिभाषा में वसति-दान कहते हैं। शास्त्र में आहार, पानी, औषधि, वस्त्र आदि चीजों की तुलना में वसति- दान का लाभ कई गुणा ज्यादा बताया गया है, क्योंकि सभी प्रकार की साधना का आधार वसति यानी स्थान है। आचार्य ने धार्मिक स्थान की पवित्रता व गरिमा को टिकाकर रखने हेतु आवश्यक आचार संहिता पर भी प्रकाश डाला। इससे पूर्व रिषभ-शांति उपाश्रय के निर्माता शांतिदेवी शांतिलाल भुरट परिवार ने कर्नाटक जैन भवन से आचार्य की अगुवाई हेतु शोभायात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम में अनेक संघ-संगठनों से जुड़े गणमानिय व्यक्ति उपस्थित थे। सभा का संचालन मीठालाल पावेचा ने किया।

साधक चित्र का नहीं चारित्र का उपासक हो

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि चातुर्मास के काल में ज्यादा जीवोत्पत्ति होने के कारण साधु साध्वी को एक जगह स्थिर रहने का कल्प हैं।

यह समय आत्मा और आत्मिक तप के लिए होता है। हम जीव हिंसा से बचें और अहिंसा को आचरण में लाएं, यही चार्तुमास की सार्थकता है। धर्म के नाम पर यात्रा करने का आगम में कहीं उल्लेख नही है। विनय मुनि जी ने कहा कि साधक चाहे एक हो या अनेक हो, उन्हें अपनी साधना आराधना करते रहना चाहिए।

साधक चित्र का नही चारित्र का उपासक हो। चार्तुमास काल में हम वैसा जीवन जिएं जैसा आगम में बताया है। रात्री भोजन छोड़ें। वनस्पति का विवेक रखें। शक्ति अनुसार छोटे छोटे तप कर आत्मा को तप अभ्यस्त करें। प्रदर्शन से बचें और स्व दर्शन करें। चार्तुमास प्रवास पूर्व शुभकामना देते हुए अलसूर श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि मुनि का दक्षिण भारत में अलसूर प्रथम चार्तुमास से लगाकर यह लगातार 26वां चार्तुमास गणेश बाग में होने जा रहा हैं। मुनि जैन आगम पर विस्तृत व्याख्या करते हैं। प्रवचन पश्चात विनय मुनि जी ने गणेश बाग के लिए विहार किया।

एकादशी पर बाबा का फूलों से श्रृंगार

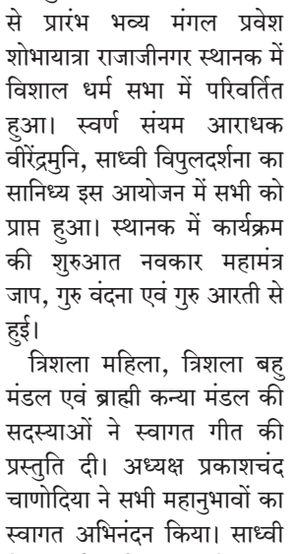

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नेरघट्टा नेशनल पार्क के सामने खाटू श्याम मंदिर के प्रांगण में सायं 4.15 बजे से शुक्लपक्ष की एकादशी पर भजन संध्या का आयोजन हुआ। प्रातः बाबा श्याम के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। इस अवसर पर बाबा श्याम का फूलों से अदभुत श्रृंगार किया गया।

प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी की 870 वीं पुण्यतिथि मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वर जी की 870 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने युगप्रधान गुरुदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किए। बसवनगुड़ी में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि दादा गुरुदेव महान थे, यह कहने से हमारा उद्धार नहीं होगा, हमें उनके द्वारा स्थापित समाज और गच्छ की सेवा, प्रसार और विस्तार करना हमारी जिम्मेदारी है। गुरुदेव ने लाखों अजैनों को जैन बनाने के साथ उन्हें सप्त व्यसनों का त्याग करवाया। आज से 870 वर्ष पूर्व गुरुदेव के देवलोकगमन के पश्चात देह संस्कार के समय उनकी चद्दर चोलपट्टा और मुहपत्ति अग्नि में

भस्मीभूत नहीं हुए जो कि आज भी जैसलमेर के ज्ञान भण्डार में विद्यमान है। बचपन में सोमचन्द्र मात्र 9 वर्ष की उम्र में विक्रम स्वंत 1141 में दीक्षा प्रदान करके नव दीक्षित मुनि का नाम भी सोम चन्द्र रखा गया। राजस्थान के चितौड नगर में विक्रम स्वंत 1161 वैशाख सुदी प्रतिपदा को सायंकाल के समय श्री जिनवल्लभसूरिजी के पाट पर बडे आरोह-समारोह के साथ पंडित सोमचंद्र गणी स्थापित किये गए और श्री संघ की ओर से नाम पतिवर्तन कर इनका नया नाम आचार्य श्री जिनदत्तसूरि रखा गया। अम्बिका माता द्वारा प्रदत्त युगप्रधान पद धारक जिनदत्तसूरि जी इस भूमंडल में विख्यात हो गए। वैसे तो दादा गुरु के अनगिनत चमत्कार है लाखों नूतन जैन बनाने वाले और जैन समाज के गोत्रों के रचियता दादा गुरुदेव ने शासन के लिए बहुत काम किया, समग्र जैन समाज को एक करने में इनका काफी योगदान रहा। साध्वी स्वर्णांजना श्री जी और मुद्रांजना श्रीजी ने कहा कि दुनिया में क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो हमारी सुप्त शक्तियों को जाग्रत कर दे, वह सिर्फ हमारे गुरु ही है जो हमारे गुणों को बाहर ला सके। यह हमारा सौभाग्य ही है कि हमें चार चार युगप्रधान गुरुदेव मिले हैं। ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने जानकारी देते हुए कहा कि श्री जिनदत्तसूरिजी का जीवन श्रमण संघ का ऐसा जगमगाता आलोक पुंज है, जो शताब्दियों के काल-खण्ड प्रहवन के उपरांत भी हमें आत्म-विकास की राह दिखलाता है, हमारे चरित्र, व्यवहार तथा साधना का मार्ग आलोकित करता है। गुणानुवाद सभा के पश्चात अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद् द्वारा रेखा विनोद चौपड़ा परिवार हालावाला के सौजन्य से गुरुदेव की पूजा पढ़ाई गई। बसवनगुड़ी आराधना भवन में प्रतिदिन चातुर्मासिक प्रवचन प्रातः 9.30 बजे से रहेंगे। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी, पारसमल पगारिया, राजेन्द्र गुलेच्छा, अनिल भडकतिया के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित थे।

साध्वी नयदर्शा श्रीजी एवं ज्ञेयदर्शाश्री जी का चातुर्मास प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन चैरिटेबल ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में बुधवार को महालक्ष्मी लेआउट में स्थित कंचनबाई बंबोरी जैन उपासय में परम पूज्य गुरुदेव श्री प्रवचन प्रभावक विजय महापद्म सूरीश्वरजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी नयदर्शा श्रीजी एवं ज्ञेयदर्शाश्री जी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। प्रातः काल नरेश बंबोरी के नये मकान से शुभ मुहूर्त पर चातुर्मास का वरघोड़ा नगर के मुख्य मार्ग होते हुए निकाला गया। वरघोड़े में सज-धज कर ट्रस्टीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य, विभिन्न नवयुवक मडंल एवं शहर की मुख्य शांति नवकार बालिका मंडल लेएन पुरम, सरगम मंडल, महालक्ष्मी लेआउट महिला मंडल, नारी शक्ति मंडल की सदस्याएं शामिल हुई, जो वासवी कल्याण मंडप में धर्म सभा में परिवर्तित हुआ। नरेश बंबोरी ने बाहर से पधारे हुए लोगों का अभिवादन किया। साध्वीजी के चातुर्मास में होने वाले मंगलमय कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण उत्तर कन्नड़ जिले में जन-जीवन अस्त-व्यस्त

2 हजार से ज्यादा लोगों को देखभाल केंद्रों में पहुंचाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के तटीय और पहाड़ी जिलों में दो दिनों से हो रही मानसूनी बारिश बुधवार को भी जारी रही। भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण उत्तर कन्नड़ जिले में जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और बेघर हुए 2 हजार से ज्यादा लोगों को देखभाल केंद्रों में पहुंचाया गया है। दूसरी घटना अंकोला-शिरूरू राजमार्ग पर पहाड़ी ढहने की है, पहाड़ी ढहने से भारी मात्रा में मिट्टी गंगावली नदी में गिर गई, जिससे नदी किनारे के उलुवरे गांव को भारी नुकसान हुआ। पानी के तेज बहाव से तीन घर नष्ट हो गए और एक महिला बह गई। एनडीआरएफ और तालुक प्रशासन ने महिला की तलाश शुरू कर दी है। घर में मौजूद सीथी गौड़ा (65) नामक वृद्ध महिला लापता हो गई है। 14 लोग घायल हो गए और एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। बताया गया कि कारवार जिले के अंकोला तालुक में शिरूरू के पास हुए भूस्खलन के कारण 9 लोग कीचड़ में फंस गए। जानकारी के मुताबिक हादसे में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पहाड़ी के नीचे 2 घर और एक अन्य चाय की दुकान नष्ट हो गई। एक ही घर का पूरा परिवार मारा गया। एनडीआरएफ टीम के जवान घटनास्थल पर काम कर रहे हैं और अब तक 5 शव बरामद किए जा चुके हैं। दूसरे घर में 7 लोगों में से एक बूढ़ी औरत की मृत्यु हो गई और बाकी बच गए। कारवार, कुमता तालुकों में 6-6 और उत्तर कन्नड़ जिले के होन्नावर तालुक में 14 सहित कुल 26 देखभाल केंद्र खोले गए हैं। इनमें 2,368 लोगों को आश्रय दिया गया है। देखभाल केंद्रों का सहारा लेने वाले लोगों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। भोजन, डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। जिले में पिछले 24 घंटे में 3 घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं। एक घर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया और 18 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। कारवार तालुक में एक घर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। अंकोला तालुक के शिरूरू गांव में भूस्खलन हुआ। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन की 2 टीमें इस इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। अंकोला के शिरूरू गांव में भूस्खलन के दौरान दो गैस टैंकर गंगावली नदी में गिर गए। चूंकि इन टैंकरों से रिसाव होने की आशंका है, इसलिए नदी के किनारे के घरों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कदम उठाए गए हैं। अधिकारियों को पहाड़ियों, नदियों, खाइयों और झीलों के पास रहने वाले लोगों और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का निर्देश दिया गया है। जिला कलेक्टर लक्षिप्रिया ने कहा कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में गुरुवार तक रेड अलर्ट घोषित किया गया है। यदि जनता को कोई समस्या हो तो जिला प्रशासन के निःशुल्क आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1077 एवं मोबाइल नंबर 9483511015 पर कॉल, मैसेज, व्हाट्सऐप करें, या व्हाट्सऐप कॉल करें। भारी बारिश से जिले के अंकोला, कारवार, कुमटा, होन्नावर और भटकल में व्यापक क्षति हुई है। करवाड़ा-मेंगलूरु फोर-लेन राजमार्ग पर अंकोला के पास शिरूरू के पास, कुमाता-हुब्बल्ली राजमार्ग पर रागीहोसल्ली के पास, होन्नावर-बेंगलूरु राजमार्ग पर वर्नाकेरे के पास और कदवाड़ा मंदराली के पास पहाड़ी गिरने से यातायात बाधित हो गया है। कारवार-अंकोला के बीच अरगा, चेंदिया और अमादल्ली के पास फोर-लेन हाईवे पर यातायात बंद हो गया है। जिले की प्रमुख नदियां अघनाशिनी, गंगावली, गुंदाबा, चंडिका, भास्करी, बड़ा गनी समेत अन्य नदियां खतरे के स्तर पर बह रही हैं। तुंगा बाढ़ के कारण चिकमगलूरु के श्रृंगेरी शहर में पानी भर गया है। यहां केरेकेट्टे और घाट इलाकों में भारी बारिश के कारण तुंगा नदी के उफान से भारती तीर्थ रोड पर पानी भर गया है और शहर का गांधी मैदान पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। नदी क्षेत्र में दुकानों और घरों के सामने पानी भर गया है। भारती तीर्थ सड़क पर बाढ़ के मद्देनजर एहतियात के तौर पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

तुंगभद्रा नदी उफान पर

दावणगेरे में भी पहाड़ों पर बारिश बढ़ने से दावणगेरे क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी उफान पर है। परिणामस्वरूप, उक्कडगात्री मंदिर का स्नान घाट और दुकान के सामने का हिस्सा पूरी तरह से जलमग्न हो गया। तुंगा नदी में 75,000 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया है और होन्नाली और हरिहारा सहित नदी क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। उक्कडगात्री की ओर जाने वाली एक सड़क भी जलमग्न है। मंदिर के सामने तक पानी पहुंच गया है। उक्कडगात्री भाग में प्रवेश करने वाली सड़क के लिए एक उपयुक्त पुल बनाने के लिए दशकों के संघर्ष के बावजूद कोई फायदा नहीं हुआ। हर साल नदी में पानी बढ़ने पर दो सड़कें बंद कर दी जाती हैं और लोग अपना आक्रोश भी जाहिर कर चुके हैं। भारी बारिश के कारण होन्नाली और हरिहर समेत कई जगहों पर नदी का पानी रिहायशी इलाके में घुसने की आशंका है। यदि नदी में बहाव कम नहीं हुआ तो अधिकारियों ने लोगों को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने सीएम के इस्तीफे की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) और कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में अनियमितताओं में उनकी कथित भूमिका को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता ने सिद्धरामैया पर दोनों निगमों में वित्तीय अनियमितताओं को छिपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया, और निष्पक्ष जांच के लिए उनके इस्तीफे की मांग की क्योंकि उनके पास वित्त विभाग भी है। उन्होंने कहा कि मामले को दबाने की साजिश हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीबों के पैसे तेलंगाना विधानसभा चुनाव पर खर्च किए गए थे। करंदलाजे ने सीएम की पत्नी को मुडा द्वारा आवंटित भूखंडों से संबंधित सवाल भी उठाए। मुख्यमंत्री ने सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए उनका खंडन किया है। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से जुड़े कथित अवैध धन हस्तांतरण से संबंधित मामला तब प्रकाश में आया जब इसके लेखा अधीक्षक चंद्रशेखर पी. की 26 मई को आत्महत्या से मृत्यु हो गई। उन्होंने कथित तौर पर एक नोट छोड़ा था जिसमें आरोप लगाया गया था कि निगम के बैंक खाते से 187 करोड़ का अनधिकृत हस्तांतरण किया गया था। इसमें यह भी आरोप लगाया गया था कि कुल राशि में से 88.62 करोड़ अलग-अलग खातों में स्थानांतरित किए गए थे। आरोपों के बाद, अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी. नागेंद्र ने 6 जून को अपना इस्तीफा दे दिया। वह वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं।

सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

काटपाडी जंक्शन के पास उडुपी-मेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर एक दुर्घटना हुई, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया।

हरीश नारायण पुजारी उदयवर से पदुबिद्री की ओर अपनी कार से जा रहे थे, तभी उन्होंने पुलिस के निर्देशों का पालन करते हुए कार रोकी। उसी समय, स्विफ्ट कार को लापरवाही से चला रहे सुशांत ने पुजारी की कार को टक्कर मार दी। टक्कर से एक अन्य कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर के परिणामस्वरूप, पुजारी की कार ने वाहन के सामने खड़े पुलिस कांस्टेबल राम को टक्कर मार दी। पुलिस कांस्टेबल सड़क पर गिर गए और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। घायलों को तुरंत उडुपी हाईटेक अस्पताल ले जाया गया। स्विफ्ट कार में सवार सुशांत, विष्णु, आशिका और हर्षी को मामूली चोटें आईं और उन्हें भी अस्पताल ले जाया गया। पुजारी की कार में सवार यात्री सुरक्षित हैं। दुर्घटना के परिणामस्वरूप तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना सुशांत की स्विफ्ट कार को लापरवाही से चलाने के कारण हुई थी।

तकनीकी नौकरियों के लिए भर्ती में हस्तक्षेप नहीं करेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस सरकार कंपनियों की तकनीकी आवश्यकताओं में हस्तक्षेप नहीं करेगी। कन्नड़ लोगों को नौकरी देने के लिए राज्य सरकार की आरक्षण नीति पर उद्योगपतियों की आपत्तियों पर यहां मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा कर्नाटक में कंपनियां बढ़ी हैं। हम तकनीकी आवश्यकताओं के लिए छूट देंगे। ऐसा नहीं है कि हम उन्हें भर्ती करने से रोकेंगे। हालांकि, कंपनियों को इस मामले को सरकार के संज्ञान में लाना होगा। प्रबंधन और अन्य नौकरियों पर एक निश्चित प्रतिशत के आरक्षण के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने कहा कि नौकरियों की एक सीमा है और आगे की जानकारी बाद में बताई जा सकती है। उन्होंने कहा कि विधेयक सत्र में पेश किया जा रहा है। हम हर विवरण का खुलासा नहीं कर सकते। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को घोषणा की कि राज्य की निजी कंपनियों में कन्नड़ लोगों के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है और इसे राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम

सिद्धरामैया ने कहा कैबिनेट बैठक में राज्य में संचालित सभी निजी कंपनियों में सी और डी श्रेणी की नौकरियों में कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण देने वाले विधेयक को मंजूरी दे दी गई है। सूत्रों के अनुसार, उद्योग, कारखाने और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए कर्नाटक राज्य रोजगार विधेयक, 2024 में यह अनिवार्य किया गया है कि उद्योग, कारखाने और अन्य प्रतिष्ठान 50 प्रतिशत प्रबंधन पदों पर और 75 प्रतिशत गैर-प्रबंधन पदों पर स्थानीय उम्मीदवारों की नियुक्ति करें। विधेयक गुरुवार को विधानसभा में पेश किया जाना है। कांग्रेस सरकार के इस कदम से बहस छिड़ने की संभावना है। एक सूत्र ने कहा विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, प्रबंधन और गैर-प्रबंधन श्रेणियों में आरक्षण चाहने वाले उम्मीदवारों के पास या तो कन्नड़ भाषा के साथ माध्यमिक विद्यालय का प्रमाणपत्र होना चाहिए, या नोडल एजेंसी द्वारा निर्दिष्ट कन्नड़ प्रवीणता परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा।

सोमन्ना ने मेंगलूरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

1.5 महीने के भीतर नवीनीकरण का आश्वासन दिया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेलवे और जलशक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने मेंगलूरु सेंट्रल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और घोषणा की कि स्टेशन का नवीनीकरण डेढ़ महीने के भीतर पूरा हो जाएगा। यहां बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए सोमन्ना ने कहा हमें उपलब्ध संसाधनों के साथ नवीनीकरण पर विचार करना चाहिए।

सरकार ने लंबे समय से रेलवे स्टेशन को अपग्रेड करने का वादा किया है, लेकिन मेंगलूरु शहर को प्रभावित करने वाले पलक्कड़, कोंकण और मैसूरु रेलवे के मुद्दों के कारण यह अधूरा रह गया है। हम संबंधित अधिकारियों के साथ इस पर बात करेंगे। अश्विनी वैष्णव ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर में रेलवे विस्तार परियोजनाओं का समर्थन करते हैं। राज्य के सभी स्टेशनों का विकास किया जाएगा, जिसके लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा पदभार संभालने के बाद से मैंने कई स्थानों का दौरा किया है, लेकिन मेंगलूरु और कारवार में रेलवे की स्थिति मुझे चिंतित करती है। हम निवारक उपाय करेंगे। डेढ़ सप्ताह के भीतर, सभी मंत्रियों

से इनपुट लेकर एक खाका तैयार किया जाएगा, जिसके तहत डेढ़ महीने के भीतर मेंगलूरु सेंट्रल के नवीनीकरण का काम पूरा कर लिया जाएगा।

रेलवे ट्रैक के पास भूस्खलन से निपटने के लिए सरकारी उपायों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में सोमन्ना ने कहा हमारे पास आपदा प्रबंधन टीम और विशेष वॉर रूम हैं। हम सभी एहतियात बरतेंगे, खास तौर पर इस साल बारिश में उल्लेखनीय वृद्धि को देखते हुए। हमारा उद्देश्य भूस्खलन को रोकने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी समाधान खोजना है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा लगाए गए जातिवाद के आरोपों के बारे में सोमन्ना ने कहा सिद्धरामैया जिन्हें मैं मंत्री के तौर पर जानता था, अब अलग दिखते हैं। हम अंधे नहीं हो सकते और अगर वह वैसे ही रहे तो संदेह पैदा होता है। वंदे भारत ट्रेनों के खाली होने के मुद्दे पर सोमन्ना ने कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है। हम बैठक में इस पर चर्चा करेंगे। मेरा ध्यान मेंगलूरु को उच्च गुणवत्ता वाला रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने पर है। मुझे सिद्धरामैया के मुडा मामले या आदिवासी बोर्ड घोटाले की चिंता नहीं है। इस मौके पर सांसद कैप्टन बृजेश चौटा, कोटा श्रीनिवास पुजारी, विधायक वेदव्यास कामथ, हरीश पूंजा और अन्य लोग मौजूद थे।

वाल्मीकि निगम घोटाला : बी नागेंद्र की पत्नी को ईडी ने हिरासत में लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महर्षि वाल्मीकि विकास निगम में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में पूर्व मंत्री बी नागेंद्र की पत्नी को गिरफ्तार किया है। बीईएल रोड स्थित रामके अपार्टमेंट में मौजूद बी नागेंद्र की पत्नी मंजुला को ईडी अधिकारियों की टीम ने हिरासत में ले लिया। उनसे शांतिनगर स्थित ईडी कार्यालय में आगे की पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक, नागेंद्र द्वारा कथित तौर पर करोड़ों के ट्रांसफर की पृष्ठभूमि में मंजुला के खाते की भी जांच की गई है। बताया जाता है कि जब ईडी के अधिकारियों ने नागेंद्र के बैंक लेनदेन की जांच की तो पता चला कि उन्होंने अपनी पत्नी के खाते में करोड़ों रुपये ट्रांसफर किए थे। मंजुला के नाम पर बेनामी खाते खोलने वाले नागेंद्र को

चरण दर चरण 20 करोड़ से अधिक ट्रांसफर करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था।

हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आरएलवी बैंक में एक बेनामी खाता खोला गया और एमजी रोड में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में एक उप खाता खोला गया और वहां से पैसा ट्रांसफर किया गया। अब ईडी की जांच टीम को पैसों का स्रोत पता चल गया है और वह मंजुला से जानकारी हासिल कर रही है।

इसी मामले के सिलसिले में ईडी के अधिकारियों ने नागेंद्र के आवास, कार्यालय और अन्य स्थानों पर छापेमारी की।

उन्होंने बेंगलूरु और बेल्लारी समेत नागेंद्र के घरों पर छापेमारी की थी और दस्तावेज जब्त किए थे। करीब दो दिन बाद लंबी पूछताछ के बाद नागेंद्र को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने इसे हिरासत में लेकर आगे की जांच के लिए कोर्ट में पेश किया है। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम के अध्यक्ष और रायचूर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक बसनगौड़ा दद्दल पर भी हमला किया गया। अब ईडी ने उन्हें सुनवाई में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की प्रदर्शनी के दूसरे दिन मिली अच्छी प्रतिक्रिया

व्यापारियों ने की सराहना

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी दी इनर स्टोरी नामक इनरवियर ट्रेड शो का तीसरा आयोजन, जो मंगलवार से पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में प्रारंभ हुआ, के दूसरे दिन बुधवार को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

बॉडीकेयर वूमन इनरवेयर कम्पनी द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस प्रदर्शनी के तीसरे संस्करण का उद्घाटन मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने किया था। प्रदर्शनी के दूसरे दिन नवरंग एक्सक्लुजिव गुलबर्गा के स्पेशल रिटेलर शैलेश, सिम सिम एनेक्स के मानव सेमलानी और बॉडी केयर के आरएमएम सुंदर राजन समेत अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। एक स्टॉल लगाने वाले जोन सेल्स मैनेजर आरएम रामलिंगम ने बताया कि दो दिनों में काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। मुझे चार नए डिस्ट्रीब्यूटर्स भी मिले हैं, जबकि 75 से अधिक रिटेलरों ने अपनी इच्छा व्यक्त की है। लेडी केयर एमडी प्रियंका डेडिया ने बताया कि पहले दिन से ही लोगों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अपने पहली बार के अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पहली बार है, लेकिन अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि दूसरे दिन लोगों की आवाजाही में काफी वृद्धि दर्ज की गई है और 2 हजार से अधिक लोगों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रदर्शनी के आखिरी दिन गुरुवार को भी हमे इसी प्रकार से लोगों के आने की उम्मीद है। इस मौके पर अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, उपाध्यक्ष महावीर चंद मेहता, सचिव रविन्द्र बंबोली, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, विनोद चौहान और आईपीपी रमेश चंद जैन के अलावा प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा, गौरव शर्मा, महेन्द्र जैन, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष ए. जैन और मधुराम खादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

सीएम ने की मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठक

विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने संपत्ति कर संशोधन, कचरा निपटान, यातायात प्रबंधन सहित ब्रांड बेंगलूरु के पूरक के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर बेंगलूरु शहर के मंत्रियों और बीबीएमपी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परामर्श किया। बेंगलूरु में कई वर्षों से संपत्ति कर में संशोधन नहीं किया गया है। पिछले साल राजस्व विभाग ने संपत्तियों पर गाइडलाइन रेट 25 से 30 फीसदी तक बढ़ा दिया था। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य सरकार ने संपत्ति कर बढ़ोतरी के प्रस्ताव को रोकने की कोशिश की थी। लेकिन ऐसे प्रस्ताव हैं कि निकट भविष्य में कर वृद्धि अपरिहार्य है। वर्तमान में लागू स्व-घोषित संपत्ति कर को बदलने और संपत्तियों के मूल्य पर कर की एक नई प्रणाली लागू करने के प्रस्ताव हैं और स्व-कब्जे वाले आवासीय क्षेत्रों के लिए दिशानिर्देश मूल्य पर 0.1 प्रतिशत और किराये पर आधारित संपत्तियों के लिए 0.2 प्रतिशत कर लगाने पर चर्चा हुई है। ।

स्व-घोषित संपत्ति कर प्रणालियाँ अपेक्षित मात्रा में राजस्व उत्पन्न नहीं कर रही हैं। आरोप है कि कई लोग गलत जानकारी देकर टैक्स की चोरी कर रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में कर प्रणाली को लेकर भी चर्चा हो रही है। बेंगलूरु में ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए फ्लाईओवर, अंडरब्रिज और टनल सड़कों का निर्माण लंबे समय से चल रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से सबसे लंबी टनल रोड का प्रस्ताव है। इसी तरह बेंगलूरु में यह 200 किमी है। नई सड़कों के निर्माण की भी तैयारी है और इन सड़कों के दोनों तरफ बफर जोन आरक्षित करने की भी चर्चा है। इसके अलावा बेंगलूरु में कूड़े के वैज्ञानिक तरीके से निपटान के लिए बिजली उत्पादन जैसी पहल पर भी चर्चा हो रही है। कचरा निपटान इकाइयां भरी हुई हैं, और मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कचरे का उपयोग करके बिजली बनाने के फायदे और नुकसान और योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में बेंगलूरु में जल दर संशोधन को लेकर अधिकारियों द्वारा तैयार किया गया प्रस्ताव पेश किया गया। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने बीबीएमपी चुनाव की पृष्ठभूमि में कर वृद्धि दर के प्रस्तावों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन शहरी विकास और बीबीएमपी अधिकारियों ने तर्क दिया है कि संसाधनों के केंद्रीकरण, बुनियादी सुविधाओं में बढ़ोतरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर के ब्रांड बेंगलूरु के लिए कड़ा फैसला लेना जरूरी है। बैठक में सरकार की ओर से अतिरिक्त वित्तीय सहायता का प्रस्ताव भी पेश किया गया है।

आलोक मोहन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को रोजाना थाने का दौरा करने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. आलोक मोहन ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को हर दिन कम से कम एक थाने का दौरा करना चाहिए और जघन्य अपराधों के मामले की जांच करनी चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने हाल ही में डीजी कार्यालय में आयोजित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक में भाग लिया और कुछ निर्देश दिए। उन्होंने कहा एसपी, डीसीपी, आईजीपी, डीआइजी, एडिशनल कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर को हर दिन कम से कम एक थाने का दौरा करना चाहिए और वहां की कार्यप्रणाली की जांच करनी चाहिए। पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नागरिक केंद्रित तरीके से काम करें। क्लब, जुआ, मटका सहित सभी संगठित अपराध तत्काल बंद होने चाहिए। ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। नशीली दवाओं और नशीले पदार्थों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों का दौरा किया जाना चाहिए। प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए प्रतिदिन सघन अभियान चलाया जाए।

सभी पुलिस अधिकारी एवं कार्मिक ई-बीट एप्लीकेशन के प्रबंधन के प्रति जागरूक रहें और इसे सार्थक ढंग से क्रियान्वित करें। पुलिस अधिकारी व कर्मी सुबह 9 बजे से 11 बजे तक व शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक पुलिस वर्दी में सार्वजनिक स्थानों पर गश्त करें। स्कूल-कॉलेज शुरू होने और बंद होने के दौरान होने वाले छेड़छाड़ को नियंत्रित करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास इस तरह से निगरानी रखी जानी चाहिए ताकि नशीली दवाओं की बिक्री को रोका जा सके। थाने पर प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को दर्ज कर तत्काल कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। राजमार्गों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गश्त करने वाले वाहनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सड़क के किनारे खड़े सभी वाहनों की पार्किंग लाइटें चालू हों। जिला एवं शहर स्तर के पुलिस स्टेशनों पर नियमित शांति समिति की बैठकें आयोजित कर सभी समुदाय अच्छे संबंध बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया कि पीएसआई से लेकर एसपी-डीसीपी स्तर तक के अधिकारियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में नियमित सार्वजनिक बैठकें आयोजित करके सार्वजनिक शिकायतों का नियमित निवारण सुनिश्चित करना चाहिए। प्रदेश के सभी थाने तत्काल प्रभाव से लापता लड़कियों और महिलाओं की तलाश शुरू करें।

भड़काऊ नारे लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केएसआरपी प्लाटून को तैनात करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अधिकतम संख्या में डीएआर/सीएआर यूनिट के जवान तैनात हों। जिला एसपी को अपने अधिकार क्षेत्र के तहत केएसआरपी और आवश्यक संस्थानों का बार-बार दौरा करना चाहिए और वहां के मुद्दों की समीक्षा करनी चाहिए। साथ ही जिला एसपी, डीसीपी जेलों का त्वरित निरीक्षण करें और फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। आलोक मोहन ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि नफरत फैलाने वाले भाषण और भड़काऊ नारे लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बाढ़ के पानी में बह गया हाथी का शव, तलाश जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुलिया में स्थित सुब्रह्मण्य में कुमारधारा नदी के बाढ़ के पानी में एक हाथी का शव तैरता हुआ देखा गया।

लगातार बारिश के कारण कुमारधारा नदी उफान पर है। सोमवार रात को मनमाथा बठोडी और अन्य लोग जलस्तर का निरीक्षण करने गए तो उन्होंने बाढ़ के पानी में कुछ तैरता हुआ देखा। करीब से देखने पर पता चला कि यह हाथी का शव है।

संदेह है कि हाथी की मौत कुछ दिन पहले हुई थी और बाढ़ के पानी में बहकर यहां आ गया। शव अभी तक नहीं मिला है। वन विभाग हाथी के शव को खोजने का प्रयास कर रहा है। नदी में पानी का स्तर अधिक होने के कारण खोज में बाधा आ रही है। मंगलवार शाम तक शव नहीं मिला। वन अधिकारियों ने कहा कि जलस्तर कम होने पर शव मिल सकता है।

कन्नड़ आरक्षण विधेयक

उद्योगों के भ्रम को किया जाएगा दूर: एमबी पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उद्योगपतियों द्वारा कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नए विधेयक के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त किए जाने के बाद, जिसमें सी और डी ग्रेड की नौकरियों में कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण अनिवार्य किया गया है, राज्य के वाणिज्य और उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि वे व्यापक विचार-विमर्श करेंगे, भ्रम को दूर करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योगों के साथ-साथ कन्नड़ लोगों के हितों की भी रक्षा की जाए। मैंने देखा है कि इस बारे में कई लोगों को आशंका है। हम इस

भ्रम को दूर करेंगे। हम सीएम के साथ बैठकर इस मुद्दे को सुलझाएंगे ताकि इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। कन्नड़ लोगों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, मैं इस मुद्दे पर सीएम सिद्धरामैया, आईटी-बीटी मंत्री, कानून मंत्री और श्रम मंत्री के साथ चर्चा करूंगा।

हम व्यापक विचार-विमर्श करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योगों के साथ-साथ कन्नड़ लोगों के हितों की भी रक्षा की जाए। कर्नाटक के मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि विनिर्माण और औद्योगिक क्रांति के प्रतिस्पर्धी युग में सभी राज्यों को अपने प्रतिस्पर्धी शिखर पर होना चाहिए।

भारत वर्तमान में वैश्विक चीन प्लस वन नीति द्वारा संचालित विनिर्माण और औद्योगिक क्रांति का अनुभव कर रहा है। इस प्रतिस्पर्धी युग में, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास कर रहे हैं। सभी राज्यों के लिए अपने प्रतिस्पर्धी शिखर पर होना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पाटिल ने कहा कि कर्नाटक सदी में एक बार होने वाली औद्योगिकीकरण की दौड़ में हार नहीं सकता और यह सुनिश्चित करेगा कि सभी के हितों की रक्षा की जाए।

कर्नाटक एक प्रगतिशील राज्य है और हम सदी में एक बार होने वाली औद्योगिकीकरण की इस दौड़ में हार नहीं सकते। हम सुनिश्चित करेंगे कि सभी के हितों की रक्षा की जाए। उद्योगों को आश्वस्त किया जाता है कि उन्हें किसी तरह का डर या आशंका नहीं है और वे निश्चिंत हो सकते हैं।

केआरएस जलाशय का जलस्तर 110 फीट के पार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कावेरी नदी बेसिन में लगातार बारिश के कारण केआरएस जलाशय में एक ही दिन में तीन फीट पानी जमा हो गया और बुधवार को 110 फीट से ज्यादा पानी जमा हो गया। कोडागु और चिकमगलूरु जिलों में भारी बारिश के कारण केआरएस जलाशय का प्रवाह लगातार बढ़ गया है। बुधवार को 36,674 क्यूसेक की आवक हुई। केआरएस जलाशय का जल स्तर जो मंगलवार को 107.60 फीट था वह बुधवार को 110.60 फीट तक पहुंच गया। मंगलवार को केआरएस जलाशय

में 29.378 टीएमसी फीट पानी जमा हुआ था, जबकि बुधवार को 32.330 टीएमसी फीट की बढ़ोतरी हुई। इस जलाशय की अधिकतम स्तर क्षमता 124.80 फीट है। यानी अधिकतम 49.452 टीएमसी फीट पानी जमा हो सकेगा।

हालाँकि जलाशय में अंतर्वाह अधिक है, बहिर्वाह 2,361 क्यूसेक है। इसी तरह, हेमावती, हरंगी और काबिनी जलाशयों का प्रवाह, जो कावेरी से पोषित नहीं हैं, काफी बढ़ गया है। काबिनी और हारंगी जलाशय भरने के करीब हैं।

हालांकि जलाशय से आवक से अधिक पानी छोड़ा जा रहा है। भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण एहतियात के तौर पर इन दोनों जलाशयों से नदियों में अधिक पानी छोड़ा जा रहा है।

क्रोधी नहीं सहनशील बनो पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारों के सिंचन हेतु संस्कारशाला क्रोधी नहीं सहनशील बनो का आयोजन मालगाला स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में किया गया।

अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नेशनल ट्रेनर रक्षा मांडोत रही।

रक्षा ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से बच्चों को बताया कि क्रोध करने से हमें कितने नुकसान होते हैं। हमें जल्दी से किसी भी बात पर क्रोध नहीं करना चाहिए अपितु सहनशील बनकर उस तरह विचार करना चाहिए। कार्यक्रम में समृद्ध राष्ट्रीय योजना की स्थानीय संयोजिका महिमा पटावरी, मंडल की सह मंत्री ललिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़ एवं कार्यकारिणी से पिंकी पोखरना और मोनिका बाटीया उपस्थित रही। बच्चों को मंडल की ओर से उपहार दिया गया।

औषधि के उच्च मानक तय करना जरूरी : नड्डा

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने बुधवार को कहा कि औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों की विश्व स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर उद्योगों से विचार विमर्श किया जाना चाहिए।

श्री नड्डा ने यहां औषधि चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन के नियामकों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को वैश्विक प्रतिष्ठा विश्व की फार्मेसी के अनुरूप औषधि विनियमन में वैश्विक नेता बनने के लिए, अपने परिचालन के पैमाने और अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं से मेल खाने वाले विश्व स्तरीय विनियामक ढांचे की आवश्यकता है। उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तथा मंत्रालय के वरिष्ठ

अधिकारी मौजूद थे।

श्री नड्डा ने सीडीएससीओ पर अपने अनिवार्य क्रियाकलापों में वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए समय सीमा के साथ एक योजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एकरूपता, तकनीकी उन्नयन और भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के उच्चतम मानकों पर ध्यान केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्यात की जा रही दवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए उचित प्रक्रिया तैयार की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वैश्विक मानकों को प्राप्त करने के लिए, सी.डी.सी.एस.ओ. तथा औषधि एवं चिकित्सा उपकरण उद्योग में प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि औषधि नियामक निकाय तथा उद्योग दोनों को पारदर्शिता के उच्चतम सिद्धांतों पर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि भारत में निर्मित तथा बेचे जाने वाले उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों के उच्चतम मानकों को पूरा करते हों। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दवा और चिकित्सा उपकरण उद्योग के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना महत्वपूर्ण है, ताकि उनके मुद्दों को समझा जा सके और गुणवत्ता अपेक्षाओं और मानकों को पूरा करने के लिए उनका सहयोग किया जा सके।औषधि निर्माण में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र और गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए लघु उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं के विषय पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के सामने आने वाली समस्याओं को समझा जाना चाहिए और उनकी क्षमता और उत्पादों की गुणवत्ता को मजबूत करने के लिए सहयोग करना चाहिए।

महाराष्ट्र में सीएम शिंदे ने चालू की लाडला भाई योजना

पंढरपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में चुनाव नजदीक आते ही एकनाथ शिंदे सरकार ने बेरोजगार युवाओं के लिए सरकारी खजाना खोल दिया है। लाडली बहना योजना की तर्ज पर अब लाडला भाई योजना लाई गई है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पंढरपुर के विट्ठल मंदिर में महापूजा के बाद मीडिया को इसकी जानकारी दी।

लाडला भाई योजना के तहत बारहवीं पास करने वाले युवाओं को छह हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इस योजना के तहत डिप्लोमा करने वाले युवाओं को आठ हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। वहीं, ग्रेजुएट युवाओं को दस हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे।

सीएम शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत हमारी सरकार हमारे राज्य के युवाओं को कारखानों में अप्रेंटिस करने के लिए पैसे देने जा रही है। इससे वे कुशल होंगे। इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने ऐसी योजना पेश की है। इस योजना के माध्यम से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है। इस योजना के माध्यम से युवा अन्य कारखानों में अनुभव और कुशलता हासिल करेंगे। अब महाराष्ट्र सरकार उन्हें बेरोजगारी से उबरने के लिए वजीफा देगी।

बता दें कि महाराष्ट्र में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की इस घोषणा को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, शिवसेना और एनसीपी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके पीछे युवाओं में बेरोजगारी को लेकर बढ़ती नाराजगी को मुख्य वजह बताया गया था। दूसरी ओर, विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन भी लगातार बेरोजगारी के मुद्दे को उठाता रहा है। ऐसे में शिंदे सरकार की इस घोषणा को विपक्ष के इस हथियार की काट के तौर पर देखा जा रहा है।

असम में बाल विवाह में 81 प्रतिशत की आई कमी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

असम सरकार की सख्त और त्वरित कार्रवाई से राज्य में बाल विवाह में 81 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर बुधवार को यहां जारी की गई रिपोर्ट टूवार्ड्स जस्टिस : इंडिंग चाइल्ड मैरेज के अनुसार असम में कानूनी कार्रवाई से बाल विवाह में 81 प्रतिशत की कमी आई है। राज्य के 30 प्रतिशत गांवों में बाल विवाह के पूरी तरह खत्म हो गए हैं और 40 प्रतिशत गांवों में इसमें उल्लेखनीय कमी आई है।

यह रिपोर्ट गैर सरकारी संगठन इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के एक अध्ययन दल ने तैयार की है। असम और देश के बाकी हिस्सों से जुटाए गए आंकड़ों के अध्ययन के बाद तैयार की गई इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021-22 से वर्ष 2023-24 के बीच असम में बाल विवाह के मामलों में 81 प्रतिशत की कमी आई है।

झारखंड सरकार विदेशी घुसपैठियों को दे रही संरक्षण : शिवराज चौहान

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जोरदार जुबानी हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। अगर इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है कि इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक होकर रह जाएंगे।

चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की। विधानसभा

चुनाव में भी हम महाविजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी जी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार थी, तो उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। इसी तरह उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहुलियत भी छीन ली। मोदी जी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे बुरी है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बेतहाशा बढ़ी हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले विष्णुदेव साय नई परियोजना जल्द शुरू करने का किया आग्रह

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर राज्य की विभिन्न नई रेल परियोजनाओं पर चर्चा की। रेल भवन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री साय ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रेल नेटवर्क के विस्तार की आवश्यकता पर जोर दिया।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री वैष्णव से राज्य की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं- धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा नई लाइन परियोजना, अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना, खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना और रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना को जल्द शुरू करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि धर्मजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा

नई लाइन परियोजना क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। यह पत्थ-लगांव, कुनकुरी, जशपुर नगर, गुमला आदि महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ती है। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ क्षेत्र को झारखंड से जोड़ेगी और कोरबा-धर्मजयगढ़ परियोजना का कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के माध्यम से औद्योगिक (कोरबा) क्षेत्र को लोहरदगा से जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, यह क्षेत्र को पूर्व में कोरबा और रांची से होकर मध्य भारत से जोड़ेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 16,000 करोड़ रुपए है।

अंबिकापुर-बरवाडीह नई लाइन परियोजना को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि इस परियोजना की मांग आजादी से पहले 1925 में की गई थी। लेकिन, 1948 में मंजूरी मिलने के बावजूद यह परियोजना अब तक अधूरी रही है। यह परियोजना अंबिकापुर (उत्तरी छत्तीसगढ़) को बरवाडीह (झारखंड) से जोड़ेगी और परसा, राजपुर, चंदनपुर जैसे महत्वपूर्ण शहरों को कनेक्ट करेगी। इस परियोजना के माध्यम से देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्से में कोयला और अन्य खनिजों के परिवहन के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 9,000 करोड़ रुपए है। खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा नई रेल लाइन परियोजना के बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना देश के पश्चिमी क्षेत्र में कोयला क्षेत्र, एसईसीएल और एमसीएल कोयला क्षेत्रों की निकासी के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करती है। यह बिलासपुर और रायपुर स्टेशनों को बायपास करते हुए बलौदाबाजार समेत समृद्ध क्षेत्र को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 8,000 करोड़ रुपए है। रावघाट-जगदलपुर नई रेल लाइन परियोजना के बारे में सीएम ने रेल मंत्री से इस लाइन को जगदलपुर तक बढ़ाने की मांग की ताकि आदिवासी क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास किया जा सके। यह परियोजना छत्तीसगढ़ के खनिज समृद्ध क्षेत्र से इस्पात उद्योगों तक लौह अयस्क की निकासी के कुशल और पर्यावरण अनुकूल साधन प्रदान करेगी।

खालिस्तानियों और इस्लामिस्तानियों को सियासत दे रही हवा पानी

शुभ-लाभ सरोकार

गत 5 जुलाई को लुधियाना के भीड़भाड़ वाले इलाके में तीन निहंगों ने महान क्रांतिकारी सुखदेव के परिवार से जुड़े शिवसेना के नेता संदीप थापर पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले के दौरान संदीप थापर का सुरक्षाकर्मी चुपचाप खड़ा रहा। थापर के साथ दिनदहाड़े जो हुआ, उससे स्पष्ट है कि पंजाब में फिर से कट्टरपंथी सिर उठा रहे हैं। वहीं पुलिस व्यवस्था और जनसाधारण अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं।

हाल ही में सम्पन्न आम चुनाव में खडूर साहिब से कट्टरपंथी खालिस्तानी अमृतपाल सिंह व फरीदकोट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअन्त सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा ने भारी मतों से जीत हासिल की है। तभी से यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या कट्टरपंथ के बढ़ने से ये अलगाववादी चुनाव जीते या इनके चुनाव जीतने से राज्य में अलगाववाद व कट्टरपंथ को बढ़ावा मिला? इन प्रश्नों का उत्तर यह है कि दोनों ही बातें सही हैं। इन उम्मीदवारों की जीत के पीछे कट्टरपंथ का उभार माना जा रहा है तो वहीं इनकी जीत से राज्य में खालिस्तानी तत्वों के हौसले भी बढ़े दिखाई दे रहे हैं।

राज्य में निहंग वेशधारियों की उग्रता का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि इसकी एक लंबी शृंखला है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने निहंग परम्परा खालसा पंथ की स्थापना के रूप में शुरू की थी। निहंगों की परम्परा बड़ी गौरवशाली रही है जिसने समय-समय पर विदेशी हमलावरों को मुंहतोड़ जवाब दिया। पंजाब में एक कहावत प्रसिद्ध है कि आ गए निहंग-बूहे खोल दयो निसंग अर्थात निहंग आ गए हैं, अपने-अपने घरों के दरवाजे खोल दो। यह कहावत उस समय प्रसिद्ध हुई थी जब देश में मुगलों का अत्याचारी शासन था और आम लोग भयभीत रहते थे। लेकिन कट्टरपंथ व अलगाववाद के उभार के कारण निहंगों में भी बहुत से इसकी चपेट में आ गए हैं।

कोरोनाकाल में देशवासियों ने देखा होगा कि किस तरह पटियाला में निहंगों ने एक पुलिस वाले का हाथ काट दिया था। गायों को चराने को लेकर 4 सितम्बर 2023 को राधास्वामी सम्प्रदाय के श्रद्धालुओं व निहंगों के बीच खूनी झड़प हुई। इसी महीने की 6 तारीख को अमृतसर में एक निहंग ने एक युवक की केवल इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वह तम्बाकू खा रहा था। 15 अक्टूबर 2021 को सिंघू बार्डर पर किसान आन्दोलन के दौरान निहंगों ने बेअदबी के नाम पर एक दलित युवक को बर्बरता से काट-काट कर मारा था और उस तड़पते युवक को मरणासन्न अवस्था में लटकाकर रखा था।

मई 2023 में कुछ कट्टरपंथी निहंगों ने पटियाला के विश्व प्रसिद्ध काली माता मंदिर पर हमले का प्रयास किया। 6 जनवरी 2024 को कपूरथला में नशे में धुत एक निहंग ने बेअदबी के नाम पर गुरुद्वारा साहिब में एक युवक की हत्या कर दी। इसी साल 6 जून को जालंधर में निहंगों ने पुलिस पार्टी पर हमला कर एक पुलिस अधिकारी को घायल कर दिया। उक्त अधिकारी अपनी टीम के साथ निहंगों द्वारा शराब के ठेके के बाहर लगाया गया भड़काऊ बोर्ड हटाने गए थे। तीन महीने पहले जालन्धर में ही निहंगों ने बीड़ी/सिगरेट वाले खोखों को यह कहते हुए तोड़ डाला था कि ये गुरुद्वारे के मार्ग में पड़ते हैं। इस तरह की घटनाओं की लम्बी-चौड़ी फेरहिस्त है जो राज्य में बढ़ते कट्टरपंथ और अलगाववाद के बढ़ने के संकेत हैं।

पंजाब में राज्य भाजपा के चार बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकी दी गई है। एक प्लास्टिक थैली में धमकी भरी चिट्ठी चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय में पहुंची है। इस चिट्ठी में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सिख समन्वय समिति व राष्ट्रीय रेलवे कमेटी के सदस्य तेजिंदर सिंह सरां और भाजपा महासचिव परमिंदर बराड़ को जान से मारने की धमकी दी गई है। इसके अलावा इसमें भाजपा के प्रदेश संगठन महासचिव श्रीनिवासुलु का भी नाम है। दूसरी ओर अमृतसर में भी पूर्व भाजपा अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सदस्य श्वेत मलिक को भी धमकियां मिली हैं। इस मामले में पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पंजाब के डीजीपी गौरव यादव से बातचीत कर मामले की जांच करने की मांग की है।

पंजाब में हिंदू और सिखों के बीच खटास पैदा करने का काम दरअसल अंग्रेजों ने शुरू किया था। 1882 में ब्रिटिश काल में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईसीएस) के अधिकारी मैक्स आर्थर मैक्यालिफ ने हिंदू और सिख समाज में अलगाव के बीज बोए और सारा जोर यह साबित करने पर लगा दिया कि सिख और हिंदू एक नहीं हैं। उसने जो किया, कुछ ऐसा ही कट्टरपंथी संगठन और अलगाववादी फिर से पंजाब में कर रहे हैं।

वैसे यह बात अलग है कि आज भी गुरुद्वारों में जाने वाले श्रद्धालुओं में सिखों से भी अधिक संख्या हिंदुओं की होती है। दरअसल समाज में दरार डालने का जो काम विदेशी अंग्रेज नहीं कर पाए उसे राजनीति की आड़ में पंजाब में किया गया। पंजाब में अकालियों की ताकत बढ़ी तो कांग्रेस को दिक्कत हुई। लिहाजा उसने अकालियों की ताकत घटाने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र रचने शुरू कर दिए। इन्हीं षड्यंत्रों में से एक था राज्य में कट्टरपंथी नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाले का उदय।

साल 1978 में सिखों व निरंकारी संप्रदाय के श्रद्धालुओं के बीच हुए टकराव में 17 सिख मारे गए और 100 के करीब जख्मी हो गए। इस घटना का लाभ उठाया जरनैल सिंह भिंडरांवाले व उसके साथियों ने। भिंडरावाले ने अपने जहरीले भाषणों से राज्य के युवाओं का दिमाग भटकाकर कर उसमें अलगाववाद व कट्टरपंथ के बीज बोए और राज्य में दो दशकों तक खालिस्तानी आतंकवाद की काली आंधी चलती रही। 1971 के युद्ध में भारत के हाथों पराजित होकर व बांग्लादेश के रूप में विभाजन की चोट खाए बैठे पाकिस्तान ने भी पंजाब में पलीता लगाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने खालिस्तानी आतंकवाद का न केवल वित्तपोषण किया बल्कि आतंकियों को शरण व हथियार भी उपलब्ध करवाए। बाद में ऑपरेशन ब्लू स्टार में भिंडरांवाले और उसके साथी मारे गए। इसी का बदला लेने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की गई। इसके बाद कहने को तो पंजाब में आतंकवाद की आग बुझा दी गई, लेकिन उसे हवा-पानी देकर लगातार सुलगाया जाता रहा। अब फिर से ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

आज पंजाब में आम आदमी पार्टी (आपा) की सरकार है। इसके मुखिया अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले में जेल में बंद हैं। पंजाब में उनके खास भगवंत सिंह मान मुख्यमंत्री हैं। विदित हो कि केजरीवाल पर खालिस्तानियों का सहयोग लेने के आरोप लगते रहे हैं।

पंजाब में कट्टरपंथ लगातार पैर पसार रहा है। अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह जैसे लोगों का लोकसभा चुनाव में जीतना इसी तरफ इशारा करता है। जब हम पंजाब में आतंकवाद व अलगाववाद की समस्या का जिक्र करते हैं तो हम विदेशों में बैठे उन कट्टरपंथियों की अनदेखी नहीं कर सकते जो राज्य में आतंकी आग बुझने नहीं देते। सोशल मीडिया ने उनके इस काम को और भी आसान बना दिया है। आज पंजाब में पनपा रहे गैंगस्टर, फिरौती के धंधे, नशे के व्यापार आदि कई तरह की आपराधिक गतिविधियों के लिए यह अलगाववादी, कट्टरपंथी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जिम्मेदार हैं। आज पंजाब भले ऊपर से शान्त दिखाई दे, लेकिन अलगाववादी और कट्टरपंथी तत्व एक बार फिर से राज्य को आतंकवाद की तरफ ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

सुशासन बाबू ने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया : शाहनवाज हुसैन

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर राजद प्रदेश सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। इस बीच एनडीए के विभिन्न घटक दलों ने विपक्षी खेमे को उसका इतिहास याद दिलाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने राजद के दौर को जंगलराज बताया।

शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जो लोग जंगलराज कायम करने वाले रहे हैं, उन्हें ख्वाब में भी जंगलराज ही याद आता है। नीतीश कुमार सुशासन बाबू हैं,उन्होंने कभी अपराधियों से समझौता नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जीतन सहनी की हत्या बहुत ही दुखद है। देश के गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश ने मुकेश सहनी से बात की है। उन्हें भरोसा दिलाया है कि जो भी अपराधी घटना को अंजाम देने में शामिल है, वो बचेंगे नहीं। पुलिस अपराधी के करीब पहुंच चुकी है। हम लोग जांच रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं। बिहार के भीतर अपराध से कोई समझौता न हुआ है, नहीं होगा। विपक्ष के आरोपों पर जदयू नेता जयंत राज कुशवाहा ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इतना बड़ा राज्य है, घटना हो जाती है। इस पर कार्रवाई भी हो रही है। हम आश्वासन देते हैं कि नीतीश कुमार के राज में कोई अपराधी बचने वाला नहीं है।

अपराधी कोई भी हो, उसे छोड़ने का काम नहीं किया जाएगा। किसी भी हालात में उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष का काम है आरोप लगाना, वे लगा रहे हैं। कम से कम विपक्ष को ये तो समझ में आ रहा है कि अगर किसी के परिवार में घटना घटती है तो यह कितना दुखद है। नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा कि अगर तेजस्वी के डिप्टी सीएम होते कोई घटना घटती थी तो क्या वे इस्तीफा दे देते थे। सारे अधिकारी और नेता अपने दायरे में काम कर रहे हैं। इनका काम है कुछ भी बोलते रहना। भाजपा नेता संजय जायसवाल ने कहा कि हर अपराधी पकड़ा जाएगा। अपराध रुकना चाहिए। बिहार के वर्तमान सरकार की खासियत है आज तक कोई अपराधी बचा नहीं है। उन्होंने विपक्ष के आरोपों पर कहा कि उनके शासनकाल में घर पर अपहरण के फोन कॉल आते थे। हत्या हो जाती थी। उस समय नीतीश कुमार ने सभी अपराधियों का एनकाउंटर करवाया और उन्हें जेल में बंद कराया। डर से कुछ अपराधी तो राज्य छोड़कर भी भाग गए।

यूपी उपचुनाव

अब उत्तर प्रदेश में बिछ गई उपचुनाव की बिसात

कौन लड़ेगा और कौन हटेगा, इस पर उठ रहे सवालात

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसे लेकर सियासी हलचल शुरू हो चुकी है। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है उनमें से ज्यादातर सीटें उन सीटों के विधायकों के सांसद बनने की वजह से हो रहे हैं। वहीं, एक विधायक के अयोग्य घोषित होने के बाद उपचुनाव की नौबत आई है।

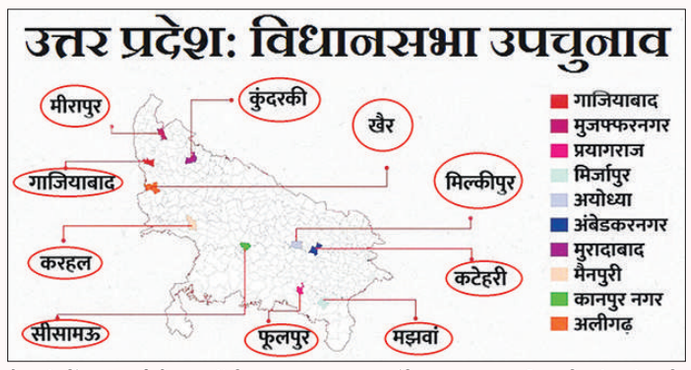

जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें अलीगढ़ जिले की खैर, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, कानपुर नगर की सीसामऊ, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद की गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां, मुरादाबाद की कुंदरकी और मैनपुरी की करहल विधानसभा सीट शामिल है। जिन सीटों पर उपचुनाव होना है 2022 के विधानसभा में इनमें से समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक पांच सीटें जीती थीं। वहीं, भाजपा ने इनमें से तीन सीटें जीतीं थीं। राष्ट्रीय लोक दल और निषाद पार्टी के एक-एक उम्मीदवार इन सीटों पर विजयी हुए थे।

हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में कई विधायक सांसद निर्वाचित हुए थे। इनमें से पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत नौ विधायक शामिल हैं। सांसद बनने के बाद इन विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं, कानपुर नगर की सीसामऊ सीट 2022 में यहां से जीते सपा के इरफान सोलंकी को अयोग्य करार दिए जाने से रिक्त हो गई है।

उत्तर प्रदेश में जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें सबसे चर्चित करहल सीट है। यादव बहुल करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद बनने से रिक्त हुई है। यहां के विधायक सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव थे जो 2024 के लोकसभा चुनाव में कन्नौज से जीतकर सांसद बन गए हैं। सपा की तरफ से अखिलेश यादव ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में करहल सीट पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में अखिलेश ने भाजपा के एसपी सिंह बघेल को शिकस्त दी थी। यहां से अखिलेश परिवार के तेज प्रताप सिंह यादव को उतारा जाना करीब-करीब तय है। वहीं, भाजपा भी इस चुनाव की तैयारी में जुट गई है। पार्टी ने उपचुनाव के लिए उत्तर प्रदेश सरकार में संस्कृति और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को प्रभारी मंत्री बनाया है। इस बीच, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय मदन चौहान के पुत्र शिवम चौहान ने पार्टी से टिकट मांगा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में टिकट मांगना सभी का अधिकार है। अगर पार्टी उनको टिकट देती है तो वह करहल सीट पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कराएंगे।

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट हाल के लोकसभा चुनाव के बाद सबसे ज्यादा चर्चा में रही। यूपी में भाजपा की सीटें कम होने के साथ अयोध्या जिले की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भी हार का सामना करना पड़ा था। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद यहां से करीब 54 हजार मतों से जीत गए। लोकसभा का चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद 2022 में फैजाबाद जिले की मिल्कीपुर (सुरक्षित) सीट से जीते थे। उन्होंने भाजपा के गोरखनाथ को हराया था। अब उपचुनाव के लिए मिल्कीपुर (एससी) सीट से सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत सपा से टिकट के दावेदार हैं। हालांकि, सपा नेतृत्व नहीं चाहता है कि अवधेश की जीत से बने माहौल को कोई नुकसान पहुंचे, इसलिए उनके बेटे के बजाय किसी अन्य को लड़ाने पर विचार किया जा रहा है। मिल्कीपुर सीट पर सपा के पास कई दावेदार हैं।

दूसरी तरफ भाजपा से पूर्व विधायक गोरखनाथ समेत टिकट के दावेदारों के रूप में कई नाम हैं। इनमें पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी, नीरज कनौजिया, आरएसएस की पृष्ठभूमि से जुड़े रहे जिला महामंत्री काशीराम रावत, राधेश्याम त्यागी, चंद्रभानु पासवान, लक्ष्मी रावत और जिला पंचायत सदस्य बबलू पासी प्रमुख हैं।

अंबेडकर नगर की कटेहरी सीट से सपा के विधायक रहे लालजी वर्मा भी अब लोकसभा के सांसद बन गए हैं। उनके इस्तीफे से कटेहरी सीट पर उप-चुनाव होना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के लालजी वर्मा में एडीए गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे अवधेश कुमार द्विवेदी को शिकस्त दी थी। आगामी उपचुनाव के लिए सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा को लड़ाने की चर्चा है। सपा की ओर से कटेहरी से किसी ब्राह्मण या मांझी दावेदार को मौका मिल सकता है। दूसरी ओर भाजपा ने उप-चुनाव को लेकर तीन-तीन मंत्रियों-स्वतंत्र देव सिंह, संजय निषाद और दयाशंकर मिश्र दयालु को यहां की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही यहां भाजपा से चुनाव लड़ने को लेकर अभी से ही तगड़ी दावेदारी शुरू हो गई है। इसमें पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद, अवधेश द्विवेदी के अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह, वरिष्ठ नेता राणा रणधीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधीर सिंह मिंटू आदि का नाम मुख्य रूप से शामिल है।

मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट से विधायक जिया उर रहमान संभल से सपा के सांसद बन गए हैं। जिया उर रहमान के विधायक पद से इस्तीफे के बाद कुंदरकी में उपचुनाव होना है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा के जिया उर रहमान ने भाजपा उम्मीदवार कमल कुमार को हराया था। आने वाले उपचुनाव में सपा कुंदरकी से किसी मुस्लिम चेहरे को उतार सकती है। मुरादाबाद से पूर्व सपा सांसद एसटी हसन भी दावेदारी पेश कर रहे हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि अखिलेश कहें तो वह तैयार हैं। जियाउर रहमान के पिता मामलुक उर रहमान और यहां के पूर्व विधायक मोहम्मद रिजवान भी इस सीट पर सपा के दावेदारों में शामिल हैं।

कानपुर नगर की सीसामऊ ऐसी अकेली सीट है जहां मौजूदा विधायक की अयोग्यता के चलते उपचुनाव होना है। तत्कालीन सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा सुनाए जाने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। 2022 के चुनाव में सपा की तरफ से उतरे इरफान ने भाजपा के सलिल विश्नोई को हराया था। कहा जा रहा है कि उपचुनाव के लिए सपा इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को टिकट देगी। इस सीट पर भाजपा में टिकट के लिए कई दावेदार हैं। इनमें पार्षद से लेकर पार्टी पदाधिकारी और यहां तक कि कई गैर राजनीतिक लोगों के नाम भी चर्चा में हैं।

गाजियाबाद के भाजपा विधायक अतुल गर्ग इस लोकसभा चुनाव में गाजियाबाद लोकसभा सीट से सांसद बन गए हैं। 2022 में गर्ग गाजियाबाद विधानसभा सीट से जीते थे। उनके सांसद बनने के बाद इस सीट पर उप-चुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अतुल गर्ग ने सपा उम्मीदवार विशाल वर्मा को हराया था। चुनाव लड़ने के लिए भाजपा में टिकट पाने के लिए लंबी लाइन है। वहीं विधानसभा उपचुनाव भी लोकसभा की तरह कांग्रेस-सपा गठबंधन के दल भी मिलकर लड़ेंगे। यहां सपा जाट और दलित समीकरणों पर विचार कर रही है।

प्रयागराज में फूलपुर विधानसभा सीट से विधायक प्रवीण पटेल फूलपुर लोकसभा सीट से सांसद चुन लिए गए हैं। प्रवीण के विधायक पद से इस्तीफे के चलते उपचुनाव होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रवीण पटेल ने सपा उम्मीदवार मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी को हराया था। आने वाले उपचुनाव में इस सीट से भाजपा के दावेदारों की बात करें तो उसमें निवर्तमान सांसद केशरी देवी पटेल के बेटे दीपक पटेल का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। इसके अलावा इस सीट से विक्रमजीत सिंह मौर्य और पूर्व गंगापार अध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय भी टिकट के दावेदारों में शामिल हैं। सपा में जिन नामों पर चर्चा है उसमें राजेंद्र पटेल, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, पूर्व विधायक मुर्तजा सिद्दीकी और इस बार का लोकसभा चुनाव लड़ चुके अमरनाथ मौर्य का नाम शामिल है।

मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से राष्ट्रीय लोक दल के चंदन चौहान विधायक थे। चंदन ने इस लोकसभा चुनाव में बिजनौर सीट से अपनी किस्मत आजमाई और सफल भी हुए। चंदन चौहान के विधायक पद से इस्तीफे की वजह से मीरापुर में उप-चुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में रालोद के चंदन चौहान ने भाजपा उम्मीदवार प्रशांत चौधरी को हराया था। उस चुनाव में रालोद सपा के साथ गठबंधन में लड़ी थी। अब उपचुनाव के लिए बसपा से रालोद में आए चौधरी विजेंद्र सिंह मीरापुर से टिकट के दावेदारों में हैं। विजेंद्र सिंह ने बिजनौर लोकसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उधर सपा की तरफ से मीरापुर सीट पर मुस्लिम, गुर्जर और जाट दावेदारों के नाम पर विचार किया जा रहा है।

मिर्जापुर की मझवां विधानसभा सीट से निषाद पार्टी के विधायक रहे डॉ. विनोद कुमार बिंद भी अब लोकसभा के सांसद बन गए हैं। उनके इस्तीफे से मझवां सीट पर उपचुनाव होना है। 2022 के विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी के टिकट पर उतरे विनोद कुमार बिंद ने सपा के रोहित शुक्ल को शिकस्त दी थी। उपचुनाव के लिए मझवां से निषाद पार्टी अपना उम्मीदवार उतार सकती है। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कटेहरी और मझवां विधानसभा सीटों पर दावेदारी पेश की है। उधर सपा की तरफ से मझवां में ब्राह्मण या बिंद बिरादरी के नेता को मौका मिल सकता है।

अलीगढ के खैर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि विधायक थे। अनूप ने इस लोकसभा चुनाव में हाथरस सीट से अपनी किस्मत आजमाई और सफल भी हुए। उनके विधायक पद से इस्तीफे की वजह से खैर में उपचुनाव होना है। गत विधानसभा चुनाव में भाजपा के अनूप प्रधान वाल्मीकि ने बसपा की उम्मीदवार चारू को हराया था। आगामी उपचुनाव के लिए सपा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर चुकीं एक नेता के नाम पर विचार कर रही है। भाजपा में भी दा-वेदारों की होड़ है लेकिन अभी किसी नाम पर निर्णय नहीं हुआ है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1975 में दिखाई थी संविधान की ताकत

प्रयागराज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री स्वतंत्र प्रभार अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को आपातकाल की घटना को संविधान पर सबसे बड़ी चोट के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि इसी संगमनगरी ने संविधान की रक्षा भी की और उसकी ताकत का भी देश को अहसास कराया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सुरक्षित और गरिमामयी 75 वर्ष की यात्रा इसी संविधान के आदर और न्याय की अवधारणा की देन है। इस दौरान उन्होंने रिमोट दबाकर हमारा संविधान हमारा सम्मान पोर्टल को लांच किया।

इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के कन्वेंशन सेंटर में हमारा संविधान-हमारा सम्मान अभियान के तहत आयोजित क्षेत्रीय स्तर के देश के तीसरे सम्मेलन में केंद्रीय न्याय मंत्री ने समारोह में बार-बेंच के संगम को सराहा। उन्होंने जहां संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और व्यवस्थापिक रूपी त्रिवेणी को लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत उपहार बताया तो वहीं वह अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और महाकवि निराला को याद करना नहीं भूले।

उन्होंने कहा कि 1947 में भारत और पाकिस्तान दोनों एक साथ आजाद हुए थे। स्वतंत्रता काल के इस सफर में कहीं गृह युद्ध तो कहीं सैनिक शासन जैसी स्थिति पैदा हुई।

लेकिन, भारत स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में सुरक्षित प्रवेश कर गया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की यह सुरक्षित यात्रा सिर्फ भारत के संविधान की वजह से पूरी हुई है। हम तरक्की की राह पर विकसित भारत का संकल्प पूरा करने की ओर अग्रसर हैं। न्याय मंत्री मेघवाल ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को भी याद किया।

योगी को हटाए जाने की चर्चाओं पर फिलहाल विराम

संगठन और सरकार में हो सकते हैं बदलाव

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बीते कुछ दिनों से उत्तर प्रदेश की सियासत में किसी बहुत बड़े बदलाव को लेकर सियासी गलियारों में खूब चर्चाएं हो रही हैं। चर्चाओं के इसी दौर में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद बीते तकरीबन 12 घंटे से उत्तर प्रदेश की सियासत में भारी फेरबदल की बात हो रही है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों की मानें, तो उत्तर प्रदेश के संगठन और सरकार में कुछ बदलाव तो होने तय हैं। लेकिन जिसकी चर्चा सियासी गलियारों में सबसे ज्यादा हो रही है, उस तरीके का कोई बड़ा चौंकाने वाला फैसला फिलहाल उत्तर प्रदेश में नहीं होने वाला है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद से हार के कारणों पर चर्चा हो रही है। इन्हीं चर्चाओं के बीच उत्तर प्रदेश में बड़े फेरबदल की बात की जा रही थी। लगातार उत्तर प्रदेश के बड़े नेता मुख्यमंत्री से लेकर प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में थे। लेकिन बीते 12 घंटे के भीतर जिस तरीके से उत्तर प्रदेश की सियासत में हलचल मची है, उसे लेकर सबसे ज्यादा चर्चाएं हो रही हैं।

विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम आवास पर हुई बैठक

योगी ने मंत्रियों को दिया सीटों का जिम्मा

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर बैठक हुई जिसमें सरकार और संगठन के लोग शामिल हुए। बैठक में एक सीट की जिम्मेदारी तीन मंत्रियों को दी गई हैं।

बैठक के बाद बाहर निकले कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई और सभी की जिम्मेदारी तय की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों को अपने प्रभारी क्षेत्र में जब तक चुनाव समाप्त न हो जाएं दो दिन-रात्रि विश्राम के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की तरफ से सभी प्रभारी मंत्रियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि हर एक ग्रुप को कार्यकर्ताओं के साथ बात करनी है और सबसे ज्यादा फोकस बूथ को मजबूत करने में करना है।

लोकसभा चुनाव में सांसद बने 9 विधायकों की सीटों समेत सीसामऊ सीट पर उप चुनाव होना है। सपा विधायक के अयोग्य घोषित होने से सीसामऊ सीट रिक्त हुई है। जिन 9 सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें मिल्कीपुर, कटेहरी, फूलपुर, मझवां, गाजियाबाद सदर, मीरापुर, खैर और कुंदरकी शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को मिली पराजय के बाद पार्टी इन उपचुनाव में बड़ी जीत हासिल कर संदेश देना चाहती है कि भाजपा की पकड़ अभी भी यूपी के मतदाताओं पर मजबूत है। इन चुनाव को विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा में लखनऊ से लेकर दिल्ली तक बैठकों का दौर चल रहा है। मंगलवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी।

यूपी में सपा के गुंडाराज की वापसी असंभव : मौर्य

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में 2017 के नतीजों को दोहराएगी। यूपी में समाजवादी पार्टी की गुंडागर्दी की वापसी असंभव है। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का यह बयान ऐसे समय में आया है जब उनके और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच मतभेद की खबरें आ रही थीं । 15 जुलाई को भाजपा की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति में उनके द्वारा दिए गए बयान के बाद से ही यह चर्चा शुरू हो गई थी। यहां पर उन्होंने कहा था कि वह खुद को पहले भाजपा कार्यकर्ता मानते हैं, फिर उसके बाद में उपमुख्यमंत्री। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगठन पहले है और रहेगा।

अब बरेली में नहीं होगा सामूहिक धर्मांतरण का कार्यक्रम

बरेली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कट्टरपंथी एवं विवादित मौलाना तौकीर रजा खां को बरेली में सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं मिली तो उन्हें अपने कदम पीछे खींचने पड़े। मौलाना का पश्चिमी यूपी से लेकर पूरे देश में कौने-कौने पर विरोध हो रहा था।

साधु-संत भी मुखर होकर मुखर होकर हमला बोल रहे थे और हिंदू संगठन सड़कों पर उतरकर जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे थे। भारी फजीहत होते देख मौलाना ने खुद ही कार्यक्रम स्थगित करने की घोषणा कर दी है। हालांकि, उनके खिलाफ माहौल बिगाड़ने के षडयंत्र के मामले में अभी भी कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

बरेली में इत्तहादे मिल्लत काउंसिल नाम से पार्टी चलाने वाले मौलाना तौकीर रजा खां पहले से ही फसादी और विवादित छवि के रहे हैं। बरेली में 2010 में हुए दंगे का उन्हें मास्टर माइंड भी माना जाता है। तत्कालीन बसपा सरकार ने बरेली पुलिस ने दंगे के मामले में मौलाना को गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था, लेकिन बाद में उन्हें दबाव में छुड़वा दिया गया था। उसके बाद भी मौलाना भड़काऊ बयानबाजी कर लगातार माहौल गरमाने का प्रयास करते रहते हैं। पिछले साल मौलाना ने बरेली में बगैर अनुमति

भीड़ जुटाकर प्रशासन के सामने चुनौती पेश की थी। पुलिस की सख्ती से वह प्रदर्शन तो नहीं कर सके थे, लेकिन भीड़ ने बरेली शहर में कई जगह बवाल काटा था।

मौलाना तौकीर इस बार बरेली के शांत माहौल में गरमी पैदा करने के लिए सावन माह शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हिंदू लड़के-लड़कियों का सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम कराना चाह रहे थे लेकिन प्रशासन ने उन्हें ऐसा करने की बिल्कुल अनुमति नहीं दी।

इस बीच मौलाना की साजिश का पता होते ही हिंदू समाज सड़कों पर उतर आया। उनके खिलाफ बरेली जिला मुख्यालय से लेकर शहर-देहात में भी प्रदर्शन शुरू हो गए। विहिप, हिंदू जागरण मंच, बजरंग दल, नाथ नगरी सुरक्षा समूह मैदान में उतर आए और मौलाना तौकीर के खिलाफ कार्रवाई के साथ उनके प्रस्तावित कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग शुरू कर दी थी।

पिछले साल बरेली में कांवड़ यात्रा के दौरान बवाल की घटना से सबक लेकर प्रशासन पहले से ही फूंक-फूंककर कदम रख रहा था। पुलिस अफसरों ने मौलाना के ऐलान को गंभीरता से लेकर दो टूक कह दिया कि अगर धर्मांतरण कार्यक्रम किया गया तो अवैध धर्मांतरण कानून के तहत आयोजकों पर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने मौलाना तौकीर की पार्टी को कार्यक्रम की अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया। ऐसी स्थिति में अगर मौलाना बरेली शहर में धर्मांतरण कार्यक्रम करते तो वह न सिर्फ पुलिस-प्रशासन के निशाने पर आकर कानूनी कार्रवाई झेलते, बल्कि उन्हें मैदान में हिंदू विरोध का भी सामना करना पड़ता।

फजीहत होती देख मौलाना तौकीर ने खुद ही कार्यक्रम से हाथ पीछे खींच लिए। रात में उनकी पार्टी की ओर से प्रशासन को पत्र भेजकर कार्यक्रम नहीं करने की घोषणा कर दी।

सपा-बसपा सरकारों में कई दंगे झेल चुके संवेदनशील बरेली शहर में मौलाना ने कांवड़ यात्रा से पहले सामूहिक इस्लामिक धर्मांतरण कार्यक्रम की घोषणा क्यों की, इसे लेकर विभिन्न संगठन उनके खिलाफ अब भी कार्रवाई की मांग पर अड़े दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने खुराफाती मौलाना तौकीर पर पहले से दर्ज चल रहे मुकदमों की नए सिरे से छानबीन शुरू कर दी है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा, पंजाबी संगठन, अधिवक्ता परिषद, भारतीय बजरंग दल समेत तमाम संगठनों ने मौलाना के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर उनकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

विवादित मौलाना तौकीर रजा खां के खिलाफ पश्चिमी यूपी में साधु-संत भी लामबंद होकर मैदान में उतर आए हैं।

वृंदावन में गोपाल खार स्थित श्रीमद्भागवत मंदिर में आचार्य बद्रीश महाराज की अध्यक्षता में हुई बैठक में मौलाना तौकीर की गतिविधियों पर रोक लगाकर सरकार से कार्रवाई की मांग उठाई गई। धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़ एवं मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण ने दू टूक कहा है कि अगर इस्लामिक धर्मांतरण कार्यक्रम हुआ तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

आचार्य बद्रीश महाराज ने साफ शब्दों में कहा कि मौलाना तौकीर बरेली का माहौल बिगाड़ने का षडयंत्र कर रहे हैं। इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज ने भी इस तरह का कार्यक्रम कहीं भी नहीं होने देने की मांग सरकार से उठाई है।

प्रसिद्ध कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने भी इस्लामिक कट्टरपंथी मौलाना तौकीर रजा खां को करारा जवाब दिया है। कथाव-ाचक देवकी नंदन ने वीडियो बयान जारी कर कहा कि मौलाना सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम करेंगे और हिंदू समाज चुप बैठेगा, ये समझने की भूल कोई न करे। कितने ही मुस्लिम युवक-युवतियां सनातन धर्म ग्रहण करने की इच्छा के साथ उनके पास आते रहते हैं, लेकिन वह ऐसे कार्यक्रम करते। मौलाना तौकीर हिंदू समाज की भावनाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे मौलाना पर पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने हिंदू हिंसक बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को हिंसक बताने वालों को मौलाना तौकीर का षडयंत्र क्यों नहीं दिखाई दे रहा?

संपादकीय

दबाव में प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में अधिक दबाव और तनाव में रहेंगे। बुनियादी कारण यह है कि भाजपा के पक्ष में सामान्य बहुमत नहीं है, लिहाजा गठबंधन का सहारा लेना पड़ा है। पहले दो कार्यकालों में अकेली भाजपा को लबालब बहुमत हासिल था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को बरकरार रखा और कैबिनेट में भी स्थान दिया था। अब स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि प्रधानमंत्री के करिश्मे और प्रभाव से ही सब कुछ संचालित होता रहे। चुनाव लडऩा और जीतना 'बायें हाथ का खेल' समझा जाए। बेशक देश के 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक सांसद हैं। विधायक भी सबसे अधिक हैं। इनके बावजूद प्रधानमंत्री का दबाव और तनाव में रहना तार्किक न लगे, लेकिन हालात ऐसे ही बनते जा रहे हैं। सबसे पहले तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) को ही लें, जिसके 16 लोकसभा सांसदों का समर्थन मोदी सरकार के स्थायित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। टीडीपी अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू बीते दिनों दिल्ली प्रवास पर थे। उन्होंने सरकार से एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज तुरंत मांगा था। उसमें से 50,000 करोड़ रुपए उन्हें अविलंब चाहिए थे, क्योंकि आंध्र की नई राजधानी अमरावती और दूसरे रूटीन के खर्चों के लिए उन्हें धन की आवश्यकता थी। आंध्र भारी कर्ज के बोझ तले दबा है। चंद्रबाबू की इस मांग पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने असमर्थता जताई कि इतने अतिरिक्त धन की व्यवस्था देखनी पड़ेगी। नायडू ने प्रधानमंत्री से मिल कर आग्रह किया कि एक कमेटी बनाई जाए, जिसकी अध्यक्षता उन्हें सौंपी जाए। चंद्रबाबू के ये तेवर ही मोदी सरकार पर दबावों की शुरुआत हैं। बिहार में 'विशेष राज्य के दर्जे' की मांग मजबूत होती जा रही है। घटक दलों के नेताओं के बयान आ रहे हैं कि यह बिहार का बुनियादी अधिकार है। बिहार से जद-यू के 12 सांसद हैं। उन्हें भी जानकारी है कि यह दर्जा दिया जाना कानूनन संभव नहीं है, क्योंकि वित्त आयोग इस व्यवस्था को 2014 में ही निरस्त कर चुका है। बहरहाल गठबंधन में दरार, दरकने और टूटने के कोई आसार नहीं हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर गठबंधन में अलगाव आने लगता है, तो राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन कैसे और कब तक बरकरार रह सकता है? संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को सदन में बजट पेश करेंगी। उसके मद्देनजर भारतीय मजदूर संघ, भारतीय किसान संघ और स्वदेशी जागरण मंच ने अपने-अपने मांग-पत्र वित्त मंत्री को सौंपे हैं। ये सभी संगठन आरएसएस के हैं, लिहाजा उनकी मांगों को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे कई और भी संगठन होंगे, जो बजट में अपनी मांगों को पूरा कराना चाहते होंगे! इसके अलावा, राजनीति और चुनावों के अलग तनाव और दबाव हैं। आम चुनाव, 2024 से लेकर हालिया 13 उपचुनावों तक जनादेश 'भाजपाई' नहीं रहा है। लोकसभा में भाजपा के 63 सांसद पराजित हुए हैं और 10 उपचुनाव विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पक्ष में रहे हैं। भाजपा के हिस्से मात्र दो जीत ही आई हैं। अभी तो उप्र में कई सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसी अक्तूबर-नवंबर में हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। भाजपा का वर्चस्व दांव पर है। अब लगता है कि ध्रुवीकरण, दलबदलुओं, हिंदुत्व, सांप्रदायिकता आदि से चुनाव जीते नहीं जा सकते। अब भाजपा को रणनीति बदलनी पड़ेगी। अब भाजपा को पूरी ताकत, दिमाग, विचारधारा और काडर के सहयोग से चुनाव लडऩे होंगे, तभी राजनीतिक हैसियत बरकरार रह सकती है। हालांकि जो चुनाव होने हैं, वे देश की सत्ता को बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करेंगे। यदि राज्यों में भी हार होती है, तो उनसे भाजपा की ताकत क्षीण ही होती है। अब यह भी विमर्श का बिंदु बन गया है कि प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा पुराना पड़ता जा रहा है, लिहाजा उनका प्रभाव भी सीमित होने लगा है। अब जनता मोदी के नाम पर ही वोट नहीं देती, ऐसा स्पष्ट लगता है। मोदी सरकार 80 करोड़ से अधिक गरीबों में मुफ्त अनाज बांट रही है, लेकिन वे भाजपा को वोट नहीं दे रहे हैं।

> पहले दो कार्यकालों में अकेली भाजपा को लबालब बहुमत हासिल था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को बरकरार रखा और कैबिनेट में भी स्थान दिया था। अब स्थितियां ऐसी नहीं हैं कि प्रधानमंत्री के करिश्मे और प्रभाव से ही सब कुछ संचालित होता रहे। चुनाव लडऩा और जीतना 'बायें हाथ का खेल' समझा जाए। बेशक देश के 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। संसद के दोनों सदनों में सर्वाधिक सांसद हैं। विधायक भी सबसे अधिक हैं। इनके बावजूद प्रधानमंत्री का दबाव और तनाव में रहना तार्किक न लगे, लेकिन हालात ऐसे ही बनते जा रहे हैं। सबसे पहले तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) को ही लें, जिसके 16 लोकसभा सांसदों का समर्थन मोदी सरकार के स्थायित्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। टीडीपी अध्यक्ष एवं आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू बीते दिनों दिल्ली प्रवास पर थे। उन्होंने सरकार से एक लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज तुरंत मांगा था।

बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई

तीन साल में योगी आदित्यनाथ कितने बदल पाएंगे हालात

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई, जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी, वह 33 सीटों पर सिमट गई। बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसीलिये बीजेपी आलाकमान के साथ-साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस-सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान, दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी, महंगाई को बीजेपी के खिलाफ सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से अडानी-अंबानी, नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार, चौकीदार चोर है, जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे। राहुल गांधी के साथ-साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे, पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे, दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा। इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गांरटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया। चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे-बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार-तार कर

दिया था। सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये।

बहरहाल, आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन-चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है। यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा। गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आंकड़ा 2027 के विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे। इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है। बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है। उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा-पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है।

बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं। योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव-गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है।

> बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे, वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे, जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधानसभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है।

दृष्टि कोण

माता-पिता के लिए सुरक्षा कानून

माटी कहे वुमार से एक दिन ऐसा आयेगा, हंस चुगेगा दाना तिनका, कौआ मोती खाएगा! मत पेंवें अपने माँ-बाप को अनाथालय या वृद्धाश्रम में! उनकी सेवा कीजिए! अपने माता-पिता का आदर कीजिए व उन्हें सुरक्षित रखिए यह कानून ही नहीं, सन्तान का धरमिक व नैतिक कर्तव्य भी है। माता-पिता के लिए सुरक्षा कानून हर धर्म में माता-पिता का अत्यधिक महत्व होता है, यहाँ तक कि उन्हें भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया जाता है। हिदू धर्म में माता-पिता की आराधना, ईंश्वर की अराधना से ऊपर है। मदर मेरी की ईंसा मसीह से अधिक पूजा की जाती है। परंतु आधुनिकीकरण व तात्कालिक समाज में अनेक ऐसे संकेत आये हैं, जहाँ माता-पिता की अवेहलना ही नहीं, परंतु उन पर अनेक प्रकार के भावनात्मक, शारीरिक और वित्तीय अत्याचार भी किए जा रहें हैं। वुरान-पाक में लिखा है कि, माँ के पैरों के नीचे जन्नत है। माँ के नाम एक वृक्ष का उद्बोधन नरेंद्र मोदी सरकार ने किया है। माँ को विश्वभर में सवरेपरि माना गया है। दादी माँ' फिल्म में मजरुह सुल्तानपुरी द्वारा लिखित गीतः उस को नहीं देखा हमने कभी, पर इसकी ज़रूरत क्या होगी, ऐ माँ, ऐ माँ तेरी सूरत से अलग, भगवान की सूरत क्या होगी, क्या होगी, उस को नहीं देखा हमने कभी..; हम अक्सर सुनते आ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सभी संतान माँ-पिता का शोषण करती है, परंतु इसमें 70™ वृद्धि हुई है। शायद नई पीढ़ी पर, टीवी सीरिअल का भी प्रभाव हुआ होगा? इन्हीं कारणों से भारतीय संसद ने मेंटिनेंस एंड वेल्पेयर ऑफ पेरेंट्स एंड सीनियर सिटिज़नज एक्ट (माता-पिता व वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम - 2007) लागू किया है। उद्योगिक सिघानिया परिवार के वरिष्ट सदस्य, विजयपत सिघानिया, रेमंड वंपनी के पूर्व चेयरमैन व संस्थापक' के पुत्र, गौतम सिघानिया की न्यायिक कशमकश से ह्दय बहुत पीड़ित हुआ है। पुत्र-मोह में विजयपत सिघानिया ने अपने 35™ वंपनी के शेयर गौतम को भेंट, 'गिफ्ट डीड' द्वारा दे दिए। फ़िर मुंबईं स्थित, अति-अमीर भारतीय गगनचुंबी इमारत, सिघानिया का 'जे.के हाउस'; अरबपतियों के घरों में सबसे आलीशान माना जाता है। फ़िर 'जे.के हाउस' की मरम्मत व नवीनीकरण के आश्वासन से, विजयपत सिघानिया और अपनी माँ को, गौतम सिघानिया ने घर से बेघर कर दिया। एक अरबपति इंसान गालियाँ के धक्के खाता सालों से टीवी व समाचार पत्रों में नजर आ रहा है। मुंबईं हाईं कोर्ट की मध्यस्थता से गौतम सिघानिया, अपने माता-पिता को मकान का किराया व महीना भत्ता दे रहा है। वैसे माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय को इस मामले में वन टाइम सेटलमेंट' करवा देनी चाहिए। कहां विजयपत व उनकी पत्नी इस वृद्धावस्था में आहात और अपमानित होते रहेंगें? अब तो यह समस्या, समाज में बहुत अधिक प्रचालित हो गईं है। हर घर में बेटे-बहु, माता-पिता के मरने से पहले ही; वे अपना हिस्सा मांगने लगते हैं? ना देने पर माँ-पिता के साथ आपराधिक व निर्ममता से व्यवहार किया जाता है। इन सभी सामाजिक-आर्थिक वुण्ठाओं के कारण भारत सरकार को, सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से संसद व राज्यों की विधानसभाओं ने यह कानून बनाया है। सामाजिक ताने-बाने को तारतार किया जा रहा है, जहाँ मातापिता पर असंख्य अपराध किये जाते हैं और वे सामाजिक भय से चुप- चाप घुट घुट कर जी रहें हैं। मातापिता के खिलाफ अपराधों के भयानक मामलों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक न्याय और कल्याण मंत्रालय ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007' को लागू किया। हालाँकि यह एक एसी तलवार है जिसे तेज़ धार देने की आवश्यकता है। एक ऐसा देश जो श्रवण-पुत्र और भगवान राम जैसे, मर्यांदा पुरुषोत्तम, आदर्श बच्चों की कहानियों से भरपूर है, जो अपने माता-पिता की इच्छाओं को पूरा करने के लिए सभी हदों से आगे चले गए। अब कोर्ट-कचहरी में अनेक मात-पिता घूम रहे हैं! कितने शर्म की बात है? अदालतों ने आदेश दिए हैं कि, हर बेटे का नैतिक व कानूनी दायित्व है, कि वे अपने माँ-पिता का भरण-पोषण करें। अधिनियम की धारा 4(2) बच्चों पर यह दायित्व डालती है कि वे वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण करें ताकि वे सामान्य जीवन जी सवें। दिसंबर 2022 में, 'सुदेश चिकारा बनाम रामती देवी' केस में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बुनियादी ज़रूरतों व सुविधाओं को प्रदान करना आवश्यक है। यह एक संपत्ति को स्थानांतरित करने के अधिनियम की धारा 23 के लागू होने के लिए अनिवार्यं है। 19 मार्च 2024 भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस डॉ. धनंजय यशवंत चंद्रचूड, ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को संबोधित करते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर; उन मामलों की पहचान करने और उनका निपटारा करने की सलाह दी, जिनमें 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हैं।

कुछ अलग

बड़े किसान आंदोलन की तैयारी

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बृहस्पतिवार को ऐलान किया कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एनएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि त्रण माफी सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर फिर से आंदोलन शुरू करेंगे और प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा लोकसभा में नेता प्रातिपक्ष राहुल गांधी को एक ज्ञापन सौंपेंगे। वर्ष 2020-21 के किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले एसकेएम ने अपनी आम सभा की बैठक के एक दिन बाद यह घोषणा की। इस बार शायद संगठन दिल्ली वूच नहीं करेंगे। एसकेएम में अलग-अलग किसान संगठन शामिल हैं। संगठन के नेताओं ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्राधानमंत्री विपक्ष के नेता और राज्यसभा तथा लोकसभा के सदस्यों से मुलाकात करने तथा उन्हें किसानों की मांगों से संबंधित ज्ञापन सौपेंगे। इसके लिए 16 से 18 जुलाईं के बीच का समय मांगा जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या किसान फिर से दिल्ली वूच करेंगे। एसकेएम नेताओं ने कहा कि इस बार वे देशव्यापी विरोध प्रादर्शन पर ध्यान वेंद्रित कर रहे हैं, विशेष रूप से महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में जहां विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि हर बार विरोध का एक ही तरीका इस्तेमाल करना जरूरी नहीं है। हम पूरे देश में विरोध प्रादर्शन करेंगे। एसकेएम नेताओं ने दावा किया कि किसान आंदोलन का ही असर है कि हालिया लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पाटा (भाजपा) को विभिन्न राज्यों में 159 ग्रामीण बहुल क्षेत्रों में संसदीय सीटों में हार का सामना करना पड़ा। संवाददाता सम्मेलन के बाद जारी किए गए बयान में एसकेएम ने कहा, आम सभा में भारत सरकार और वृषि विभाग के सचिव द्वारा हस्ताक्षरित नौ दिसम्बर 2021 के समझौते को लागू करने और किसानों की आजीविका को प्राभावित करने वाली अन्य प्रामुख मांगों को लेकर आंदोलन शुरू करने का पैसला किया है। संगठन ने कहा कि नौ अगस्त को एसकेएम अपनी मांगों के समर्थन में देशभर में प्रादर्शन करके भारत छोड़ो दिवस को कारपोरेट भारत छोड़ो दिवस के रूप में मनाएंगे। एसकेएम ने मांग रखी है कि भारत को डब्ल्यूटीओ से बाहर आना चाहिए। एसकेएम ने यह भी कहा कि 2020-21 के विरोध प्रादर्शन के दौरान मारे गए लोगों के सम्मान में दिल्ली की टिकरी और सिधू बॉर्डर पर मेमोरियल बनाए जाने चाहिए। इन बॉर्डरों पर आंदोलनकारियों ने अपने आंदोलन के हिस्से के रूप में एक साल से अधिक समय तक डेरा डाला था। साथ ही 2021 में उत्तर प्रादेश में लखीमपुर खीरी हिसा में मारे गए किसानों के मुआवजे के लिए भी दबाव डाला था। बुधवार को पंजाब-हरियाणा हाईंकोर्ट ने हरियाणा सरकार को सिधू बॉर्डर खोलने का आदेश दिया है। हमारा मानना है कि हम वृषि प्रधान देश हैं इसलिए किसानों की जरूरतों और मांगों की अनदेखी नहीं की जा सकती। मगर उन्हें भी इस विरोध से बचना चाहिए। अड़ियल रुख दिखाने की बजाए सरकार को भी छोटे किसानों के हितों की रक्षा में कोईं कोताही नहीं बरतनी चाहिए।

देश दुनिया से

क्या भारत 2025 तक टीबी को खत्म कर सकता है?

टीबी उन्मूलन के लिए पूरी दुनिया में प्रयासों में तेजी लाई जा रही है। भारत और हिमाचल प्रदेश में भी इससे छुटकारा पाने के लिए टीबी उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जहां विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, वहीं भारत ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है। भारत को टीबी मुक्त करने के लिए केंद्र, राज्य और स्वयं सहायता संगठनों द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों तक पहुंच न होने के चलते भारत का 2025 तक टीबी मुक्त होना संभव नहीं लग रहा है। 2024 आधा गुजर चुका है और पूरी दुनिया के 26 फीसदी से अधिक टीबी के रोगी भारत में देखे जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में टीबी के मामले कम नहीं हो रहे, लेकिन टीबी मुक्त होने के लिए टीबी के मामलों में जिस गति से कमी आनी चाहिए, वह नहीं हो पा रही है। यही हाल पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी देखा जा रहा है। भले ही पिछले चार वर्षों में हिमाचल प्रदेश टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के आयोजन में पूरे देश में पहला स्थान हासिल कर रहा हो, लेकिन इसके बावजूद प्रदेश में हर साल लगभग 15 हजार टीबी के मामले देखे जा रहे हैं। साक्षरता में दूसरे स्थान पर रहने वाले हिमाचल प्रदेश में पर्याप्त जागरूकता न होने के चलते अभी भी टीबी के प्रति अंधविश्वास और भ्रांतियां कम नहीं हो पा रही हैं, जिससे टीबी को पूरी तरह खत्म करने में अनेकों चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रदेश में पोषणयुक्त खाद्यान की कमी, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में टेस्टिंग की सुविधा न होने के चलते टीबी हर साल पहाड़ के 1000 के करीब लोगों की जानें लील रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीबी का पोषणयुक्त आहार और लोगों के स्वास्थ्य के हालात के साथ सीधा संबंध है। जिन क्षेत्रों में पोषणयुक्त आहार मिलते हैं वहां पर लोगों के स्वास्थ्य के हालात अच्छे होते हैं और ऐसे क्षेत्रों में टीबी जैसे संक्रामक रोग का प्रसार अधिक नहीं देखा जाता है। जबकि पोषणयुक्त आहार न मिलने के चलते स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझने वाले क्षेत्रों में इस संक्रामक रोग का प्रसार अधिक देखा गया है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में 6 से 59 माह तक के 55 फीसदी बच्चों में एनीमिया, 53 फीसदी महिलाओं में भी एनीमिया, 15 से 49 वर्ष तक की 13.9 फीसदी महिलाओं का बॉडी मास इंडेक्स सामान्य से कम पाया गया। वहीं 30 फीसदी महिला और पुरुषों में मोटापे की समस्या पाई गई है। सर्वे में निकलकर आए यह आंकड़े न सिर्फ चौंकाने वाले हैं, बल्कि इन्हें देखते हुए समय रहते सतर्क होने की भी जरूरत है। लोगों के स्वास्थ्य हालात में सुधार के लिए पोषणयुक्त आहार की उपलब्धता के लिए सरकारों को प्रयासों में तेजी लानी चाहिए ताकि इनकी वजह से टीबी सहित अन्य बीमारियों से लडऩे के लिए लोगों में इम्यूनिटी तैयार हो सके। पोषण विशेषज्ञ के अनुसार टीबी के मरीजों को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से युक्त आहार लेना चाहिए। मांस, मछली, अंडे, दूध, दही, पनीर, फल और सब्जियां शामिल होने चाहिए। प्रोटीन की मात्रा 1.2 से 1.5 ग्राम प्रति किलोग्राम आइडियल बॉडी वेट के अनुसार होनी चाहिए। साथ ही विटामिन डी, ई, सी, ए और बी कॉम्प्लेक्स, सेलेनियम, जिंक, फोलिक एसिड और कैल्शियम का सेवन भी जरूरी होता है। इसके अलावा टीबी के मरीजों को एंटीबायोटिक दवाओं के साथ-साथ मल्टी विटामिन, मल्टी मिनरल्स और पर्याप्त मात्रा में ऊर्जा, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर का सेवन करना चाहिए। संक्रमित व्यक्ति को सही वजन बनाए रखने के लिए सामान्य से 20-30 फीसदी अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। प्रदेश में कई लोगों के पास पर्याप्त पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान तक पहुंच नहीं है। गरीबी, कृषि उत्पादकता में कमी और खाद्य वितरण प्रणाली की कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त पोषण नहीं ले पा रहे हैं। पोषणयुक्त आहार की कमी से टीबी रोगियों का स्वास्थ्य और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है। इससे उनकी बीमारी का इलाज और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करना कठिन हो जाता है। सरकार को गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को पोषक खाद्यान उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने चाहिए। खाद्य वितरण प्रणाली में सुधार किया जाना चाहिए। टीबी के मरीजों को नियमित और पर्याप्त मात्रा में दवाएं और पोषक आहार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार जरूरी है। इन उपायों से टीबी के प्रकोप को कम करने और मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। सरकार, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा। इसके अलावा हिमाचल में कई दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच नहीं है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की कमी है। टीबी के मरीजों को नियमित चिकित्सा सेवाएं, दवाइयां और पोषण सहायता मिलनी चाहिए। इसके अलावा समाज को भी आगे आकर टीबी के रोगियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार अपनाना चाहिए।

> विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2030 तक दुनिया को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है, वहीं भारत ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है। भारत को टीबी मुक्त करने के लिए केंद्र, राज्य और स्वयं सहायता संगठनों द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार और लोगों तक पहुंच न होने के चलते भारत का 2025 तक टीबी मुक्त होना संभव नहीं लग रहा है। 2024 आधा गुजर चुका है और पूरी दुनिया के 26 फीसदी से अधिक टीबी के रोगी भारत में देखे जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में टीबी के मामले कम नहीं हो रहे, लेकिन टीबी मुक्त होने के लिए टीबी के मामलों में जिस गति से कमी आनी चाहिए, वह नहीं हो पा रही है। यही हाल पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भी देखा जा रहा है।

आप का नजरिया

हारे तो हम

कितनी मिट्टी खोदी होगी, कितने अवसर दफन हुए होंगे, जब जनादेश के गणित में उपचुनावों की मंडी में हम, आप और हमारा संताप हाजिरी लगा रहा था। इस बार हिमाचल के उपचुनाव एक कड़वी दास्तान, महंगी सहूलियत और लोकतांत्रिक विडंबना माने जा सकते हैं। राजनीतिक जरूरतें कितनी बढ़ गईं कि एक साथ नौ विधानसभा क्षेत्रों में फिर से मतदाताओं की कतारें लग गईं। सवाल अनेक, दोष एक कि हमें मतदाता और बेशकीमती मत के बावजूद हार, हताशा और हतप्रभ होने के लिए राजनीतिक चरित्र हमेशा पहले से और भौंडा, अप्रीतिकर और असंगत हो गया। ये उपचुनाव कितने जमा व कितने के भ्रम में कहता, सुनाता और लोरियों के मौसम में हमारी चेतना सुलाता रहा। हम जागे नहीं, सोए-सोए वोट देते रहे, क्योंकि देश में चौथे ऐसे प्रदेश के बाशिंदे हैं जहां प्रतिव्यक्ति राज्य की उधारी बढ़ रही है। आखिर हिमाचल में उपचुनावों में 6 जमा तीन का फार्मूला था क्या और परिणामों में छह बनाम तीन हुआ क्यों। क्या सत्ता सशक्त हुई या राजनीतिक गुरूर बढ़ा। क्या विपक्ष ताकतवर हुआ या सियासी मुकाम मिट्टी में मिल गया। जो भी हो, होशियार सिंह, केएल ठाकुर, रवि ठाकुर, देवेंद्र भुट्टो, चैतन्य शर्मा और राजेंद्र राणा भले-चंगे विधायक होते, मगर शेखियों ने हिमाकत ऐसी की कि जमी जमाई दौलत व इज्जत लुट गई। कहना न होगा कि हिमाचल को उपचुनाव की न जिरह, न तर्क पसंद आए, वरना कल के नायक आज खलनायक न होते। हिमाचल में कुछ सरमायेदारों ने राजनीति का वशीकरण किया, लेकिन इन उपचुनावों में सुजानपुर से राजेंद्र राणा और देहरा से होशियार सिंह का हारना उस दौलत और शोहरत का हारना भी है, जिसे इन दोनों ने अर्जित किया। अब परिणामों के पटाक्षेप में साढ़े तीन साल की सत्ता को ठीकठाक बहुमत और विपक्ष को सुनाने का पूर्ण हक मिल गया, जबकि तीन सीटें बढ़ाकर भी भाजपा के महल में कई चिराग गुल हैं। उपचुनावों में सारा वीर रस मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ले गए, क्योंकि उनकी सरकार और उनका परिवार लाभान्वित है। कांग्रेस जितनी व जिस सूरत में उन्हें चाहिए थी, मिल गई। राज्यसभा चुनाव में खंजर चुभोने वाले अधिकांश चेहरे निपटाए जा चुके हैं, लेकिन सियासत के कई अर्थ उन्हें स्वीकार करने होंगे। हमीरपुर से आशीष शर्मा और इंद्रदत्त लखनपाल जीत कर विधानसभा में लौट रहे हैं। तीन ऐसे विधायक लौट रहे हैं जो कल तक कांग्रेस की बोली और कांग्रेस की हां में हां मिलाते थे। शोर अब इतना न बढ़ जाए कि जनता की नींद हराम होने लगे। रोष इतना न बढ़ जाए कि हिमाचल लोकसभा बनाम विधानसभा में बंट जाए। आर्थिक चुनौतियों के बीच पिछले चुनावों के बाद लोकसभा से उपचुनावों तक कांग्रेस के वादे बढ़ गए हैं। हर चुनाव शेखचिल्ली होता है। पिछले ने गारंटियों की माला पहनाई थी, तो उपचुनावों ने आरती उतारी है। यहां रिश्तों की दुहाई, मायके की कमाई और दलबदलुओं की लड़ाई थी, इसलिए जनता ने इंतखाब किया या बदला लिया, लेकिन अब विकास के गहनों का मुकाबला विकास के घुंघरुओं से है। घुंघरू कहीं भी, कभी भी बज सकते हैं और बजते आए हैं, लेकिन विकास के मंचन में अब सरकार की बारी है।

भारत एक रणनीतिक साझेदार और अमेरिका इस सहयोग को बढ़ाने के लिए तत्पर, दोनों देशों के रिश्तों पर पेंटागन

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहाता दिखता है। एक बार फिर पेंटागन ने साफ कर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है।

भारत एक रणनीतिक...

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं।यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा, जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।

यूक्रेन के बिना कोई फैसला नहीं

उन्होंने आगे कहा, अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन

एक अधिकारी ने पिछले महीने बताया था कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। शिखर सम्मेलन की सह-मेजबानी यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा की जाएगी।

कुछ वर्षों में कई सुरक्षा समझौते

दोनों देशों ने पिछले कुछ वर्षों में कई रक्षा और सुरक्षा समझौते किए हैं, जिसमें 2016 में लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एलईएमओए) भी शामिल है, जो उनकी सेनाओं को मरम्मत और आपूर्ति की पुन:पूर्ति के लिए एक-दूसरे के अड्डों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

न्यूज ब्रीफ

रिपब्लिकन कन्वेंशन में विवेक रामास्वामी ने दिया ऐसा जोशीला भाषण एलन मस्क ने भी खूब की तारीफ

वॉशिंगटन। रिपब्लिकन कन्वेंशन में पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी में शामिल रहे विवेक

रामास्वामी ने संबोधित किया। इस दौरान रामास्वामी ने जोशीले अंदाज में अमेरिकी सपने की बात की और लोगों से डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने की अपील की। रामास्वामी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ही इस देश को एकजुट कर सकते हैं। विवेक रामास्वामी के भाषण की तारीफ अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क ने भी की है। विवेक रामास्वामी ने दिया जबरदस्त भाषण रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन को संबोधित करते हुए विवेक रामास्वामी ने कहा कि अगर आप देश में कानून व्यवस्था को फिर से स्थापित करना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। अगर आप इस देश की अर्थव्यवस्था को एकजुट करना चाहते हैं, अमेरिका को फिर से महान देश बनाना चाहते हैं तो ट्रंप को वोट करें। ट्रंप को वोट करने का एक कारण ये भी है कि डोनाल्ड ट्रंप सिर्फ शब्दों से नहीं बल्कि एक्शन से देश को एक कर सकते हैं और अमेरिका की पहचान यही है। रामास्वामी ने कहा कि अगर आप मेरी कही हर बात से असहमत हैं तो हमारा संदेश आपके लिए यही है - हम फिर भी आपके कहने के अधिकार की रक्षा करेंगे क्योंकि हम अमेरिकी होने के नाते ऐसे ही हैं। हम एक ऐसा देश हैं जहां हम पूरी तरह असहमत हो सकते हैं और फिर भी खाने की मेज पर साथ मिल सकते हैं। यही अमेरिकी होने का मतलब है। मस्क ने की तारीफ विवेक रामास्वामी के भाषण की मशहूर अरबपति एलन मस्क ने भी तारीफ की। विवेक रामास्वामी के भाषण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मस्क ने लिखा कि बहुत अच्छी बात कही। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन की शुरुआत हुई थी। रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन अप्रवासन का मुद्दा उठा। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी और डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे में अवैध अप्रवासियों का मुद्दा सबसे अहम है। इस मुद्दे की वजह से रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता में भी उछाल आया है। उन परिवारों के बारे में जिक्र किया गया, जो अवैध अप्रवासियों द्वारा किए गए अपराध के पीड़ित हैं। इन्हीं में से एक मैरीलैंड की एक महिला राहेल मोरिन का परिवार भी शामिल हैं। मोरिन को अल सल्वाडोर के एक अवैध अप्रवासी ने दुष्कर्म के बाद मार डाला था।

कमला हैरिस हो सकती हैं अमेरिका की राष्ट्रपति! बाइडन ने सियासी गलियारों में चल रही चर्चाओं को दी हवा

वॉशिंगटन। अमेरिका में जैसे-जैसे राष्ट्रपति चुनाव का समय करीब आ रहा है, दोनों प्रतिद्वद्वी खेमों डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। एक तरफ रिपब्लिकन ने अपने उम्मीदवार के रूप में डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा है। वहीं डेमोक्रेट्स ने आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवार के नाम का एलान नहीं किया है। ऐसे में फिलहाल जो बाइडन और कमला हैरिस के नाम को लेकर संदेह बना हुआ है। कुछ रिपोर्ट में सामने आया है कि पार्टी के भीतर बाइडन को हटाने की मांग चल रही है। इस बीच, राष्ट्रपति जो बाइडन ने खुद कुछ ऐसा कह दिया कि सियासी गलियारों में हलचल पैदा हो गई है। चुनाव की दौड़ से हटाने की मांग बाइडन ने एनएएसीपी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रपति बन सकती हैं। राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्हें चुनाव की दौड़ से हटाने को लेकर लगातार मांग चल रही है। 81 साल के डेमोक्रेट्स नेता ने मजे लेते हुए कहा, वह न केवल एक अच्छी उपराष्ट्रपति ही हैं, बल्कि अमेरिका की राष्ट्रपति भी हो सकती हैं।

बैंकॉक के लग्जरी होटल में दो अमेरिकी समेत छह की संदिग्ध मौत, जहर दिए जाने का शक, जांच में जुटी पुलिस

बैंकॉक। थाईलैंड के राजधानी शहर बैंकॉक में एक लग्जरी होटल के कमरे में छह लोग मृत पाए गए। पुलिस अधिकारियों को शक है कि इन लोगों को जहर दिया गया होगा। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने कहा कि मृतकों में से दो वियतनामी मूल के अमेरिकी हैं। जबकि चार वियतनामी नागरिक हैं। खबर के मुताबिक, मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के मुख्य जांचकर्ता मेजर जनरल थीरादेज थुमसुथी ने बताया कि मृतकों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में यह माना जा रहा है कि उन्हें जहर दिया गया था। थीरादेज ने कहा कि इस बात के संकेत हैं कि सभी छह लोगों ने कॉफी या चाय पी थी। उन्होंने कहा कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में चोट के कोई निशान नहीं मिले। इसके अलावा, एक गाइड से भी पूछताछ की जा रही है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल थिति सेंगसावांग ने पत्रकारों को बताया कि उनसे सघर्ष के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा, पृथ्वी पर तेजी से गहरा रहा तिहरा संकट

संयुक्त राष्ट्र, 17 जुलई (एजेंसियां)।

वैश्विक स्तर पर मौजूदा दौर में ऐसे आठ महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं, जिनसे पृथ्वी पर मंडराते तिहरे संकटों (जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व कचरा) के गहराने की गति तेज हो रही है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) की एक नई रिपोर्ट में यह निष्कर्ष साझा किया गया है।

कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर ऐंडरसन ने कहा कि हम भूराजनैतिक उथलपुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी के विकास को देख रहे हैं, इसका अर्थ है कि कोई भी देश रास्ते से आसानी से भटक सकता है।

मानव गतिविधियों की वजह से नुकसान - मानव गतिविधियों की वजह से प्राकृतिक जगत का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टैक्नॉलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है। वैश्विक अग्रदृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं, जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है। 18 संकेतकों की पहचान इन आठ बड़े बदलावों के साथ-साथ इस रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है, जिन्हें वैश्विक विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय व हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। ये संकेतक भविष्य में संभावित व्यवधानों के प्रति सचेत करते हैं, ताकि दुनिया इनसे निपटने के लिए पहले से तैयार कर सके। इनमें अति-महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, खनिजों व धातुओं के लिए बढ़ती मांग, गहरे समुद्र और स्ट्रैटोस्फ़ेयर से परे अंतरिक्ष में खनन की योजनाएं हैं। मगर, इन सभी गतिविधियों से प्रकृति व जैवविविधता के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका है। प्रदूषण व कचरा बढ़ सकता है। पर्माफ्रोस्ट पिघल रही गर्माती जलवायु के कारण 'पर्माफ्रोस्ट', कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह, पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं व मनुष्यों पर असर हुआ है। इस प्रक्रिया से पुरातन काल से जमे हुए ऐसे जीव बाहर आ रहे हैं, जोकि रोगजनक हो सकते हैं। एक बार पहले ही यह रूस के विशाल साइबेरिया क्षेत्र में एंथ्रैक्स के प्रकोप की वजह बन चुका है। यह बैक्टीरिया से होने वाली एक गंभीर संक्रामक बीमारी है।सशस्त्र टकरावों व हिंसा के उभरने, मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण पर असर के अलावा जबरन विस्थापन मामलों को बदलाव के अहम संकेतम के रूप में चिह्नित किया गया है। इन उभरते हुए संकटों के बावजूद, रिपोर्ट बताती है कि बेहतर समाधानों व उपकरणों को साथ लेकर चलना, भावी व्यवधानों को समझने और उनसे निपटने की तैयारी करने का सर्वोत्तम तरीक़ा है। अंतरराष्ट्रीय विज्ञान परिषद के प्रमुख पीटर ग्लुकमैन ने कहा, अग्रदृष्टि औजारों के एक उपयोगी पुलिन्दे को प्रदान करती है, ताकि अल्पकालिक समझ से बाहर निकल, भावी अवसरों व जोखिमों को चिह्नित किया जा सके और इसे वास्तव में बहुलतापूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। उपायों पर फिर से सोचना जरूरी इन बहुलवादी तौर-तरीकों को सुनिश्चित करने के लिए अनेक सिफारिशों को पेश किया गया है, जिनमें एक नए सामाजिक अनुबंध को अपनाया जाना भी है, ताकि विविध हितधारकों के साथ संपर्क व बातचीत को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें आदिवासी जन को शामिल करना, युवजन को अपनी आवाज बुलंद करने का अवसर प्रदान करना और सकल घरेलू उत्पाद से आगे बढ़ करके प्रगति के लिए उपायों को फिर से सोचना भी हैं। यूनेप प्रमुख ऐंडरसन ने कहा कि बदलाव के इन संकेतकों की निगरानी और अग्रदृष्टि तौर-तरीकों के इस्तेमाल के जरिये, दुनिया अतीत की गलतियों को दोहराने से बच सकती है।

अफगानिस्तान में तूफान से 35 लोगों की मौत , 230 लोग घायल, 400 घर बर्बाद हुए

काबुल। अफगानिस्तान में मसूलाधार बारिश, ओलावृष्टि के साथ आए तूफान से 35 लोगों की जान चली गई जबकि 230 लोग घायल हो गए हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, जलालाबाद शहर और नंगरहार प्रांत के आसपास के इलाकों में 400 से ज्यादा घर तबाह हो गए हैं। सूचना एवं संस्कृति विभाग ने जानमाल की पुष्टि की सूचना एवं संस्कृति विभाग ने नंगरहार के कई जिलों में हुई जानमाल की हानि की पुष्टि की है। सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदा के बाद प्रभावित समुदायों के पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। तेज बारिश और ओलावृष्टि से हुई तबाही प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को बहाल करने के लिए ठोस राहत उपायों की लगातार कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक लगभग चार सौ घर नष्ट हो गए हैं। जिसमें निवासियों और व्यवसायों को काफी वित्तीय नुकसान हुआ हैं। हालांकि मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सरकार बोली- हर जरूरतमंद को मदद पहुंचाने की कोशिश जारी अफगानी मीडिया के मुताबिक अधिकारी यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि हर जरूरतमंद को वह सहायता मिले जिसकी उन्हें जरूरत है।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिकी सीनेटर बॉब मेनेंडेज को रिश्वतखोरी मामले में दोषी करार दिया गया है। मेनेंडेज पर अपने पद के गलत इस्तेमाल और उद्योगपतियों को गलत फायदा पहुंचाने के एवज में रिश्वत लेने का दोषी पाया गया है। न्यूयॉर्क सिटी की एक संघीय अदालत ने बॉब मेनेंडेज को दोषी करार दिया।

विदेशी एजेंट होने के लगे थे आरोप

नौ हफ्ते तक चली सुनवाई के बाद अभियोजकों ने बॉब मेनेंडेज के खिलाफ सबूत पेश किए। जिनमें दावा किया गया कि न्यूजर्सी के डेमोक्रेट सांसद बॉब मेनेंडेज ने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। साथ ही अपने सहयोगियों को आपराधिक जांच से बचाया और अपने सहयोगियों और अपनी पत्नी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया। बॉब मेनेंडेज पर मिस्त्र के खुफिया विभाग के अधिकारियों से मिलने के भी आरोप लगे थे। आरोप था कि बॉब मेनेंडेज ने मिस्त्र को अमेरिका से करोड़ों डॉलर की सैन्य मदद दिलाने में मदद की। इसके चलते मेनेंडेज पर विदेशी एजेंट होने के भी आरोप लगे थे। इस्तीफे की उठी मांग मेनेंडेज पर विदेशी सरकारों और व्यापारिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के एवज में सोने की छड़ें, एक मर्सिडीज कार और लाखों डॉलर नकद स्वीकार करने का आरोप था। बॉब मेनेंडेज कभी अमेरिकी संसद की शक्तिशाली विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष थे और अमेरिकी संसद के वरिष्ठ सांसदों में उनका शुमार होता है। न्यूयॉर्क की ज्यूरी ने 70 वर्षीय बॉब मेनेंडेज को सभी 16 मामलों में दोषी ठहराया। साथ ही मेनेंडेज के सहयोगी वेल हाना और फ्रेड डेब्स को भी दोषी ठहराया गया। बॉब मेनेंडेज को रिश्वत मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद डेमोक्रेट नेता चक शूमर ने उनके इस्तीफे की मांग की है। सीनेट में दूसरे नंबर के नेता डेमोक्रेट सीनेटर डिक डर्बिन ने भी मेनेंडेज से इस्तीफा मांगा है। मिस्त्र को फायदा पहुंचाने के आरोप अभियोजकों ने कहा कि सीनेटर मेनेंडेज ने मिस्र सरकार की ओर से एक विदेशी एजेंट के रूप में काम करने की साज़िश रची थी, जो अमेरिकी सैन्य सहायता के सबसे बड़े प्राप्तकर्ताओं में से एक है। मेनेंडेज़ पर आरोप है कि उन्होंने 2018 में व्यक्तिगत रूप से एक पत्र का मसौदा तैयार किया था, जिसे बाद में मिस्र के एक लॉबिस्ट ने सीनेटरों को भेजा था।

रिपब्लिकन सम्मेलन में प्रतिनिधियों ने ट्रंप के लिए दिखाई एकजुटता, कान में पट्टी बांधकर पहुंचे सांसद

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हमला किया गया। इस हमले में डोनाल्ड ट्रंप घायल हो गए थे। इस घटना के बाद रिपब्लिकन नेशनल कंवेंशन में एरिजोना के स्टेसी गुडमैन और जो नेग्लिया समेत कई प्रतिनिधियों को कान पर पट्टी बांधे हुए देखा गया। यह पट्टी हमले के बाद ट्रंप द्वारा पहनी गई पट्टी की तरह ही थी। मीडिया से बात करते हुए जो नेग्लिया ने कहा, जब कल वह आए तो मैंने सोचा कि सच्चाई का सम्मान करने के लिए मैं क्या कर सकता हूं भी मेरा ध्यार उनकी पट्टी पर गया और मैंने सोचा मैं ऐसा कर सकता हूं। इसलिए मैंने इसे केवल ट्रंप का सम्मान करने के लिए लगाया है। नेग्लिया ने आगे कहा कि उन्होंने मिल्वौकी के रास्ते में पट्टियाँ बनाईं। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप के दाहिने कान पर पट्टी बंधी है। प्रतिनिधियों ने ट्रंप का गर्मजोशी से किया स्वागत आरएनसी में प्रतिनिधियों की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप का एकर बार फिर से गर्मजोशी से स्वागत

किया गया। यहां सांसदों ने आप्रवासन, अपराध और फेंटेनाइल संकट के बारे में चर्चा की। इस दौरान ट्रंप के साथ उनके नए साथी ओहियो के सीनेटर जेडी वेंस भी थे। दरअसल, उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर जेटी वेंस के नाम का समर्थन किया। इस सम्मेलन के दूसरे दिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीनेटर टेड क्रूज़, अर्कांसस गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स, फ्लोरिडा सीनेटर मार्को रुबियो, आवास और शहरी विकास के पूर्व सचिव बेन कार्सन और उनकी बहू लारा ट्रम्प को सुनने के लिए सटिक समय पर पहुंचे। उन्होंने निकी हेली की भी बात सुनी, जो राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर होने वाली उनकी एक प्रतिद्वंद्वी थी।

इमरान की पीटीआई पर बैन की तैयारी, विरोध में उतरे नवाज की पार्टी के नेता, बोले-ऐसे परेशानी हल नहीं होगी

इस्लामाबाद, 17 जुलई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई को गैरकानूनी घोषित करने की योजना बना रही है। इस बीच, सत्तारूढ़ पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सियासी दलों को गैरकानूनी बनाना किसी भी मुद्दे को हल करने का तरीका नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के नेता जावेद लतीफ ने कहा कि स्थानीय राजनीतिक दल राष्ट्र और राज्य का समर्थन करते हैं।

उन्होंने दलील दी कि जो लोग राज्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक संगठनों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय विकास को आगे बढ़ाने वाले दलों की पहचान करने

और सरकार को कमजोर करने वाली गोपनीय ताकतों को उजागर करने की जरूरत पर जोर दिया। लतीफ ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति की तुलना केन्या से की और चेतावनी दी कि राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को कमजोर करने से लोकतंत्र को खतरा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई राष्ट्रीय दल या नेता इस तरह के कृत्यों के लिए जवाबदेह हो सकता है। उन्होंने नौ मई की घटना की भी निंदा की।

सियासी दलों से बातचीत के बाद लिया जाएगा फैसला वहीं, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर प्रतिबंध लगाने का फैसला राजनीतिक दलों के साथ बातचीत के बाद किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए डार ने आरोप लगाया कि पीटीआई सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन से महंगाई बढ़ी। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और महंगाई को कम करने की कोशिश के गठबंधन सरकार देश को दिवालिया होने से बचाने में कामयाब रही। डार ने आगे कहा कि चुनाव आयोग के पास सबूत हैं कि पीटीआई को बाहरी स्त्रोतों से पैसा मिलता है। उन्होंने कानून और संविधान का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि संघीय सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार द्वारा की गई हालिया टिप्पणी के बारे में किसी भी फैसले की समीक्षा पहले सहयोगियों के साथ की जाएगी।

अमेरिका में बच्चे गोलीबारी में ज्यादा मरते हैं, ट्रंप पर हुए हमले के बाद बंदूक संस्कृति के खिलाफ बाइडन

वॉशिंगटन, 17 जुलई (एजेंसियां)।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मुख्य उम्मीदवार माने जा रहे हैं। पिछले हफ्ते चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप पर गोली चलाई गई थी। ट्रंप की हत्या के प्रयास के बाद राष्ट्रपति जो बाइडन ने स्थिति को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने अमेरिका में बंदूक संस्कृति को लेकर एक बड़ा बयान दिया। बाइडन ने कहा कि अमेरिका में

बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। उन्होंने यह बयान लास वेगस में एनएएसीपी राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया। राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति बाइडन ने लोगों से अमेरिका की सड़कों से हथियार हटाने का आह्वान किया। इसके अलावा उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी आलोचना की। बाइडन ने कहा, अमेरिका में बच्चे किसी अन्य कारणों की तुलना में गोलीबारी में ज्यादा मारे जाते हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है। अगर हम इसके बारे में कुछ नहीं करते हैं तो यह कायरता है। अगर आप अमेरिका में हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहते हैं तो युद्ध के इन हथियारों को अमेरिका की सड़कों से हटाने के लिए मेरे साथ शामिल हों। बाइडन ने की ट्रंप की नीतियों की आलोचना पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति जो बाइडन ने उनकी नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा, ट्रंप ने लाखों काले अमेरिकियों को स्वास्थ्य बीमा सेवा से बाहर करने के लिए ओबामाकेयर को रद्द किया। उन्होंने दो ट्रिलियन डॉलर की टैक्स कटौती की। ऐसा करने से अमीर और बड़े निगम को बहुत लाख हुआ। यह किसी भी राष्ट्रपति के कार्यकाल में संघीय टैक्स में भारी वृद्धि है। उन्होंने ट्रंप को महामारी के कुप्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, हमें जो करना चाहिए, इसके लिए उन्होंने (ट्रंप) कोई जगह नहीं छोड़ी। उन्होंने उन चीजों में निवेश किया, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। महामारी का यह कुप्रबंधन काले लोगों के लिए विनाशकारी था। बाइडन ने आगे कहा, जैसा कि हैरी ट्रूमैन ने कहा था, मैंने कभी किसी को नरक नहीं भेजा। मैंने केवल सच कहा, और सभी को लगा कि यह नरक है। खैर, बात ये है कि क्यों डौनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल काले लोगों के लिए नरक बन गया था।

सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक हुआ प्रदर्शन, छह की मौत, बंद करने पड़े स्कूल-कॉलेज

ढाका। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। इसमें तीन छात्रों सहित छह लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। चटगांव और रंगपुर में चार मौतें हुई। बाद में पुलिस और प्रमुख समाचार समूहों ने ढाका और चटगांव में दो और लोगों की मौत की सूचना दी। खबरों के मुताबिक, आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। इन प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया। मृतको में कम से कम तीन छात्र शामिल हैं। जबकि करीब 400 अन्य घायल हुए। देशभर के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के परिसरों में रातभर हिंसा भड़कने के बाद अधिकारियों ने चार प्रमुख शहरों में अर्द्धसैनिक बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के जवानों को बुला लिया। सरकार ने बढ़ती हिंसा के बीच स्कूलों और कॉलेजों को अगले आदेश तक बंद रखने का आदेश दिया है। देश के शिक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के दायरे में आने वाले सभी स्कूल, कॉलेज, मदरसे और पॉलिटेक्निक संस्थान छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए अगले आदेश तक बंद रहेंगे। हिंसा ने आमतौर भीड़भाड़ वाली राजधानी को लगभग खाली कर दिया। शहर में अज्ञात लोगों ने दो बसों को आग लगाई गई, जब कई हिस्सों छिटपुट हिंसक झड़पें हुईं। जिससे सड़कों पर जाम लग गया और हजारों लोग सड़कों और अपने कार्यस्थलों पर फंस गए। झड़पें तब शुरू हुईं, जब सत्तारूढ़ अवामी लीग की छात्र शाखा के कार्यकर्ताओं का प्रदर्शनकारियों से आमना-सामना हुआ। प्रदर्शनकारियों इस बात पर जोर दे रहे थे कि मौजूदा आरक्षण प्रणाली सरकारी सेवाओं में मेधावी छात्रों के नामांकन पर रोक लगा रही है।

हार्दिक से अलगाव के बीच ही बेटे अगसत्य के साथ एयरपोर्ट पर नजर आई नताशा

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ अलगाव की खबरों के बीच ही उनकी पत्नी बेटे अगसत् का हाथ थामे एयरपोर्ट पर नजर आयी हैं। हार्दिक और नताशा के बीच पिछले काफी समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था पर अब ये मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं।

ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच तलाक हो गया है। हार्दिक के भाई क्रुणाल पांड्या के एक पोस्ट के बाद दोनों के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। वहीं हार्दिक ने अब तक इस मामले में कुछ नहीं कहा है। नताशा का बेटे अगसत्य के साथ मुंबई एयरपोर्ट का वीडियो तेजी से वायरल जमकर वायरल हो रहा है।

इसमें नताशा अपने बेटे और केयर टेकर के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि नताशा गाड़ी से उतरती हैं और फिर गाड़ी से दो लगेज निकालकर बेटे अगसत्य के साथ जा रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद प्रशंसक ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर नताशा जा कहां रही हैं. उनका लगेज देखकर कुछ प्रशंसक मान रहे हैं कि वह भारत छोड़कर शायद हमेशा के लिए जा रही हैं। वहीं कुछ का कहना है कि रिश्ता खराब होने के बाद वह वापस जा रही होंगी। वहीं कुछ का मानना है कि बेटे के साथ कहीं घूमने जा रही हैं। कुछ का मानना है कि वह अपने अभिभावकों के पास सर्बिया जा रही होंगी। नताशा के हार्दिक के साथ रिश्ते जब से खराब हुए हैं। तभी से वह बेटे के साथ ही ज्यादा से ज्यादा समय बिता रही हैं। नताशा ने सोशल मीडिया पोस्ट में सूटकेस की तस्वीर पोस्ट की है। इसमें साथ ही लिख है। 'यह साल का वह समय है' साथ ही विमान और घर की इमोजी भी शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने आंसू से भरी एक इमोजी भी साझा की है। कुछ दिनों पहले नताशा ने एक पोस्ट किया था जिसमें वह कहती हैं, 'मेरी तरफ से आपको एक रिमाइंडर दोबारा. भगवान कभी आपकी लाइफ से परेशानियां दूर नहीं करते, वह बस आपके लिए रास्ता बना देते हैं। तभी तय हो गया था कि उनका रिश्ता टूट गया है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता- कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा है कि अनुभवी जोड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा सभी प्रारूपों में भारतीय टीम में अपूरणीय हैं और कपिल ने उन्हें सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान कहा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में भारत की रोमांचक जीत में

76 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद कोहली ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। बाद में, प्रेस कॉन्फ्रेंस में, रोहित ने भी अपने टी20 करियर को अलविदा कह दिया। कपिल देव, जो पीजीटीआई के अध्यक्ष भी हैं, ने ट्रिनिटी गोल्फ चैम्पियनशिप लीग के दूसरे संस्करण के कर्टेन रेज़र इवेंट के मौके पर कहा, किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में विराट और रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता। वे भारतीय क्रिकेट के बहुत बड़े सेवक रहे हैं और यह उनके लिए एक सुखद विदाई थी। विराट ने सभी प्रारूपों में अपना जो कद बनाया है, निश्चित रूप से टी-20 में उनकी कमी खलेगी। दोनों सचिन तेंदुलकर और एमएस धोनी के समान हैं। वे अपूरणीय हैं। कोहली की टी20 यात्रा जून 2010 में शुरू हुई। 14 वर्षों में, उन्होंने 125 टी20 मैचों में 4188 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल थे। खेल के प्रति उनके अथक समर्पण और जुनून ने उन्हें टी20 में दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बना दिया, केवल रोहित, जिनकी सेवानिवृत्ति एक शानदार टी20 करियर के अंत का प्रतीक है, जिसके दौरान वह 159 मैचों में 4231 रन बनाकर प्रारूप के सर्वोच्च स्कोरर बन गए। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड भी है, जिसमें उनके नाम पांच शतक हैं। उनकी टी 20 यात्रा 2007 में उद्घाटन टी20 विश्व कप के साथ शुरू हुई, जहां वह भारत की पहली खिताबी जीत में प्रमुख खिलाड़ी थे और, कप्तान के रूप में, उन्होंने अपनी विरासत को और मजबूत करते हुए भारत को दूसरा खिताब दिलाया।

पेरिस ओलंपिक से पहले सुमित नागल ने दिखाया दम, नॉर्डिया ओपन में जीत के साथ शुरुआत की

नई दिल्ली । भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नॉर्डिया ओपन टेनिस के मुकाबले में

इलियास यमेर को हरा दिया। उन्होंने स्वीडन के इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की। नागल ने इससे पहले यमेर के खिलाफ जो दो मैच खेले थे उसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खिलाड़ी ने अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी को 6-4 6-3 से पराजित किया। नागल पिछले साल स्प्लिट ओपन (क्रोएशिया) और 2019 में लियोन (फ्रांस) में यमेर से हार गए थे। एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंचने वाले नागल का अगला मुकाबला अर्जेंटीना के विश्व में 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से होगा। नागल पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी एटीपी टूर प्रतियोगिता में पहली बार जोड़ी बनाकर खेलने के लिए तैयार हैं। यह दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के पुरुष युगल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आंध्र ने महिला और कर्नाटक ने पुरुष जूनियर हॉकी का खिताब जीता

कडप्पा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में आयोजित दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर महिला और पुरुष साउथ जोन चैंपियनशिप 2024 के छठे दिन हॉकी आंध्र प्रदेश महिला चैंपियन के रूप में उभरी, जबकि हॉकी कर्नाटक ने पुरुषों की चैंपियनशिप जीती। तमिलनाडु और तेलंगाना ने क्रमशः महिला और पुरुष प्रतियोगिताओं में तीसरा स्थान हासिल किया। हॉकी आंध्र प्रदेश ने हॉकी कर्नाटक को हराकर महिला चैम्पियनशिप जीती।महिलाओं की प्रतियोगिता के फाइनल मैच में हॉकी आंध्र प्रदेश ने हॉकी कर्नाटक के खिलाफ 5-0 से जीत के बाद चैंपियनशिप जीती। हॉकी आंध्र प्रदेश ने अंकिता बोम्मु (5) की मदद से शुरुआती बढ़त हासिल की। ललिता कोटारी (24, 29, 60) ने दूसरे क्वार्टर में दो बार स्कोर किया और मैच के अंतिम मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की, जबकि झाँसी बोब्बिली (35) ने भी आंध्र प्रदेश के लिए योगदान दिया।हॉकी कर्नाटक ने तमिलनाडु की हॉकी यूनिट के खिलाफ रोमांचक जीत के बाद खिताब जीता।

एथलेटिक्स में सबसे बड़ा दल भेजेगा भारत , इतने एथलीट लेंगे हिस्सा, नीरज सहित ये होंगे दावेदार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक में अब कुछ ही दिन शेष हैं और नीरज चोपड़ा की अगुआई में भारतीय एथलेटिक्स दल इन खेलों में अपना दम दिखाने के लिए तैयार है। भारत के इस बार कुल 29 एथलीट ओलंपिक में जाएंगे जो भारत का इन खेलों के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था और एक बार फिर उनसे इस प्रदर्शन को दोहराने की आस रहेगी।

टोक्यो में 25 एथलीट हुए थे शामिल

टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता का नतीजा सामने है। पेरिस ओलंपिक के भारतीय दल में इस बार बड़ी संख्या एथलेटिक्स से है। 29 एथलीट पेरिस में शिरकत करने जा रहे ओलंपिक के इतिहास में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा दल है। टोक्यो में 25 एथलीटों ने शिरकत की थी। नीरज पर स्वर्णिम सफलता दोहराने का दबाव होगा। विश्व एथलेटिक्स ने वर्ष 2024 के 10 श्रेष्ठ भाला फेंक एथलीटों की सूची जारी कर पूछा कि क्या नीरज इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेंगे नीरज इस वर्ष 88.36 मीटर की थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पुरुष रिले टीम से आस

नीरज के अलावा पुरुषों की चार गुणा चार सौ मीटर रिले टीम से अच्छे प्रदर्शन की आस है। विश्व चैंपियनशिप में रिले टीम पांचवे स्थान पर रही और एशियाई कीर्तिमान भी बनाया। विश्व चैंपियनशिप में दौड़ने वाले राजेश रमेश की टीम में वापसी हुई है। अगर टीम ओलंपिक के फाइनल में पहुंची तो भी बड़ी उपलब्धि होगी।

साबले-पारुल पर 3000 मीटर में होंगी निगाहें

एशियाड चैंपियन अविनाश साबले ने तीन हजार मीटर स्टीपलचेज में 8.09.91 मिनट के साथ नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। उनकी विश्व रैंकिंग 13 है। साबले के लिए फाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। यूपी की पारुल चौधरी 3000 मीटर स्टीपलचेज और 5000 मीटर में भाग ले रही हैं। उनके स्टीपलचेज फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है।

महिलाओं से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

एथलेटिक्स में इस बार महिलाओं से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टोक्यो ओलंपिक में डिस्कस थ्रो में कमलप्रीत कौर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन पदक से चूक गई थीं। इस बार भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी, पैदलचाल एथलीट पारुल और प्रियंका और चार गुणा 400 मीटर रिले की एथलीट प्राची से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की आस है।

पेरिस में भाग लेने वाला एथलेटिक्स दल इस प्रकार है...

पुरुष : अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज), नीरज चोपड़ा, किशोर जेना (भाला फेंक), तेजिंदर पाल तूर (शॉटपुट), प्रवीण चित्रावेल, अबुबाकर (ट्रिपल जंप), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), अक्षदीप, विकास सिंह, परमजीत सिंह (20 किलोमीटर पैदल चाल), मोहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष, राजेश रमेश, मिजो चाको (4 गुणा 400 मीटर रिले), सूरज पंवार (मिश्रित पैदलचाल मैराथन), जेस्विन एल्ड्रिन (लंबी कूद)।

महिला : किरन पाहल (400 मीटर), पारुल (3000 मीटर स्टीपलचेज, 5000 मीटर), ज्योति (100 मीटर बाधा दौड़), अनु रानी (भाला फेंक), ज्योतिका, शुभा, विद्या रामराज, पूवम्मा, प्राची (चार गुणा 400 मीटर रिले), प्रियंका गोस्वामी (पैदलचाल), अंकिता ध्यानी (5000 मीटर)।

श्रीलंका दौरे के लिए जल्द होगी भारतीय टीम की घोषणा, सूर्या हो सकते हैं टी20 कप्तान

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के साथ शुरू हो जाएगा। कोच की कमान संभालते ही गंभीर एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, श्रीलंका दौरे के लिए टीम की घोषणा हो सकती है। सपोर्टिंग स्टाफ सहित टीम के कप्तान को लेकर गंभीर ने बीसीसीआई को कई सुझाव दिए हैं। टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू हो चुका है। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया ने जिम्बाब्वे को 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया। अब टीम का अगला मिशन श्रीलंका दौरा है, जहां तीन टी20 और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के साथ बतौर मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल टीम इंडिया के साथ शुरू होगा। जानकारी के अनुसार, इस दौरे के लिए टी20 टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को सौंपी जा सकती है। टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने इस प्रारूप से संन्यास का ऐलान कर दिया था। जिसके बाद भारतीय टीम को नए कप्तान की तलाश है। हालांकि नए कप्तान की दावेदारी की रेस में हार्दिक ही सबसे आगे चल रहे हैं। सूर्यकुमार को नई जिम्मेदारी दिए जाने के पीछे हार्दिक की इंजरी की समस्या बड़ी वजह मानी जा रही है। हालांकि, सूर्यकुमार पहले भी भारतीय टीम की कप्तानी कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में भी सूर्यकुमार के हाथ में ही भारतीय टीम का नेतृत्व था।

चोट के कारण मेसी अनिश्चित काल के लिए मैदान से बाहर

नई दिल्ली, 17 जुलाई ।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी कोपा अमेरिका के फाइनल में चोटिल होकर बाहर चले गए थे। लेकिन अर्जेंटीना ने उनके बिना भी एक रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। खास बात ये है कि मेसी सही से चल भी नहीं पा रहे थे लेकिन इसके बावजूद वो बेंच से उठकर गए और टीम के साथ जीत का जश्न मनाया।

हालांकि, मेसी की चोट को लेकर उनके फैंस काफी परेशान हैं। उनके दाहिने टखने में बहुत अधिक सूजन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय है।

इस बीच मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी ने पुष्टि की है कि उनके कप्तान को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। उनकी वापसी की कोई तय तारीख नहीं होगी। लेकिन आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर चीजें साफ होंगी।

इंटर मियामी के बयान में कहा गया, मेडिकल जांच के बाद, यह निर्धारित किया गया है कि लियोनेल मेसी को दाहिने टखने के लिगामेंट में चोट लगी है। कप्तान की उपलब्धता समय-समय पर किए जाने वाले आकलन और उनकी रिकवरी की प्रगति के आधार पर निर्धारित की जाएगी।

मियामी के कोच मार्टिनो ने पत्रकारों से कहा, मेसी की काफी चोट लगी है, उनका टखना मुड़ गया था। इसलिए जांच की आवश्यकता है और रिपोर्ट की प्रतीक्षा करनी होगी। स्थिति की गंभीरता का पता लगाने के लिए परीक्षण किए जाएंगे। हमें काइनेसियोलॉजिस्ट वाल्टर इंसाउराल्ड के माध्यम से सूचित किया जाता है, जो राष्ट्रीय टीम के भी काइनेसियोलॉजिस्ट हैं।

मेस्सी अमेरिका में अपने कार्यकाल के दौरान शानदार फॉर्म में रहे हैं। आठ बार बैलन डीओर विजेता ने 12 एमएलएस मैचों में 12 गोल किए हैं और 13 गोल में मदद की है।

बता दें, अर्जेंटीना ने फ्लोरिडा के हार्ड रॉक स्टेडियम में मार्टिनेज के अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत कोलंबिया को 1-0 से हराकर अपना रिकॉर्ड 16वां कोपा अमेरिका खिताब हासिल किया।

पेरिस में पदक का रंग बदलने के लिए तैयार हैं हॉकी खिलाड़ी ललित, ग्रुप को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली, 17 जुलाई ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो 2020 में लंबा इंतजार खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। टीम हालांकि 1980 मॉस्को ओलंपिक के बाद से स्वर्ण पदक नहीं जीत सकी है और टीम के अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी ललित उपाध्याय को यकीन है कि भारत इस बार पदक का रंग बदलने में सफल रहेगा। ललित 41 साल बाद पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम के सदस्य रहे थे।

भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक दृढता के लिए स्विटजरलैंड के माइक हार्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद अब नीदरलैंड में अभ्यास मैच खेलेगी। भारत के लिए 168 मैचों में 45 गोल कर चुके ललित ने कहा, हमें पता है कि उम्मीदें बढ़ी हुई हैं क्योंकि लंबे समय बाद हमने ओलंपिक पदक जीता था। हमें भी खुद से पूरी उम्मीद है कि पदक का रंग बदलेंगे। हमने पिछले चार साल में फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है जो मैदान पर नजर आ रही है। फिटनेस में हम दुनिया की शीर्ष टीमों के समकक्ष हैं। युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर्स की फिटनेस का स्तर भी जबरदस्त है।

भारत को मिला है कठिन ग्रुप - भारतीय हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक में पूल चरण में ही आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों का सामना करना है। भारत को पेरिस ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से, 29 जुलाई को रियो ओलंपिक 2016 चैंपियन अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड, एक अगस्त को टोक्यो ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है।

कठिन पूल मिलने से परेशान नहीं हैं ललित - ललित ने कहा, ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना बेमानी है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। हम मैच दर मैच रणनीति बनाएंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे। टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ी पेरिस में भी खेलेंगे जबकि पांच खिलाड़ियों का पहला ओलंपिक है। ललित ने हालांकि कहा कि युवा खिलाड़ी भी इतना खेल चुके हैं कि ओलंपिक का दबाव आसानी से झेल लेंगे। उन्होंने कहा, ये लड़के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं जहां ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का काफी दबाव होता है लिहाजा ओलंपिक का दबाव भी झेलने में सक्षम हैं।

टोक्यो में मिली निराशा, मानसिक द्वंद से पार पाकर किया प्रवेश, ऐसा रहा अंजुम मोदगिल का सफर

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक में भारतीय निशानेबाजों का सफर अच्छा नहीं रहा था और उसे अंजुम मोदगिल भी शामिल थीं। अंजुम पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकी थीं। इससे वह काफी निराश हो गई थीं, लेकिन उन्होंने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस खेलों में प्रवेश किया। मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई।

इसके बाद उन्होंने अपनी मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। टोक्यो ओलंपिक में किया था निराश मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन टोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थीं। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थीं। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेंगी।

टोक्यो का अनुभव काम आएगा

अंजुम ने कहा, टोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। टोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा। मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी। मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है।

इसका मुझे फायदा मिला। मोदगिल ने कहा, टोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था। अब मैं बात करने में नहीं हिचकिचाती जो पेरिस ओलंपिक से पहले सकारात्मक बदलाव है। मैंने समय का उपयोग बेहतर बनने और यह पता लगाने के लिए किया कि मेरे लिए क्या बेहतर है। सभी महासंघों और आइओसी का मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझना महत्वपूर्ण है। एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझ रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए पेरिस ओलंपिक के दौरान मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करना सकारात्मक कदम है।

केंद्रीय बजट 2024 से पहले वित्त मंत्री की मौजूदगी में हलवा समारोह का आयोजन

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय बजट 2024 के लिए बजट तैयार करने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में वित्त मंत्रालय यानी नॉर्थ ब्लॉक में हलवा सेरेमनी का आयोजन किया गया। हलवा समारोह का आयोजन केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की उपस्थिति में नॉर्थ ब्लॉक में किया गया। बजट तैयार करने की लॉक-इन प्रक्रिया शुरू होने से पहले हर साल एक परंपरा के तहत हलवा समारोह या हलवा सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। बजट पेश होने से पहले क्यों होता है हलवा समारोह वित्त मंत्री की ओर से बजट से ठीक पहले एक हलवा समारोह का आयोजन किया जाता है। यह हलवा समारोह इस बात का परिचायक होता है कि बजट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसके छपने का काम शुरू हो चुका है। इस समारोह में बड़ी संख्या में बजट तैयार करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। दरअसल, वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के जितने भी अधिकारी बजट बनाने के कार्य में जुटे होते हैं, उन्हें संसद में बजट पेश होने तक अपने परिवारों से संपर्क नहीं करने दिया जाता। ऐसे में सरकार उनकी मेहनत को लेकर आभार प्रकट के लिए हलवा समारोह का आयोजन करती है। हलवा सेरेमनी एक परंपरागत कार्यक्रम है जिसे बजट की छपाई से पहले मनाया जाता रहा है। कहा जाता है लंबे समय तक चलने वाली बजट बनाने की प्रक्रिया की समाप्ति के बाद मीठा खाकर बजट की छपाई को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई जाती है। वित्त मंत्री कड़ाही को हिलाती हैं और अधिकारियों को हलवा परोसकर बजट के लिए हरी झंडी दिखाई जाती है। यह समारोह वित्त मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में होता है, जहां बजट की छपाई के लिए एक विशेष प्रिंटिंग प्रेस मौजूद है। बजट तैयार करने के दौरान बरती जाती है पूरी गोपनीयता कहते हैं कि संसद में बजट पेश होने से पहले करीब 10 दिनों तक बजट से जुड़े वित्त मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। दावों के मुताबिक मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों पर इंटेलिजेंस ब्यूरो की चौबीसों घंटे निगरानी रहती है, उन्हें प्रियजनों से संपर्क करने की भी अनुमति नहीं होती।

न्यूज ब्रीफ

रियलमी ने स्मार्टवॉच एस2 के साथ एआई इकोसिस्टम का किया विस्तार

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के चलते अब वियरेबल टेक्नोलॉजी का परिदृश्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है।वियरेबल टेक्नोलॉजी ने शुरुआत में फिटनेस ट्रैकिंग और नोटिफिकेशन जैसे फीचर्स के लिए लोकप्रियता हासिल की, लेकिन जैसे-जैसे ये आम होते गए, उपभोक्ताओं की दिलचस्पी कम होती गई। अब एडवांस कैपेबिलिटी की डिमांड बढ़ी, जिसने इंडस्ट्री में क्रांति लाने के लिए एआई की ओर प्रेरित किया। यह बिजनेस वर्ल्ड में एक बड़े ट्रेंड को दर्शाता है: एआई अब कॉन्सेप्ट नहीं है, बल्कि टेक ब्रांड के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए महत्वपूर्ण घटक है। एआई वियरेबल मार्केट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके 2024 में 62.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह उछाल हेल्थ, फिटनेस और पर्सनलाइज्ड टेक्नोलॉजी में उपभोक्ताओं की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है। दूरदर्शी ब्रांड इस बदलाव को पहचान रहे हैं और उपभोक्ता की बढ़ती डिमांड को पूरा करने और मार्केट शेयर हासिल करने के लिए एआई सॉल्यूशन में निवेश कर रहे हैं। कई वियरेबल्स में वास्तविक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बजाय केवल बेसिक एल्गोरिदम शामिल होते हैं। वास्तव में आगे बढ़ने के लिए, वियरेबल्स में एआई को अपने वर्तमान फॉर्म से आगे बढ़कर इंटेलिजेंस इंटरेक्शन प्रदान करने की आवश्यकता है। इसका मतलब है कि सिंपल डेटा कलेक्शन और एनालिसिस से आगे बढ़कर निजी जानकारी, पूर्वानुमान क्षमताएं और हमारे जीवन के साथ सहज एकीकरण प्रदान करना। ब्रांड जो वास्तव में एआई सॉल्यूशन को सफलतापूर्वक लागू कर सकते हैं, वे इस तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त कर सकते हैं। रियलमी वियरेबल टेक्नोलॉजी में एआई एकीकरण की आवश्यकता को पहचानता है और अपने अपकमिंग रियलमी वॉच एस2 के साथ महत्वपूर्ण कदम की ओर आगे बढ़ रहा है। अपने स्मार्टफोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑफ थिंग्स (एआईओटी) प्रोडक्ट के साथ टेक इंडस्ट्री में हलचल मचाने के लिए जाने जाने वाले रियलमी का इतिहास सभी के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को सुलभ बनाने का है।

वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर जानकारी वायरल

नई दिल्ली । भारत में लॉन्च इवेंट से पहले वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर काफी जानकारियां सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। हालिया लीक से पहले एक 'एक्स' पोस्ट में इस फोन की कीमत का भी खुलासा किया था। इन लीक्स पर कपंनी ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक्स अकाउंट 'वनप्लस क्लब' पर एक स्पेक्स शीट डाली गई है। यह वन प्लस नॉर्ड का आधिकारिक हैंडल नहीं है। लीक में दावा किया गया है कि वनप्लस नोर्ड 4 में 6.74-इंच यू8 प्लस ओलेड डिस्प्ले हो सकता है जिसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 2,150 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिलेगी। यह क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 7 प्लस जेन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित हो सकता है, जिसमें एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकता है। फोन एंड्रायड 14 पर चल सकता है। नोर्ड 4 में 50-मेगापिक्सल का मुख्य सोनी सेंसर कैमरा हो सकता है जिसमें ओआईएस सपोर्ट मिल सकता है। एक 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड रियर कैमरा इसमें लगा हो सकता है और सेल्फी के लिए 16-मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी दिया जा सकता है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बनेगा सोलर पार्क, एक लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी बिजली

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के करीब 1,700 हेक्टेयर में सोलर पार्क विकसित किया जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज़ इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) की देखरेख में बीओओ (बिल्ड, ओन एंड ऑपरेट) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। पिछले साल अगस्त में यूपीडा की ओर से प्री-फिजिबिलिटी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट आमंत्रित किया गया था, जिसमें नौ संस्थाओं की ओर से प्रेजेंटेशन दिया गया था। इनमें से मेसर्स ग्लोबल एनर्जी एलायंस फॉर पीपल एंड प्लैनेट ने इसी साल फरवरी में अपनी विस्तृत रिपोर्ट यूपीडा के अधिकारियों के सामने पेश की थी, जिसे हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष यूपीडा के अधिकारियों ने प्रस्तुत किया था। मुख्यमंत्री योगी पूरे क्षेत्र को सोलर फार्म के रूप में स्थापित करके इसे सोलर एक्सप्रेसवे बनाना चाहते हैं।

आम आदमी पर महंगाई की मार जारी, क्यों बढ़ रही खाने-पीने की चीजों की कीमतें

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को कहते हैं, माने होलसेल प्राइस इंडेक्स। पिछले चार महीनों से लगातार इजाफा हो रहा है।

इस स्टोरी में हम आपको महंगाई की असली तस्वीर तो दिखाएंगे ही, साथ में ये भी बताएंगे कि पेट्रोल और डीजल की महंगाई का आप पर कितना असर होता है, या कितना असर हो सकता है एक अप्रैल 2024 भारतीय वित्त वर्ष का पहला दिन। अरहर की दाल का औसत रेट 149.23 रुपए था। चीनी 44.44 रुपए की एक किलो थी। सरसों का एक लीटर तेल 135.67 रुपए का था, आलू 24.76 रुपए किलो थे, प्याज 32.38 रुपए और टमाटर 32.97 रुपए किलो थे. ये जो दाम आपने सुने हैं ये औसत दाम थे। ये आंकडे उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए हैं। अब इसी वेबसाइट पर 15 जुलाई के औसत दामों पर नजर डालते हैं. अरहर की दाल 168.75 पर पहुंच गई है, चीनी 45.03 पर, सरसों का तेल 140.82 पर, आलू 37.14 रुपए किलो, प्याज 44.67 रुपए किलो और टमाटर 68.52 रुपए किलो पर पहुंच गए हैं। मुझे उम्मीद है कि ये आंकडे देखने के बाद आपको महंगाई दिख भी रही होगी और महसूस भी हो रही होगी और ये तो एक बानगी मात्र है। इसी वेबसाइट पर और भी कई चीजों के दाम दिए गए हैं। अब इसके आगे की बात जानिए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने भी कुछ आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक जून में थोक महंगाई दर बढ़ गई है। 3.36 फीसदी पर पहुंच गई है। थोक महंगाई को कहते हैं, माने होलसेल प्राइस इंडेक्स। पिछले चार महीनों से लगातार इजाफा हो रहा है।

मार्च में ये 0.53 फसदी थी। अप्रैल में ये 1.26 फीसदी थी, मई में 2.61 फीसदी और अब जून में 3.36 फीसदी। अब सवाल ये कि थोक महंगाई क्यों बढ़ रही है और जवाब ये कि खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। सरकारी आकंडे तस्दीक करते हैं कि आलू से लेकर प्याज तक और टमाटर से लेकर तमाम सब्जियां महंगी हो गई हैं। तमाम दालें महंगी हो गई हैं। थोक महंगाई के बाद बात करते हैं रिटेल महंगाई की। 12 जुलाई को रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे। जून के महीने में रिटेल महंगाई भी बढ़ गई। 5.08 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में ये आंकडा 4.85 प्रतिशत का था। और मई में रिटेल महंगाई 4.75 प्रतिशत पर थी। रिपोर्ट बताती है कि खाने-पीने की चीजें महंगी होने की वजह से रिटेल महंगाई बढ़ गई है। खाद्य महंगाई दर 8.69 से बढ़कर 9.36 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यही नहीं शहरी महंगाई के साथ-साथ ग्रामीण महंगाई भी बढ़ती जा रही है। रिटेल महंगाई हो या फिर थोक महंगाई। दोनों में एक चीज कॉमन है। दोनों रिपोर्ट एक बात पर मुहर लगाती हैं। वो ये कि खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं। लेकिन कभी आपने ये सोचा है कि कोई चीज महंगी क्यों होती है और सस्ती कब हो जाती है. दरअसल महंगाई का पूरा गणित काम करता है मांग और सप्लाई के फॉर्मूले पर। अगर किसी चीज की मांग बहुत अधिक है और सप्लाई कम है तो उस चीज के दाम बढ़ जाएंगे। वहीं अगर किसी चीज की सप्लाई अधिक है और मांग बहुत ज्यादा नहीं है तो ऐसे में उस चीज के दाम कम हो जाएंगे। यानी सब्जियों और दालों की मांग तो ज्यादा है लेकिन सप्लाई उतनी नहीं है। और यही कारण है कि इन चीजों के दामों में उछाल आ गया है। लेकिन आखिर ऐसा क्या हो गया कि सब्जियों और दालों की सप्लाई प्रभावित हो गई एक बड़ी वजह है उत्पादन में कमी आना। लेकिन उत्पादन में कमी क्यों आई है। दरअसल पिछले काफी वक्त से मौसम ने किसानों का साथ कम दिया है। दालों और अनाजों पर मौसम का असर हुआ है। पिछले करीब एक साल से देश में अलनीनो की स्थिति रही थी। और अब लगातार हो रही बारिश ने भी उत्पादन पर असर डाला है। यही हाल कमोबेश सब्जियों का भी है। सब्जियों का उत्पादन भी काफी प्रभावित हुआ है। इसके बाद बारी आती है सप्लाई की। सप्लाई भी प्रभावित हुई है और इसकी सबसे बड़ी वजह है मानसून। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की खबरें रोजाना सामने आ रही हैं। देश का एक बड़ा इलाका बारिश और बाढ़ की चपेट में है। सड़कें और पुल टूटने की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। जलभराव और जलजमाव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में खाने-पीने की चीजों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना परेशानी वाला काम हो गया है। सड़कों पर, हाइवे पर, खाने-पीने से लदे ट्रकों को लाना-ले-जाना खासा परेशानी भरा हो गया है। बारिश की वजह से जाम की स्थिति भी पैदा होती हैं। इस वजह से पेट्रोल-डीजल की खपत ज्यादा होती है। यानी ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है। यानी सप्लाई बिगड़ गई है, ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ गई है, और इसका असर हो रहा है आपकी और हमारी जेब पर। एक और बात अगर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं तो भी चीजों के दाम बढ़ जाते हैं और इसके कम होने पर दामों में नरमी आ जाती है। जब बात चल ही रही है तो आपको बता दूं कि 15 जुलाई को ही पाकिस्तान सरकार ने एक नया फरमान जारी किया है इसके मुताबिक वहां पर पेट्रोल के रेट 275 रुपए लीटर और हाई स्पीड डीजल के रेट 283 रुपए लीटर हो गए हैं। अब हो सकता है कि बहुत जल्द आपको एक बार फिर पाकिस्तान से आटे की लूट वाले वीडियो देखने को मिल जाएं। अब जब महंगाई से अपना हाल बेहाल है तो शायद बदहाल पाकिस्तान को देखकर कुछ सुकून मिले। महंगाई के आंकड़े जब बदलेंगे, तब फिर से आपको बताएंगे।

एप्पल ने 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ, इस तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को कर दिया परेशान

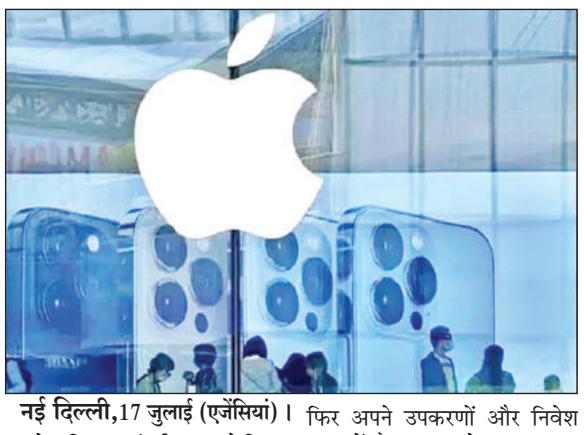

नई दिल्ली,17 जुलाई (एजेंसियां)।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है। भारत द्वारा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण घरेलू विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और वियतनाम इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमीकरण की सोच के कारण आईफोन की बिक्री में तेजी आई है। न केवल बेहतरीन घरेलू बिक्री, क्यूपर्टिनो बेस्ड कंपनी ने निर्यात में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। घरेलू विनिर्माण को मिल रहे शानदार समर्थन और मजबूत वितरण के कारण इस साल आईफोन शिपमेंट में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है।

काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसंधान निदेशक तरुण पाठक ने बताया कि प्रीमियमाइज़ेशन के शुरू होने के साथ ही एप्पल को एक बार फिर अपने उपकरणों और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से इसका लाभ उठाने का सही समय मिल गया है। इसके अतिरिक्त, ब्रांड मजबूत हुआ है और कंपनी इसका भी आनंद ले रही है और देश में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और वियतनाम जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे रह गए। चीन से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 बिलियन डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 बिलियन डॉलर हो गया। इसी तरह, नवीनतम उद्योग आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में वित्त वर्ष 2023 में 31.9 बिलियन डॉलर से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में 26.27 बिलियन डॉलर हो गया। उद्योग के अनुमान के अनुसार, मोबाइल फोन का उत्पादन 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये हो गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जो हमारे....

था और आपने भी नारा दिया था कि सबका साथ, सबका विकास, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं कहूंगा। इसकी जगह मैं कहूंगा, जो हमारे साथ, हम उनके साथ। बंद करिए ये सबका साथ, सबका विकास का नारा। हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की भी जरूरत नहीं है।शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। इसके बाद शुभेंदु अधिकारी ने जय श्रीराम के नारे लगाए और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को छह सीटों का नुकसान उठाना पड़ा और पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 12 पर सिमट गई। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेताओं का कहना है कि स्पष्ट नीतियों के अभाव के कारण भाजपा की हर जगह दुर्गति हो रही है।हाल ही में शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव और हालिया उपचुनाव में 50 लाख हिंदुओं को वोट नहीं देने दिया गया। उन्होंने कहा कि बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है। अधिकारी ने एक पोर्टल भी लॉन्च किया है, जिस पर वो लोग पंजीकरण कर सकते हैं, जिन्हें वोट नहीं देने दिया गया। शुभेंदु अधिकारी ने इन लोगों के लिए कानूनी लड़ाई लड़ने का भी ऐलान किया है। बंगाल के राजनीतिक समीक्षक मानते हैं कि पश्चिम बंगाल की विषम स्थितियों की जानकारी होते हुए भी केंद्रीय नेतृत्व ने सिर्फ राजनीति की, कोई कार्रवाई नहीं की। इसका संदेश बंगाल के लोगों में अच्छा नहीं गया। भाजपा के इस रवैये को बंगाल के लोगों ने कमजोर निर्णय लेने वाले संगठन के तौर पर देखा। पश्चिम बंगाल भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शुभेंदु अधिकारी का समर्थन किया, उससे यह साफ हो गया कि केंद्रीय नेतृत्व के ढुलमुल रवैये के खिलाफ पार्टी में आक्रोश बढ़ रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, अब हम तय करेंगे कि जो हमारा साथ देगा, हम भी उसका साथ देंगे। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चे को भी तत्काल बंद करने की मांग की। शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा नेताओं के सामने दोनों हाथ जोड़कर कहा, अब हम ये नहीं कहेंगे, सबका साथ - सबका विकास।

शुभेंदु ने कहा कि हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। मैंने राष्ट्रवादी मुसलमानों के बारे में बात की। आप सभी ने नारा दिया सबका साथ, सबका विकास। हम संविधान को बचाएंगे। अधिकारी ने जय श्रीराम का नारा लगाते हुए कहा कि हम जीतेंगे और हिंदुओं को बचाएंगे। हम तय करेंगे कि जो हमारा साथ देगा, हम उनका साथ देंगे।लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान के बाद समीक्षा बैठक में भाजपा नेताओं ने माना कि मुस्लिम वोटरों ने एकजुट होकर टीएमसी को वोट दिया। इसका उसे फायदा मिला है। दूसरी तरफ हिंदू वोटों में विभाजन दिखा। शुभेंदु अधिकारी ने अपने भाषण से साफ किया कि भाजपा अब बंगाल में हिंदू वोटों को साधने की कोशिश करेगी। संदेशखाली जैसी घटनाओं से भी उसने यह कोशिश की थी, लेकिन अब इस एजेंडे पर वह आक्रामक हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। इसके बाद यह भाजपा का प्रमुख नारा बन गया। इसमें सभी सरकारी योजनाओं को सभी वर्गों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। भाजपा की नजर इस नारे के जरिए अल्पसंख्यक वोट बैंक पर थी। लेकिन भाजपा को इस नारे का कोई फायदा नहीं मिला। पश्चिम बंगाल के चुनाव में मुस्लिम वोटर्स का बड़ा हिस्सा भाजपा को रोकने के लिए तृणमूल कांग्रेस को वोट दे रहा है।

जनसंख्या असंतुलन....

जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार जाने वाली है।

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, जनसांख्यिकी में बदलाव मेरे लिए एक बड़ा मुद्दा है। असम में मुस्लिम आबादी आज 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 1951 में यह 12 प्रतिशत थी। हमने कई जिले खो दिए हैं। यह मेरे लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। यह मेरे लिए जीवन और मृत्यु का सवाल है। झारखंड के बारे में भी सरमा ने कहा, झारखंड में भी कानून नहीं लागू हो रहा है। आदिवासी बेटियों के साथ घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं, लेकिन इस पर सरकार को पाबंदी नहीं लगा रही। बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर उन्होंने कहा कि वो पहले पश्चिम बंगाल आते हैं फिर झारखंड बिहार और छत्तीसगढ़ आते हैं।

हिमंत ने कहा कि इंटरनेशनल बॉर्डर से जब घुसपैठिए आते हैं, तब उन्हें रोकने का काम बीएसएफ का होता है, लेकिन जब एक बार घुसपैठिए अंदर आ चुके हैं, तब ये राज्य सरकार की जिम्मेदारी होती है। झारखंड हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार को घुसपैठी आ गए हैं। सीएम हिमंत ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार घुसपैठियों के संरक्षण में जुटी है। भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू की धरती घुसपैठियों की धर्ती बन रही है। संताल परगान की डेमोग्राफी बदल गई है। सरमा ने कहा, लव जेहाद, लैंड जिहाद चरम पर है। आदिवासी बेटियों से बांग्लादेशी घुसपैठ करके शादी कर रहे हैं और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं।

दिल्ली में भी....

देते हुए कहा कि दिल्ली में इस तरह की वारदात न हो पाए। इसके अलावा पुलिस आयुक्त ने कहा कि स्टाफ को जल्द से जल्द सक्रिय किया जाए। पिछले साल की तरह इस वर्ष भी सुरक्षा के पुख्ता कदम उठाए जाएं।

स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि गैंगस्टर या आतंकी टारगेट किलिंग कर सकते हैं। इसके कुछ इनपुट मिले हैं। साथ ही खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू 15 अगस्त पर जगह-जगह खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाकर देश का माहौल खराब करने की कोशिश करेगा। पन्नू की ओर से दिल्ली का माहौल खराब करने की तैयारियों के खुफिया इनपुट मिले हैं।

तेलंगाना को देश....

है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता हरीश राव ने कहा था कि अगर कर्ज माफी हुई तो वह इस्तीफा दे देंगे। कई लोगों ने इस तरह की माफी की व्यवहार्यता पर संदेह किया, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि ईमानदारी से सब कुछ संभव है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने तेलंगाना की 60 साल पुरानी आकांक्षा को पूरा किया है। उन्होंने मंत्रियों, विधायकों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से गांव, मंडल तथा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर ऋण माफी के लिए अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्हें याद दिलाया कि वे वोट मांगने के लिए गांवों में गए थे और अब उन्हें ग्रामीणों को बताना चाहिए कि ऋण माफ कर दिया गया है।

तेल टैंकर ...

हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। नाविकों के लिए खोज और बचाव अभियान, ओमान समुद्री सुरक्षा केंद्र (ओएमएससी) द्वारा समन्वित किया जा रहा है। भारतीय नौसेना भी खोज और बचाव अभियान में शामिल हो गई है।इज़राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अदन की खाड़ी और लाल सागर में समुद्री जहाजों पर लगातार हमले हो रहे हैं। ये हमले ईरान समर्थित हूती विद्रोही कर रहे हैं। इसके चलते अमेरिका और ब्रिटेन संयुक्त रूप से हूती विद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद व्यापारिक जहाजों पर हमले नहीं रुक रहे हैं। हूती विद्रोहियों के हमले के चलते अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और इसकी वजह से कई व्यापारिक जहाज अफ्रीका होते हुए लंबा रास्ता तय कर रहे हैं। इसकी वजह से महंगाई बढ़ी है और अगर लाल सागर और अदन की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर हमले नहीं रुके तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ...

जिले के कप्तान नीरज जादौन को

कैसे झेल पाएंगे। इसके जवाब में भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने अफसरों को लुटेरा बताया और यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का कोई भी काम बिना रिश्वत दिए न हुआ है और न होगा। हालांकि विधायक ने मोदी और योगी को व्यक्तिगत तौर पर ईमानदार बताया।

ऐसा पहली बार नहीं है जब विधायक श्याम प्रकाश ने अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा किया हो। पिछले साल उन्होंने एक बैठक के दौरान टिप्पणी की थी कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में किसान और प्रधान दोनों परेशान हैं। उन्होंने कहा था कि किसान घुमंतू जानवरों से परेशान हैं और प्रधान अपने सचिवों से परेशान हैं। विधायक श्याम प्रकाश ने कोरोना काल में भी कहा था कि ऑक्सीजन की कमी से सैकड़ों लोग तड़प-तड़प कर मर गए।इस साल मई के महीने में भी गुजरात में भाजपा के राज्यसभा सांसद राम मोकरिया ने कुछ ऐसा ही बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि राज्य में कोई भी अफसर बिना जेब गर्म किए काम नहीं करता। उन्होंने स्वीकार किया था कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। एक गुजराती दैनिक को दिए इंटरव्यू में सांसद ने कहा था कि उन्होंने फायर एनओसी लेने के लिए डिप्टी फायर अफसर को 70000 की रिश्वत दी थी और जब वह सांसद बन गए थे तो डिप्टी फायर अफसर ने यह रकम उन्हें वापस कर दी थी।कुछ दिन पहले भाजपा के ही एक विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा था कि उत्तर प्रदेश के मौजूदा हालात में भाजपा की स्थिति ठीक नहीं है और अगर केंद्रीय नेतृत्व ने बड़े फैसले नहीं लिए तो 2027 के विधानसभा चुनाव में फिर से भाजपा की सरकार बनने की स्थिति नहीं दिखाई देती। इसके साथ ही भाजपा के एक पूर्व मंत्री मोती सिंह का भी वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी भी थानों और तहसीलों में इतना भयंकर भ्रष्टाचार नहीं देखा।सवाल यह है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग लड़ने की बात कहने वाली भाजपा के अपने ही विधायक और पूर्व मंत्री क्यों अपनी ही सरकार के शासन में भ्रष्टाचार होने की बात कह रहे हैं? जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कुछ सालों में कई सार्वजनिक कार्यक्रमों और चुनावी सभाओं में स्पष्ट रूप से कह चुके हैं कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार खत्म करके रहेगी और इसके लिए कदम उठा रही है। विपक्ष के नेताओं पर जब केंद्रीय जांच एजेंसियां सीबीआई, ईडी, आईटी की छापेमारी होती है तब भी भाजपा की ओर से यही तर्क दिया जाता है कि पार्टी का भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस है। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता को भरोसा दिलाया था कि उनकी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा और यह उनकी गारंटी है।

इस बीच उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता तीरथ सिंह रावत का एक बयान सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस बयान में तीरथ सिंह रावत कहते हैं कि सभी से बातचीत करके, सलाह मशविरा करके आगे बढ़ना चाहिए और किसी पर कुछ थोपा नहीं जाना चाहिए। तीरथ सिंह रावत कहते हैं कि जनता आगे बढ़ गई है और नेता पीछे रह गए हैं।इसी क्रम में यह भी बताते चलें कि उत्तर प्रदेश के लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा का प्रदर्शन खराब रहा है और एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मिलकर राज्य की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतने का दावा करने वाली पार्टी को 29 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है।

30 जुलाई को मनाई जाएगी कामिका एकादशी

एकादशी तिथि हिंदू धर्म की महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। हर माह की एकादशियों का अपना विशेष अर्थ होता है। इसी तरह सावन माह में कामिका एकादशी मनाई जाती है।

कामिका एकादशी तिथि

कामिका एकादशी का व्रत सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार सावन के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को शाम 4 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी।

व्रत का समय 31 जुलाई को दोपहर 3.55 बजे समाप्त होगा। कामिका एकादशी का व्रत उदय तिथि के अनुसार 31 जुलाई 2024, बुधवार को रखा जाएगा।

क्यों रखा जाता है कामिका एकादशी व्रत?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कामिका एकादशी का व्रत करने से भक्तों के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सावन महीने में पड़ने के कारण इस व्रत का महत्व और भी बढ़ जाता है। देवशयनी एकादशी के बाद यह पहली एकादशी है जिसमें भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं।

सावन माह में एकादशी होने के कारण इस व्रत से भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान शिव का भी आशीर्वाद मिलता है।

कामिका एकादशी के दिन करें ये काम

कामिका एकादशी व्रत से एक दिन पहले व्यक्ति को चावल खाना बंद कर देना चाहिए।

कामिका एकादशी के दिन सुबह सूर्योदय से पहले उठकर गंगा में स्नान करना चाहिए।

यदि किसी कारणवश गंगा स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर लें।

इसके बाद पूजा के लिए पीले आसन पर बैठें। श्रीहरि का गंगाजल से अभिषेक करने के बाद उन्हें पीले वस्त्र पहनाएं।

कामिका एकादशी व्रत कथा पढ़ें और आरती के साथ पूजा संपन्न करें।

बेलपत्र के अलावा ये 8 पत्ते भी भगवान शिव को हैं अतिप्रिय, पूजा में जरूर करें उपयोग

22 जुलाई से सावन माह की शुरुआत होने जा रही है। इस माह भगवान शिव का पूजन करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, साथ ही भगवान शिव का रुद्राभिषेक करना भी शुभ माना गया है। यह माह भोलेनाथ को अति प्रिय है। सावन सोमवार पर भगवान शिव के निमित्त व्रत रखने से भक्तों की सभी मनोकामना पूर्ण होती है। यदि आप पूजा के दौरान कुछ पत्तों को भी पूजन सामग्री में शामिल करते हैं, तो इसके आपको शुभ फल मिलेंगे।

आंकड़े -हिंदू मान्यता के अनुसार, आंकड़े के फूल के साथ भगवान शिव को इसके पत्ते भी अति प्रिय है। आप पूजा के दौरान आंकड़े के पत्ते महादेव को 7, 9, 11 अथवा 21 के क्रम में चढ़ा सकते हैं।

पीपल- हिंदू धर्म में पीपल के वृक्ष का विशेष महत्व है। आप सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव को बेलपत्र के स्थान पर पीपल के पत्ते भी अर्पित कर पूजा सकते हैं।

शमी- शिव महापुराण में शमी के पेड़ का जिक्र मिलता है। इसके अनुसार, आप पूजा के दौरान भगवान शिव को शमी के पत्ते अर्पित कर सकते हैं।

धतूरा-भगवान शिव को धतूरे के फल के साथ इसके पत्ते भी चढ़ाए जा सकते हैं। माना जाता है कि भगवान शिव को धतूरे के पत्ते प्रिय है। ऐसे में धतूरा न उपलब्ध होने पर आप इसके पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

भांग- भगवान शिव को पूजा के दौरान भांग अर्पित की जाती है। इसके साथ ही आप शिवलिंग पर भांग के पत्ते भी चढ़ा सकते हैं।

दूर्वा -भगवान शिव को आप दूर्वा भी अर्पित कर सकते हैं। हिंदू धर्म में दूर्वा को अमृत के समान माना गया है। इससे साधक की आयु लंबी होती है।

अपामार्ग -सोमवार को पूजा के दौरान आप भगवान शिव पर अपामार्ग के पत्ते अर्पित कर सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

बांस - भोलेनाथ को बांस के पत्ते चढ़ाना भी शुभ माना गया है। मान्यता के अनुसार इससे साधक को संतान प्राप्ति होती है।

क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है सावन पूर्णिमा?

सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस दौरान व्रत, स्नान और दान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। उत्तर भारतीय राज्यों में श्रावण माह को सावन माह कहा जाता है, जिसमें भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा की जाती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, साल 2024 में सावन माह 22 जुलाई से 19 अगस्त तक रहेगा। 19 अगस्त 2024 को ही सावन पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा। आइए, जानते हैं कि सावन पूर्णिमा क्यों महत्वपूर्ण मानी जाती है और इससे कौन-से कार्य करने चाहिए।

श्रावण पूर्णिमा शुभ मुहूर्त 2024

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन पूर्णिमा यानी 19 अगस्त के दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:04 से 12:55 तक रहेगा। वहीं, स्नान-दान के लिए ब्रह्म मुहूर्त प्रात काल 4:32 से 5:20 तक रहेगा।

इस कारण महत्वपूर्ण होती है सावन पूर्णिमा

सावन पूर्णिमा पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन पितरों का तर्पण किया जाता है। पितरों के तर्पण से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है। इससे भविष्य में होने वाली अशुभ घटनाओं से मुक्ति मिलती है।

सावन पूर्णिमा के व्रत का पारण देवी लक्ष्मी की पूजा के साथ किया जाता है। इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा रात के समय की जाती है। ऐसा करने से जातक को कभी भी धन की कमी नहीं होती है। साथ ही आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

सावन पूर्णिमा पर करें ये कार्य

सावन पूर्णिमा के दिन प्रातः काल उठकर किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

स्नान के बाद देवी-देवताओं की आराधना करना चाहिए और जरूरतमंद लोगों को दान देना चाहिए।

दान जैसे कार्यों को करने से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है।

सावन पूर्णिमा के दिन धन, वस्त्र और अनाज आदि का दान किया जा सकता है। ऐसा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

31 जुलाई से पहले बिछड़े दिलों को मिलाएगा शुक्र ग्रह

इस परिवर्तन का होगा असर

सनातन धर्म में ज्योतिष को विशेष स्थान दिया गया है। ज्योतिष गणना कर कई अनुमान लगाए जाते हैं। इसका असर हमारे जीवन पर भी पड़ता है। माना जाता है कि प्रत्येक ग्रह की चाल हमारे जीवन में होने वाले परिवर्तनों का प्रमुख कारक होती है। यह ग्रह जब राशि परिवर्तन करते हैं, तो इसका जातकों की कुंडली पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरीके से असर पड़ता है।

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को शुभ ग्रह माना गया है इसके राशि परिवर्तन से जातकों की कुंडली में कई सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलते हैं और उसे जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। ज्योतिष गणना के अनुसार, शुक्र ग्रह ने 7 जुलाई को सुबह 4 बजकर 31 मिनट पर मिथुन राशि से कर्क राशि में गोचर किया था, शुक्र 31 जुलाई तक इसी भाव में रहेंगे और इसका सभी राशियों पर भाव के अनुसार प्रभाव पड़ेगा। खास तौर पर प्रेम प्रसंग के मामले में दो राशियों के जातकों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

किस राशि के जातकों को होगा लाभ

मकर राशि - शुक्र के राशि परिवर्तन से मकर राशि के जातकों की लव लाइफ में कई परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जातकों को अपने पार्टनर का भरपूर साथ मिलेगा। नवविवाहित जोड़ों का जीवन सुखमय बना रहेगा। यदि आप लंबे समय से अपने प्रेमी या प्रेमिका से दूर है तो अब यह इंतजार भी खत्म होने वाला है।

मीन राशि -मीन राशि के जातकों की कुंडली में भी शुक्र शुभ प्रभाव डालेंगे। इस राशि के जातकों को अपने प्रेमी या प्रेमिका का भरपूर साथ मिलेगा। नवविवाहित जोड़े यात्रा पर जा सकते हैं।

क्यों 4 महीने विश्राम करते हैं भगवान विष्णु?

देवशयनी एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। आज यानी 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जा रही है। इस दिन से भगवान विष्णु योग निद्रा में प्रवेश कर जाते हैं और अगले 4 महीनों तक योग निद्रा में ही रहते हैं।

देवशयनी एकादशी का व्रत आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। जिस दिन भगवान विष्णु शयन के लिए चले जाते हैं, उसी दिन से चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है। इस दौरान सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। भगवान विष्णु योग निद्रा में जाने के पीछे भी एक पौराणिक कथा प्रचलित है।

चातुर्मास से जुड़ी पौराणिक कथा

धर्मग्रंथों के अनुसार, राजा बलि ने तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली थी। जब भयभीत इंद्रदेव और सभी देवता बली से छुटकारा पाने के लिए भगवान विष्णु की शरण में गए, तो श्रीहरि ने वामन रूप धारण किया और राजा बलि से दान मांगने पहुंच गए। वामन अवतार लेकर भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी। प्रभु ने दो पग में धरती और आकाश नाप लिया। जब तीसरा कदम रखने के लिए कोई जगह नहीं बची तो राजा बलि ने अपना सिर आगे कर दिया। विष्णु जी बलि से बहुत प्रसन्न हुए।

देवी लक्ष्मी ने राजा बलि को बांधी राखी

राजा बलि की उदारता और भक्ति देखकर भगवान विष्णु ने बलि से वरदान मांगने को कहा। बलि ने भगवान से प्रार्थना की कि वह उसके साथ पाताल लोक में चलें और हमेशा वहीं रहें।

भगवान विष्णु ने अपने भक्त बलि की इच्छा पूरी की और पाताल लोक चले गए। इससे सभी देवी-देवता और देवी लक्ष्मी चिंतित हो गईं। देवी लक्ष्मी ने एक गरीब महिला का रूप धारण करके राजा बलि को राखी बांधी और उन्हें अपना भाई बना लिया।

भगवान विष्णु के शयन का कारण

देवी लक्ष्मी ने अपने भाई राजा बलि से भगवान विष्णु को पाताल लोक से मुक्त कराने का वचन मांगा। इस प्रकार भगवान विष्णु मुक्त हो गए। लेकिन भगवान विष्णु अपने भक्त को निराश नहीं करते हैं। इसी कारण उन्होंने आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से कार्तिक मास की एकादशी तक पाताल लोक में निवास करने का वचन दिया है। यही कारण है कि चातुर्मास के दौरान भगवान विष्णु पाताल लोक में शयन के लिए चले जाते हैं।

कलयुग में इस रूप में अवतार लेंगे भगवान गणेश, पुराणों में मिलता है वर्णन

धर्म ग्रंथों के अनुसार, जब-जब संसार में अन्याय और अधर्म फैलने लगा, तब-तब भगवान विष्णु ने नया अवतार लेकर धर्म की पुन: स्थापना की। इनमें से श्रीहरि का 'कल्कि अवतार' अभी होना बाकी है। इसी तरह जब पृथ्वी पर पाप, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर पहुंच जाएंगे, तब भगवान गणेश मनुष्यों को धर्म का मार्ग दिखाने के लिए अवतार लेंगे।

पहले भी अवतार ले चुके हैं भगवान गणेश

पुराणों के अनुसार, जब पृथ्वी पर कलयुग अपने चरम पर होगा और हर तरफ बुराई का साम्राज्य होगा, तब गणपति जी पृथ्वी पर अवतरित होंगे।

इससे पहले भी भगवान गणेश कई अवतार ले चुके हैं। वे हर युग में अवतरित हुए हैं और उन्होंने दुष्टों का नाश किया है।

सतयुग में वे महोत्कट विनायक के रूप में प्रकट हुए, त्रेतायुग में वे मयूरेश्वर के नाम से जाने गए और द्वापर युग में वे शिवपुत्र गजानन के नाम से जाने गए।

अन्याय का नाश करने के लिए जन्म लेंगे भगवान गणेश

गणेश पुराण में वर्णन किया गया है कि जब ब्राह्मणों का मन वेदाध्ययन की बजाय अन्य कार्यों में लगने लगेगा। जब वे तप, यज्ञ और शुभ कर्म करना बंद कर देते हैं। जब लोग बारिश न होने के कारण नदी के किनारे खेती करने लगेंगे, तब भगवान गणेश कलयुग में अवतार लेंगे। जब लोग लालच के कारण एक-दूसरे को धोखा देने से नहीं हिचकिचाएंगे।

विद्वान और धार्मिक लोग भी लोभ के कारण धन कमाने के प्रयास में मूर्ख बन जाएंगे। उनके पास जो कुछ भी है वह भी खो जायेगा। जब लोग पराई स्त्रियों पर बुरी नजर रखेंगे और ताकतवर लोग कमजोर को परेशान करेंगे, तब इस धरती से अन्याय का नाश करने के लिए भगवान गणेश का जन्म होगा।

जब कलयुग में लोग धर्म का मार्ग छोड़कर अधर्म के मार्ग पर चलने लगेंगे या लोग अपने लालच को पूरा करने के लिए देवताओं की जगह आसुरी शक्तियों की पूजा करने लगेंगे। ब्राह्मण अपने अच्छे कर्म छोड़कर लालच के कारण अपना पेट भरने लगेंगे।

'धूम्रकेतु' रूप में अवतार लेंगे गणेश जी

जब वैश्य समाज के लोग मेहनत से धन कमाने की बजाय बुरे आचरण से धन कमाने लगेंगे, स्त्रियां अपने पति की भक्ति छोड़कर पाप का मार्ग अपना लेंगी। लोग अपने माता-पिता और बड़ों का अपमान करने लगेंगे, ऐसे में भगवान गणेश को धरती पर आना होगा और अवतार लेना होगा।

कलयुग में भगवान गणेश के अवतार को 'धूम्रकेतु' कहा जाएगा। भगवान गजानन इस अवतार में लोगों को ज्ञान देने और कलयुगी समाज में फैली बुराइयों को दूर करने के लिए अवतरित होंगे। यह भविष्यवाणी गणेश पुराण में की गई है।

सावन में भगवान शिव बनाएंगे बिगड़े काम, नहीं मिल रही सफलता, तो करें बस यह छोटा सा उपाय

पवित्र श्रावण माह की शुरुआत 22 जुलाई से होने जा रही है। यह महीना भगवान शिव को अति प्रिय है। इस पूरे ही महादेव के विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं और मंदिरों में जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर भोलेनाथ को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है।

हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान शिव अपने भक्तों पर जल्द प्रसन्न हो जाते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यदि सावन में कुछ उपाय किए जाएं तो साधकों को जीवन में आने वाली कष्टों से मुक्ति मिलती है।

क्या है उपाय

नौकरी न लगने पर

यदि आप लंबे समय से नौकरी की तलाश में है और काफी प्रयास के बावजूद भी आपको इसमें सफलता नहीं मिल रही है तो आपको सावन माह से जुड़ा यह उपाय जरूर करें। सावन में भगवान शिव की पूजा के दौरान मां पार्वती का भी पूजन करें और उन्हें चांदी की पायल चढ़ाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से करियर में आ रही समस्याएं खत्म हो जाती है। यदि आपको कारोबार में सफलता नहीं मिल रही है, आप भी यह उपाय कर सकते हैं।

शादी में बाधा आने पर

तमाम प्रयासों के बावजूद भी यदि आपकी शादी नहीं हो रही है, तो आप प्रत्येक सावन सोमवार को सच्चे मन से शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। ऐसा करने से सड़क के विवाह में आ रही समस्याएं दूर होती है।

मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए

यदि आप मनचाहे जीवनसाथी की तलाश में हैं, तो आप सावन के प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करें। इस दिन जरूरतमंद और गरीब लोगों को दान करना भी शुभ माना गया है। ऐसा करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं।

अन्य समस्याओं के लिए

यदि आपको आपके जीवन में दूसरी समस्याएं भी आ रही है तो आप भोलेनाथ की कृपा प्राप्त करना के लिए प्रत्येक सावन सोमवार को महादेव का विधि पूर्वक पूजन करें और 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें ऐसा करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं।

कृतिका मलिक ने नॉमिनेशन पर नेजी को कहा बेवकूफ

बिग बॉस ओटीटी 3 में रैपर नेजी ने हाउसमेट कृतिका मलिक को अनएक्सपेक्टेड नॉमिनेशन टास्क में नॉमिनेट किया, इसके बाद कृतिका नेजी पर अपनी भड़ास निकालती नजर आईं। यह सब शो के आगामी एपिसोड में नजर आएगा।चैनल द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रोमो में कैप्शन दिया गया है, अनएक्सपेक्टेड नामांकन? नेजी ने क्यों किया कृतिका को नॉमिनेट?प्रोमो की शुरुआत में कृतिका रैपर नेजी को बेवकूफ कहती नजर आती हैं।

कृतिका ने कहा, 11 लोगों के बीच में जो सबसे बेवकूफ आदमी है, वो यह (नेजी) है। उन्होंने कहा: थोड़ी देर में कहेंगे, सॉरी कृतिका जी मुझे उस समय जो लगा मैंने कर दिया।इस पर नेजी ने कहा कि वह सोच रहे थे कि उन्हें वही करना चाहिए जो वह काफी समय से करना चाहते थे।कृतिका ने कहा, यहां मैं नेजी भाई का इतना ध्यान रखती हूं, यहां किसी लड़के का नहीं रखा।कृतिका ने आगे कहा कि आज के बाद बोलना मत की कॉफी या चाय दे दो। इस पर नेजी कहते नजर आते है कि आपने इस वजह से कनेक्शन बनाया था?इस बीच कृतिका के पति अरमान मलिक इस लड़ाई में कूद पड़ते हैं। अरमान ने कहा कि पूरा घर जानता है कि कितना काम करने वाला है तू, अपने में बदलाव ला, तू किसी के लिए कुछ नहीं करता।अपनी दोस्त सना मकबूल से बात करते हुए नेजी ने कहा कि वह कुछ अलग करना चाहते हैं। नेजी ने कहा, कुछ अनप्रिडिक्टेबल करना था मुझे। मजा आना चाहिए... गेम होना चाहिए, यहां चाय पीने नहीं आए हैं।

नाभा नटेश और प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म डार्लिंग कल होगी रिलीज

स्टार निर्माताओं ने डार्लिंग एपी के अधिकार हासिल किए। नाभा नटेश और लोकप्रिय कॉमेडियन प्रियदर्शी की रोमांटिक कॉमेडी डार्लिंग अपने विचित्र हास्य और जीवंत ऊर्जा से दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हाल ही में सेंसर की औपचारिकताएं पूरी करने वाली यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।उत्साह को बढ़ाते हुए, टॉलीवुड के प्रमुख निर्माता और वितरक सुरेश बाबू और एशियन सुनील ने आंध्र प्रदेश के लिए सिनेमाघरों में रिलीज के अधिकार हासिल कर लिए हैं, जिससे पूरे राज्य में व्यापक और प्रभावशाली रिलीज सुनिश्चित होगी।टॉलीवुड इंडस्ट्री की दो प्रमुख हस्तियों द्वारा इस प्रोजेक्ट का समर्थन किए जाने के कारण, डार्लिंग चर्चा का विषय बनने जा रही है। इस फिल्म में अनन्या नागल्ला, ब्रह्मानंदम और मुरलीधर गौड़ जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।प्राइमशो एंटरटेनमेंट के बैनर तले अश्विन राम द्वारा निर्देशित और के निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी द्वारा निर्मित, डार्लिंग मनोरंजन और हास्य का अनूठा मिश्रण पेश करती है। विवेक सागर द्वारा रचित फिल्म का साउंडट्रैक कहानी में आकर्षण की एक और परत जोड़ने की उम्मीद है।होनहार कलाकारों, एक मजबूत प्रोडक्शन टीम और इंडस्ट्री के दिग्गजों के समर्थन के साथ, डार्लिंग बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो अपने हल्के-फुल्के आकर्षण से दर्शकों को लुभाएगी।

वीकेंड पर गर्दा उड़ाने के बाद थर्ड मंडे घटी कल्कि की कमाई

प्रभास स्टार साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर जमकर गरज रही है। फिल्म का ताबड़तोड़ कलेक्शन हैरान कर देने वाला है। महाबंपर ओपनिंग करने के साथ कल्कि 2898 एडी ने तीसरे वीकेंड पर भी छप्परफाड़ कमाई की। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है। चलिए यहां जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंडे को कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?कल्कि 2898 एडी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है और जमकर कमाई भी कर रही है। ये फिल्म ना केवल साल 2024 की सबसे ज्यादा नोट छापने वाली फिल्म बन चुकी है बल्कि इसने शाहरुख खान की पठान और रणबीर कपूर स्टारर एनिमल के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन को भी मात दे दी है। यहां तक कि कल्कि 2898 एडी के कहर के आगे लेटेस्ट रिलीज अक्षय कुमार की सरफिरा और कमल हासन की इंडियन 2 भी नहीं टिक पाई हैं। वहीं प्रभास की फिल्म पर तीसरे वीकेंड पर भी नोटों की बारिश हुई है लेकिन तीसरे सोमवार फिल्म का कलेक्शन का ग्राफ काफी गिर गया है। फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले दिन 95.3 करोड़ से महाबंपर ओपनिंग करने वाली कल्कि 2898 एडी की पहले हफ्ते की कमाई 414।85 करोड़ रही। दूसरे हफ्ते फिल्म ने 128.5 करोड़ कमाए। वहीं तीसरे हफ्ते के तीसरे फ्राइडे फिल्म ने 6 करोड़, तीसरे शनिवार 14.35 करोड़ और तीसरे रविवार 16।45 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे सोमवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं।सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंडे को 4।3 करोड़ की कमाई की है। जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 1.35 करोड़, तमिल में 0.15 करोड़, हिंदी में 2.5 करोड़, कन्नड़ में 0.05 करोड़ और मलयालम में 0.25 करोड़ की कमाई की है। इसके बाद कल्कि 2898 एडी का 19 दिनों का कुल कलेक्शन अब 584.45 करोड़ रुपये हो गया है। जिसमें फिल्म ने तेलुगु में 267.1 करोड़, तमिल में 33.3 करोड़, हिंदी में 257.1 करोड़, कन्नड़ में 5.05 करोड़ और मलयालम में 21.9 करोड़ की कमाई की है।कल्कि 2898 एडीळ ने तीसरे वीकेंड पर छप्परफाड़ कमाई की थी हालांकि तीसरे मंडे फिल्म की कमाई बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हो गई और ये मुश्किल से 3 करोड़ की कमाई कर पाई। वहीं अब फिल्म का टारगेट शाहरुख खान की जवान के इंडियन लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ रुपये है। अब देखने वाली बात होगी कि क्या कल्कि 2898 एडीळ घटती कमाई के साथ जवानळ को धूल चटा पाएगी या नहीं। फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं।बता दें कि कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। फिल्म में प्रभास के अलावा दीपिका पाकुदोण, कमल हासन, दिशा पटानी और अमिताभ बच्चन सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है। ये फिल्म 600 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है और इसे 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।

फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में मशहूर अभिनेता जयराम की हुई एंट्री

कांतारा साल 2022 की बेहद चर्चित और सफल फिल्म रही थी। फिल्म से ऋषभ शेट्टी रातों-रात पूरे देश में मशहूर हो गए थे। फिल्म का निर्देशन और लेखन के साथ-साथ उन्होंने मुख्य किरदार भी निभाया था। भारतीय लोक कथाओं पर आधारित इस फिल्म को काफी तारीफें मिली थीं। फिल्म के रिलीज के बाद से ही दर्शक इसके दूसरे भाग की मांग करने लगे थे, जिसके बाद निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग का एलान भी कर दिया। हालांकि, यह फिल्म पहले भाग की प्रीक्वल होगी। ऋषभ शेट्टी फिलहाल कांतारा-चैप्टर 1 को लेकर व्यस्त हैं। वह इस फिल्म को पहले भाग से अधिक भव्य और बेहतरीन बनाने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते। पिछले साल मेकर्स के तरफ से इसकी एक झलक भी जारी की गई थी, जिसके बाद दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। टीजर से यह साफ दिख रहा था कि मेकर्स इसे और भी ज्यादा भव्य बनाना चाहते हैं। इस वजह से इस बार फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। अब खबरें आ रही हैं कि कांतारा- चैप्टर 1 में एक बड़े स्टार को शामिल किया गया है। पोर्ट्स के मुताबिक, कांतारा-चैप्टर 1 में मलयालम फिल्मों के स्टार अभिनेता जयराम भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने कर्नाटक में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि जयराम साउथ फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही वह सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। कांतारा- चैप्टर 1 से जयराम के जुड़ने की खबर तेजी से फैल रही है। उनके फैंस इस से काफी उत्साहित हैं। बताते चलें कि कांतारा 30 सितंबर 2022 को कर्नाटक में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता को देखते हुए इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया गया। डबिंग के बाद फिल्म 14 अक्टूबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा कारोबार किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 16 करोड़ में बनी फिल्म ने 400 करोड़ के आसपास की कमाई की थी।

त्रिशा कृष्णन की क्राइम-थ्रिलर सीरीज बृंदा का टीजर रिलीज

साउथ इंडियन फिल्मों में अपनी एक्टिंग के झंडे गाड़ने के बाद अब तृषा कृष्णन भी ओटीटी का रुख कर रही हैं। उनकी वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। जिसके बाद तृष्णा कृष्णन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी जो बड़े पर्दे के बिग स्टार होने के बाद ओटीटी में आए हैं। तृषा कृष्णन बृंदा नाम की वेब सीरीज के साथ ओटीटी पर दिखाई देंगी। ये एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बताई जा रही है। जिसके प्रोडक्शन का काम पिछले एक साल से जारी था। अब वेब सीरीज की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज की रिलीज डेट बताई है। उन्होंने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। जिसके मुताबिक तृषा कृष्णन की वेब सीरीज आने वाले 2 अगस्त को रिलीज होगी। ये वेब सीरीज तृषा कृष्णन के फैंस सोनी लिव पर देख सकते हैं। इसके साथ ही क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज के टीजर का वीडियो भी शेयर किया है। जिसे देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वेब सीरीज एक क्राइम थ्रिलर है। जिसमें तृषा कृष्णन पुलिस की वर्दी पहनी दिखाई देंगी। उनके अलावा बृंदा वेब सीरीज में साई कुमार, अमानी, इंद्रजीत सुकुमारन, रविंद्र विजय और दूसरे सपोर्टिंग एक्टर्स भी नजर आएंगे।तृषा कृष्णन की ये पहली वेब सीरीज एक साथ बहुत सी भाषाओं में रिलीज होगी। इसे तेलुगू, कन्नड़, हिंदी, तमिल, मराठी, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज करने की तैयारी है। वेब सीरीज को डायरेक्ट किया है सूर्या मनोज वंगाला ने। अब तक मिली जानकारी के अनुसार वेब सीरीज आंध्र प्रदेश के एक केस से जुड़ी होगी।

मोनालिसा ने पिंक आउटफिट में गिराई बिजली

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।उन्होंने इंस्टाग्राम पर नई सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वे पिंक ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों में मोनालिसा खुले बालों और लाइट मेकअप के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनके साथ उनकी 2 फीमेल दोस्त भी नजर आ रही हैं।

मोनालिसा का यह लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी इन फोटोज में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके स्टनिंग लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।इन तस्वीरों पर उनके फैंस ने जमकर लाइक्स और कमेंट किए हैं। कुछ फैंस ने उनके लुक की तारीफ की है तो वहीं कुछ ने उनके साथ वाली दो फीमेल दोस्त के बारे में भी पूछा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग-अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद-विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम-संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीज़ों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। ज़िंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई-लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाकात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप ख़ुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दुःखी कर सकती है।एक प्यारी-सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता-पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सुझ-बुझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 18 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 08:46 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 03:25 तक
योग : शुक्ल प्रातः 06:12 तक
करण : बव प्रातः 09:01 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 03:25 तक
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्याम बाबा की बारस , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चुनौतियों से घिरी भाजपा की नैया पार लगाने में जुटे अमित शाह

चंडीगढ़,17 जुलाई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव में हरियाणा में आधी सीट गंवाने वाली भाजपा को हार से उबारने का जिम्मा अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल लिया है। तीन हफ्ते में शाह दो बार हरियाणा का दौरे कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश कर चुके हैं। दक्षिण हरियाणा से उन्होंने पिछड़े वर्ग को साधने का प्रयास किया। इससे पहले वह 29 जून को पंचकूला आए और 4500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।

हरियाणा में शाह के बार-बार आने की बड़ी वजह यह है कि पार्टी किसी भी कीमत पर हरियाणा को हाथ से निकलने देना नहीं चाहती। पार्टी का मानना है कि यदि हरियाणा में विपरीत परिणाम आए तो आगामी सालों में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में

कोर वोटर को जोड़ने के लिए बना रहे रणनीति

पार्टी को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

दूसरी वजह यह है कि हरियाणा में सरकार व भाजपा नेतृत्व नया है। सैनी को कुर्सी संभाले मात्र चार महीने हुए हैं, जबकि बड़ौली को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुए मात्र एक हफ्ता। इससे पहले सैनी ही प्रदेश अध्यक्ष का भी प्रभार संभाल रहे थे। ऐसी स्थिति में कोई कमी न रह जाए, इसलिए शाह ने कमान खुद ही अपने हाथों में रख ली है।

शाह रणनीति बनाने में माहिर माने जाते हैं। चुनावी मैदान में उतरने से पहले शाह ने चुनौतियों से जूझ रही भाजपा के लिए प्लान तैयार कर लिया है। उनकी रणनीति अगड़ी जातियों के साथ पिछड़ी व दलितों की आबादी को साधने की है। वहीं, भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती अपने कोर वोटर को पार्टी के साथ जोड़ना और सत्ता विरोधी लहर को कम करना है। पिछले दो चुनावों में पिछड़ा वर्ग और दलित वोट भाजपा का कोर वोटर रहा है। उन्हें पता है कि यदि इस वर्ग को साध लिया तो पार्टी को हैट्रिक लगाने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। मगर लोकसभा चुनाव के दौरान ओबीसी व दलित वोट बैंक भाजपा से खिसकर कर कांग्रेस की झोली में चला गया था। हालांकि चुनाव से ठीक पहले भाजपा ने पिछड़ा वर्ग के नायब सिंह सैनी को राज्य का सीएम बना दिया था। मगर फिर भी भाजपा को फायदा नहीं पहुंचा।

लोकनीति सीएसडीएस के मुताबिक लोकसभा चुनाव में भाजपा का 29 फीसदी ओबीसी वोट और दलितों का 34 फीसदी वोट बैंक कांग्रेस के खाते चला गया और इसी वजह से हरियाणा में पार्टी को पांच सीटों का नुकसान भी झेलना पड़ा। इसलिए भाजपा दोबारा से इन वोटों को हासिल करने में जुटी है। शाह की बनाई रणनीति के तहत ही महेंद्रगढ़ में बीसी सम्मेलन कराया गया। शाह ने मंच से कई बार बीसी वर्ग के उत्थान की बात दोहराई। उन्होंने मंच से यह भी कहा कि हमने एक गरीब घर के बीसी के बेटे को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया है।

जनसुनवाई के दौरान किरोड़ी से मिलने सर्किट हाउस पहुंचे सांसद हरीश मीणा

सवाई माधोपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

कृषि मंत्री एवं सवाई माधोपुर विधायक डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पिछले तीन दिनों से सवाई माधोपुर में हैं। आज सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट के कांग्रेस सांसद हरीश मीणा उनसे मिलने सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने हरीश मीणा का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान दोनों विपक्षी पार्टी के नेताओं के बीच लाजवाब केमेस्ट्री दिखाई दी।

सांसद हरीश मीणा ने कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की जनसुनवाई में आए परिवादियों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली और कहा कि हम दोनों आपके लिए मिलकर काम करेंगे और आमजन के काम एवं क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलकर लोगों की समस्याओं को उनके सामने रखकर समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे।

आपसी मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपस में हंसी-ठिठोली भी खूब की। इस दौरान डॉ. किरोड़ी ने कहा कि हरीश मीणा उनसे बड़े हैं तो हरीश मीणा ने कहा कि नहीं आप मुझसे बड़े हैं। दोनों नेताओं ने जनसुनवाई के दौरान गाड़िया लुहारों की समस्याओं को सुना और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

वकील की जेब में रखे मोबाइल में अचानक लगी आग

अजमेर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

अजमेर के जिला एवं सत्र न्यायालय में एक एडवोकेट के साथ बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल वकील की जेब में रखा मोबाइल अचानक से गर्म होने लगा, इसके बाद उन्होंने तुरंत मोबाइल को निकाला तो उसमें से धुआं निकलने लगा और देखते-देखते मोबाइल ने आग पकड़ ली। एडवोकेट विक्रम मल्होत्रा ने बताया कि उन्होंने डेढ़ साल पहले रियल मी कंपनी का मोबाइल खरीदा था और आज अचानक से उनके मोबाइल में हीट की समस्या आने लगी, जिसके बाद उन्होंने अपने मोबाइल को जेब से बाहर निकाला तो उसमें से धुआं निकलने लगा। उन्होंने मोबाइल को जमीन पर फेंक दिया, जिसके बाद उसमें अचानक आग लग गई और मोबाइल जलकर राख हो गया।

उन्होंने बताया कि कल भी मोबाइल में से एक अलग तरह की आवाज आ रही थी और मोबाइल गर्म हो रहा था लेकिन आज बैटरी से धुआं निकलने के बाद उसमें आग लग गई ।

इमाम हुसैन की याद में नंगी तलवारों के साथ खेला हाईदौस

अजमेर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

मुस्लिम समुदाय के लोग आज हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद करके मोहर्रम मना रहे हैं। ख्वाजा की नगरी, अजमेर में रहने वाले वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आज नंगी तलवारों से हाईदौस खेलकर इमाम हुसैन के प्रति अपनी अकीदत पेश की। डोले शरीफ के जुलूस के दौरान निभाई जाने वाली इस खास परंपरा के लिए खुद अजमेर का पुलिस प्रशासन सैकड़ों लोगों को तलवारें मुहैया करवाता है और इसे खेले जाने के दौरान कई लोग तलवार की चोट से गंभीर रूप से जख्मी भी हो जाते हैं लेकिन कोई भी न तो कोई शिकवा करता है और ना ही पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया जाता है बल्कि घायल हुए लोग इसे अपनी खुशकिस्मती मानते हैं।

बीते पांच सौ सालों से चली आ रही इस परंपरा की खास बात यह है कि अजमेर का पुलिस प्रशासन खुद हाईदौस खेलने वाले लोगों को 100 तलवारें मुहैया करवाता है। माना जाता है कि आज के दिन कर्बला की पहाड़ियों में इस्लाम की रक्षा करने के दौरान हजरत इमाम हुसैन और उनके सैकड़ों साथियों को शहीद कर दिया गया था। उन्हीं की याद में अजमेर में हाईदौस खेला जाता है, जिसके तहत सैकड़ों लोग हाथों में तलवार थामे सिर्फ इस भावना से हाईदौस खेलते हैं कि काश वे भी उस समय मौजूद होते तो इमाम हुसैन से पहले अपनी जान न्योछावर कर देते।

खास बात यह है कि समूचे एशिया में तलवारों से हाईदौस खेलकर कर्बला की जंग का मंजर पेश किए जाने की यह परंपरा केवल दो ही जगह निभाई जाती है एक तो अजमेर में और दूसरा पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में। आपको बता दें कि हाईदौस केवल अन्दरकोट कोटियान पंचायत समाज के लोग ही खेलते हैं। इस परंपरा की सबसे अच्छी बात यह है कि इसे खेलने के दौरान यदि कोई जख्मी भी हो जाता है तो वह चोट लगने के बाद किसी तरह की कोई दुश्मनी नहीं पालता और ना ही पुलिस में शिकायत दर्ज करवाता है। इसके लिए पुलिस प्रशासन की तरफ से भी खास सुरक्षा के प्रबंध किए जाते हैं। तोपों की गरज से शुरू होने वाले इस खेल मे सैकड़ों लोग हिस्सा लेते हैं, जो ढोल और ताशों की मातमी धुन के बीच डोले शरीफ की सवारी को अपने कंधों पर उठाकर सैराब करने के लिए निकल पड़ते हैं।

छात्रसंघ चुनाव बहाली को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

छात्र और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की

भरतपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

एनएसयूआई छात्रों ने यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनावों की बहाली को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई छात्र जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से पैदल मार्च निकालते हुए सीएम जनसुनवाई केंद्र की ओर आगे बढ़े तो पुलिस बल ने उन्हें यातायात चौराहे पर रोक लिया। इस दौरान पुलिसकर्मी और एनएसयूआई छात्रों के बीच धक्का-मुक्की देखने को मिली। इसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्र बीच सड़क पर बैठ गए और मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसडीएम ने मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लेकर छात्रों को आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी बात सीएम तक पहुंचा दी जाएगी।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष वीकेश फौजदार ने बताया कि संगठन ने छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर जिला कलेक्ट्रेट से लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई केंद्र तक शांतिप्रिय तरीके से पैदल मार्च निकला लेकिन पुलिस ने यातायात चौराहे पर हमें को रोका तो उनके साथ

धक्का-मुक्की हुई थी। विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छात्रों को आश्वासन दिया था कि हमारी सरकार आती है तो हम छात्र संघ चुनावों को बहाल करेंगे। यह बात उन्होंने अपने घोषणा पत्र में भी कही थी।

अब सरकार बनने के बाद भाजपा अपने वादे से मुकर रही है। हाल ही में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने छात्र संघ चुनाव को लेकर के जो बयान दिया था, उससे लगता है कि भाजपा सरकार चुनाव कराने के मूड में नहीं है। हमने छात्र संघ चुनाव की बहाली को लेकर एसडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा है। अगर सरकार द्वारा इस मामले पर कोई एक्शन नहीं लिया गया तो एनएसयूआई प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन करेगी।

नर्सरी की दीवार के पास मिला पांच महीने का भ्रूण

अलवर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

अलवर शहर के मूंगस्का में नर्सरी की दीवार के पास पांच महीने का भ्रूण पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस पॉलीथिन में लेकर जिला अस्पताल पहुंची। अरावली विहार थाने के एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि मूंगस्का में नर्सरी की दीवार के पास खुले में भ्रूण पड़ा मिला, भ्रूण मृत मिला है। जो करीब पांच महीने का लगता है।

बता दें कि खुले में पड़ा होने के कारण आमजन की निगाह में आ गया। समय पर पता नहीं लगता तो भ्रूण को कुत्ते खा सकते थे। लेकिन उससे पहले ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। अब पुलिस मामले की जांच में लगी है। आसपास पूछताछ करने पर कोई जानकारी नहीं मिली है।

अलवर में अरावली विहार थाना क्षेत्र शांतिकुंज अनाज गोदाम के पीछे रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला, जिसकी बुधवार को शिनाख्त सालपुरी निवासी रवि मीणा के रूप में हुई। पीड़ित परिवार ने बताया कि रवि की गुमशुदगी की रिपोर्ट अरावली विहार थाने में दर्ज करवाने गए थे। उस दौरान पता लगा कि रवि ट्रेन से कट चुका है। उसके बाद आसपास पूछताछ की तो पता लगा कि रवि मीणा कल दोपहर में अपने दोस्तों के साथ बर्थडे पार्टी मनाने के लिए गया था। जहां उसने दोस्तों के साथ पार्टी के दौरान शराब का सेवन किया और वह गांव के ही अन्य दो लड़कों के साथ बाइक पर बैठकर अपने गांव लौट रहा था। लेकिन उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला, जिसके चलते उन्होंने आशंका जाहिर की है कि रवि की हत्या की गई है।

शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामले में दो वांछित तस्कर गिरफ्तार

सिरोही,17 जुलाई (एजेंसियां)।

सरोही में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा शराब तस्करी के दो अलग-अलग मामले में वांछित दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी बीते एक साल से फरार चल रहे थे तथा पुलिस से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहे थे। दोनों आरोपी आबूरोड रीको थाना स्तर के टॉप-10 अपराधियों में सम्मिलित हैं।पुलिस के अनुसार, आबूरोड रीको थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में पुखराज, हेड कांस्टेबल केसाराम, कांस्टेबल ओमप्रकाश एवं मांगीलाल (मुख्य भूमिका), महेंद्र सिंह, साइबर सेल सिरोही के कांस्टेबल रमेश कुमार, सुरेश कुमार एवं नरेंद्र की टीम द्वारा बडोडा, पुलिस थाना जैसलमेर सदर, जिला जैसलमेर निवासी मूल सिंह पुत्र कवरराज सिंह राजपूत तथा आवल, पुलिस थाना अमीरगढ़, जिला पालनपुर निवासी नरेन्द्र सिंह पुत्र जैसल सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त 2023 को मावल चौकी पर नाकाबंदी के दौरान गुजरात पासिंग ट्रक से पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के 981 कार्टून जब्त किए गए थे। मामले में जब्तशुदा शराब का मालिक मूल सिंह करीब एक साल से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश के लिए टीम बनाकर दस्तयाबी के प्रयास किए गए। लेकिन आरोपी गिरफ्तारी के भय से किसी एक जगह पर स्थाई रूप से नहीं रहकर ठिकाने बदलता रहा। इस पर वांछित आरोपी मूल सिंह को टॉप-10 अपराधियों की सूची में रखा गया।लगातार प्रयास के बाद उसे जोधपुर से दस्तयाब किया गया। इसी प्रकार दूसरे मामले में 29 नवंबर 2023 को मावल शराब के ठेके से गुजरात में सप्लाई के लिए शराब के 56 कार्टून भरने के मामले में मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था।

900 करोड़ घोटाले वाले जेजेएम में चौथी बड़ी गिरफ्तारी

संजय बड़ाया को ईडी ने चार दिन की रिमांड पर लिया

जयपुर,17 जुलाई (एजेंसियां)।

राजस्थान में करीब 900 करोड़ रुपये के जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर राजस्थान में चौथी गिरफ्तारी हो गई। मंगलवार देर शाम ईडी ने जल जीवन मिशन के ठेकेदारों को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जारी करवाने के मामले में पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के करीबी संजय बड़ाया को गिरफ्तार कर लिया।बता दें कि इसके बाद ईडी की टीम उन्हें बुधवार सुबह विशेष अदालत क्रम संख्या तीन, जयपुर के न्यायाधीश के गांधीनगर स्थित आवास लेकर गई। यहां से संजय बड़ाया को चार दिन के लिए ईडी की रिमांड में भेज दिया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले ईडी ने जेजेएम में हुए घोटाले को लेकर बड़ाया के घर पर सर्च अभियान भी चलाया था। पिछली कांग्रेस सरकार में पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के कार्यकाल में यह बड़ा मामला सामने आया था। बड़ाया और जोशी एक दूसरे के करीबी माने जाते हैं। घोटाले को लेकर राजस्थान के एक वरिष्ठ आईएएस के आवास तक भी ईडी पहुंची।

स्कूल में बच्चों को छोड़ने जा रहे व्यक्ति की सड़क हादसे में मौत

नारनौल,17 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के नारनौल क्षेत्र में जैलाफ के पास गाड़ी की चपेट में आने से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। बाइक चालक अपने बच्चों को स्कूल में छोड़ने जा रहा था। लेकिन स्कूल में पहुंचने से पहले ही हादसा हो गया। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार दोनों बच्चों को ज्यादा चोट नहीं लगी।

मिली जानकारी के अनुसार जाखनी निवासी सिंह राम अपने बच्चों को जैलाफ के स्कूल में छोड़ने जा रहा था। वह अभी स्कूल में पहुंचा भी नहीं था और एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और पेड़ से बाइक टकरा गई।जिससे बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे एंबुलेंस की मदद से नारनौल के नागरिक अस्पताल में पंहुचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुकेश सहनी से मिलने पहुंचे पप्पू यादव

बिहार में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए हो सर्वदलीय बैठक

पटना (एजेंसियां)।

विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद बिहार में सियासत गरमा गई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव मुकेश सहनी के पैतृक घर बिरौल पहुंचकर मुलाकात की। सांसद पप्पू यादव ने बिहार में इस तरह की घटना को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह बिहार में अपराधी माफिया लगातार अपराध को अंजाम दे रहे हैं। यह गंभीर विषय है। इस पर बिना राजनीति किए हुए सभी दलों को एक साथ बैठकर बातें करनी चाहिए। क्योंकि अपराधियों का ना कोई जाति होता है ना ही धर्म। इसीलिए बिहार के इस विषय पर निश्चित रूप से सर्वदलीय बैठक हो। मुकेश सहनी

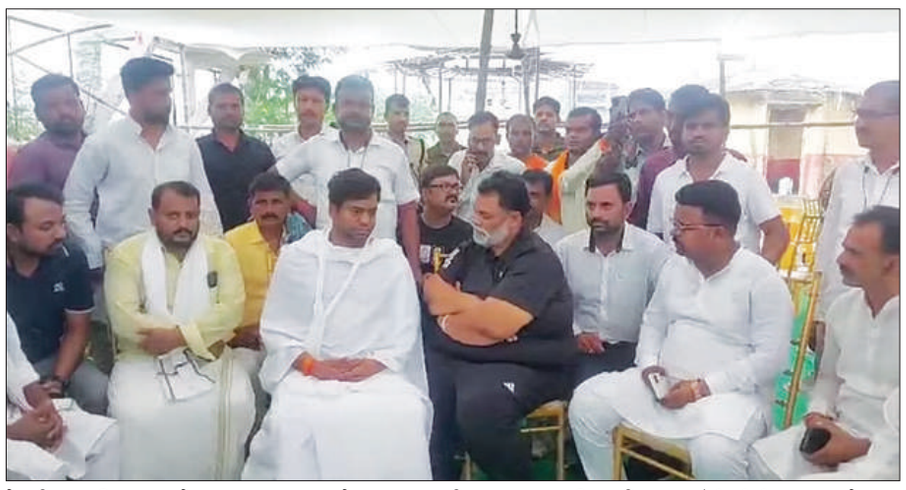

के पिता की हत्या के बाद यह विषय काफी महत्वपूर्ण हो गया है। इसीलिए बिहार को अपराध मुक्त बनाने के लिए सभी लोगों को एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

पप्पू यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में सभी लोग उनके साथ हैं। इस कांड को लेकर मंगलवार को हमलोगों ने एडीजी और चीफ सेक्रेटरी से मुलाकात कर जल्द से जल्द मामले का खुलासा करने को कहा है। पप्पू यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद इस घटना को लेकर संवेदना व्यक्त की है। मंगलवार सुबह आठ बजे मुकेश सहनी से हमारी बात हुई थी। जिसके बाद हम दिल्ली से हम निकल गए। हमको रात में ही यहां पर आना था। लेकिन विलंब होने के कारण सुबह पांच बजे पटना से निकले।

बताते चलें कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद पुलिस ने घर के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार चार लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हिरासत में लिए गए चार संदिग्धों में से दो को मृतक ने ब्याज पर उधार में पैसे दिए थे। इनमें से एक आरोपी के बाइक को एक दिन पूर्व मृतक ने गारंटी के रूप में रख लिया था। जिसको लेकर कहासुनी हुई थी। वही पुलिस चारो संदिग्धों के मोबाइल कॉल हिस्ट्री सहित लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी सीसीटीवी फुटेज को जारी नही किया है।

संदिग्ध परिस्थिति में राजद नेता की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज में आरजेडी नेता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने इसे हत्या करार दिया है। पूरा मामला गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास स्थित राजवाही गांव का बताया जाता है। मृतक की पहचान जादोपुर थाना क्षेत्र के मशान थाना गांव निवासी झूलन यादव के 26 वर्षीय बेटा सुनील यादव के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि सुनील बाइक पर सवार होकर मंगलपुर की तरफ गया था। इसी बीच गोपालगंज और बेतिया जिले के बॉर्डर पर राजवाही गांव के पास एक अन्य बाइक सवार के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। परिजनों का आरोप है कि अज्ञात बाइक सवार ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। वहीं, इस घटना की सूचना बेतिया जिले के नौतन थाना की डायल 112 की पुलिस टीम को मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची डायल 112 के टीम घायल युवक को लेकर तत्काल बेतिया सदर अस्पताल पहुंची। लेकिन डॉक्टरों ने सुनील को प्राथमिक उपचार में ही मृत घोषित कर दिया।

वहीं, परिजनों ने डायल 112 की टीम पर भी नाराजगी जाहिर किया है। परिजनों का कहना है कि सूचना पाकर हमलोग बेतिया अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने सुनील को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलने के बाद डायल 112 के पुलिसकर्मी भागने लगे। हम लोगों ने उनसे एंबुलेंस बुलाने की मांग की लेकिन नहीं बुलाया। परिजनों के मुताबिक, पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। वहीं, परिजन सुनील की गला दबाकर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। परिजनों ने कहा कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। साथ ही पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच कर कार्रवाई की जाए, क्योंकि पुलिस की भूमिका हमें संदिग्ध लग रही है।

वहीं, युवा आरजेडी के जिलाध्यक्ष दिवाकर यादव ने इसे राजनीतिक हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि सुनील कुमार यादव मशान थाना पंचायत के राजद पंचायत अध्यक्ष थे। उनकी हत्या राजनीतिक कारणों से हुई है। लिहाजा हम लोग दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं। साथ ही डायल 112 के पुलिसकर्मी की मिलीभगत की भी जांच हो।

वहीं, इस मामले में एसपी स्वर्ण प्रभात ने मौत को संदिग्ध बताते हुए जांच का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा, कि मामला संदिग्ध लग रहा है। एक्सीडेंट की संभावना दिख रही है। फिलहाल, परिजनों के आवेदन पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का पता चलेगा।

सारण में दो लड़कियों के साथ उनके पिता की हत्या, मां की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

दरभंगा में विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता की हत्या के 24 घंटा अंदर अब बिहार में तिहरा हत्याकांड हो गया। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के गांव में अपराधियों ने परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी है। मंगलवार देर रात्रि करीब दो बजे अपराधियों ने पिता और उनकी दो बेटियों को मौत के घाट उतार दिया।

इतना ही अपराधियों ने मां को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। अपराधियों ने प्रेम प्रसंग में इस वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने घायल महिला को अस्पताल में भर्ती करवाया है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

घटना सारण जिले के रसूलपुर थाना क्षेत्र के धनाडीह गांव की।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए फौरन इस मामले में शामिल दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटनास्थल से दूर कुआं से चाकू जब्त कर लिया है।

सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने कहा कि तीन लोगों के हत्या हुई है। इस मामले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ चल रही है। स्पीडी ट्रायल के तहत दोनों को सजा दिलवाई जाएगी।

घायल शोभा देवी द्वारा बताया गया है कि लगभग दो बजे रात्रि को दो युवक मुंह को कपड़े से बांध कर पीछे के दरवाजे से घर में घुसे। इसके बाद छत पर सो रहे मेरे पति तारकेश्वर सिंह और मेरी दो पुत्रियों (15 वर्षीय चांदनी कुमारी और 13 वर्षीय आभा कुमारी) को सोए अवस्था में ताबड़तोड़ चाकुओं से वार कर मार डाला।

अपराधियों ने मुझे भी चाकू से वार कर हत्या करने का प्रयास किया गया है। लेकिन, घर से भाग कर किसी तरह अपनी जान बचाने के कामयाब हुई।

सारण पुलिस ने शोभा देवी के बयान पर रसूलपुर थाना क्षेत्र के हरिजन टोला निवासी संतोष कुमार राम के 22 वर्षीय पुत्र सुधांशु कुमार उर्फ रौशन जबकि सुनील राम के 25 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार को सारण पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिसिया पूछताछ में दोनों अभियुक्तों द्वारा इस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया गया है। साथ ही इन दोनों के हाथ पर किसी धारदार हथियार से बने जख्म भी मिला है। इसके अलावा खून से सने कपड़े भी मिले हैं। इसे फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त किया गया है।

बताया जा रहा है कि प्रथम दृष्टया सुधांशु कुमार उर्फ़ रोशन और चांदनी कुमारी के बीच काफी दिन पहले प्रेम-प्रसंग चल रहा था। लेकिन फिलहाल कुछ दिनों से दो के बीच बातचीत हम बंद हो गई थी। कुछ दिन पहले ही सुधांशु कुमार उर्फ रौशन द्वारा घर पर जाकर धमकी दी गई थी। इसके बाद तीन लोगों की हत्या कर दी गई। घटना के बाद दंडाधिकारी और पुलिस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करा दी गई है ताकि किसी तरह का कोई बवाल नहीं हो।

राजद नेताओं पर कार्रवाई शुरू, जनसुराज से करीबी देख लालू की पार्टी से पांच निष्कासित

पटना (एजेंसियां)।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जनसुराज से संपर्क रखने वाले नेताओं पर राष्ट्रीय जनता दल ने कार्रवाई की है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने अपने पांच नेताओं पर कार्रवाई की है। इन सभी पर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है। राजद ने इन्हें छह साल के लिए निष्कासित किया है। इनमें कहलगांव के पवन भारती, गोराडीह के मो. आफताब आलम, सन्हौला के शिव कुमार साह, सुलतानगंज के अजीत कुमर एवं सुलतानगंज की ही आशा जायसवाल शामिल हैं। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह स्तर से हुई है।

वहीं राजद में इतने बड़े पैमान में नेताओं के निष्कासन का कार्यालय आदेश जारी होने के साथ राजद कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया है। राजद कार्यालय की ओर से जारी आदेश में लिखा गया है कि अनुशासन के विपरीत जन सुराज संगठन से जुड़ कर दल विरोधी कार्य कर रहे हैं, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। राजद जिलाध्यक्ष सीपी यादव ने बताया कि राजद पार्टी में रहते हुए उक्त लोगों ने जनसुराज पार्टी की सदस्यता ली है। इसकी सूची प्रकाशित होने के साथ सामने आ गया

कि कौन-कौन दल विरोधी कार्य में संलिप्त हैं।

राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने पत्र में लिखा है कि, 'आये दिन प्रायः सभी जिलों में ऐसा देखने को मिला है कि हमारे पार्टी के कार्यकर्ता या नेता जन सुराज पार्टी में सहयोगी या उनके सदस्य बन रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विदित हो की जनसुराज पार्टी एक राजनीतिक पार्टी है। इसके संस्थापक प्रशांत किशोर उर्फ प्रशांत किशोर पांडेय हैं। यह पार्टी भारतीय जनता पार्टी एवं देश के धर्मावलंबी लोगों के द्वारा संचालित तथा वित्तीय पोषित हैं अर्थात भारतीय जनता पार्टी का बी टीम है। आप सभी साथियों से अनुरोध है कि ऐसे लोगों के बहकावे में आपलोग न आवें। उनकी मंशा राष्ट्रीय जनता दल को कमजोर करने और भाजपा की शक्ति को बढ़ावा देने की है। जिन साथियों को आदरणीय लालू प्रसाद का सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द एवं बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, डॉ राम मनोहर लोहिया, महात्मा गांधी, डॉक्टर पेरियार, महात्मा ज्योतिराव फूले, जननायक कर्पूरी ठाकुर और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से वास्ता है, वह दल विरोधी काम ना करें अन्यथा दल उन पर समुचित कार्रवाई करेगी'। फिलहाल राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के द्वारा जारी किये गये इस पत्र का राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं और उनके दल के कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मोतिहारी में मुहर्रम के जुलूस में लहराया गया फिलिस्तीनी झंडा

पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में मुहर्रम कर्बला में विदेशी झंडा लहराने का वीडियो वायरल होते ही प्रशासन सख्त हो गया है। प्रशासन ने फिलिस्तीनी झंडा के साथ युवक को हिरासत में लिया है। पुलिस विदेशी झंडा जब्त करते हुए कार्रवाई में जुटी हुई है। यह घटना मेहसी थाना के वार्ड 10 की बताई जा रही है।

इस मामले को लेकर चकिया डीएसपी सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मेहसी थाना क्षेत्र में मुहर्रम के कर्बला जुलूस में फिलिस्तीनी झंडा लहराने की सूचना मिली थी। त्वरित करवाई करते हुए पुलिस विदेशी झंडे के साथ युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

दूसरी तरफ जैसे ही वीडियो वायरल हुआ और लोगों तक पहुंचा तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और तरह-तरह की बातें होने लगीं। लोगों का कहना है कि मातृभूमि पर किसी समुदाय के लोगों का यह कारनामा काफी खतरनाक है। हालांकि अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। लेकिन वायरल वीडियो के संबंध में दावा किया जा रहा है कि यह मेहसी नगर पंचायत के वार्ड 10 में बुधवार सुबह मोहर्रम के जुलूस के दौरान का वीडियो है।

वायरल वीडियो में कई युवकों के हाथों में इस्लाम का धार्मिक झंडा नहीं होकर फिलिस्तीन का झंडा है। इन लोगों को वीडियो में हाथ में फिलस्तीन का झंडा लेकर लहराते हुए देखा जा रहा है। इस विवादित घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की अफवाहों का बाजार गर्म है। कहा जा रहा है कि झंडा लहराने पर पुलिस प्रशासन की नजर न पड़ने के कारण ही ऐसे युवकों का मनोबल बढ़ जाता है। कई स्थानीय लोगों का यह मानना है कि पुलिस को ऐसे शरारती तत्वों को चिह्नित कर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

दो ताजिया जुलूस के बीच झपड़, दोनों ओर से जमकर चले ईंट-पत्थर, छह लोग घायल

पटना (एजेंसियां)।

वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के माइल भैरोपुर गांव में अलग-अलग दो ताजिया जुलूस निकालने वालो दो पक्षों के बीच झड़प हो गई। दोनों पक्ष ने एक-दूसरे ताजिया जुलूस के अखाड़े पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान आधे दर्जन व्यक्ति घायल हो गए हैं। एक युवक पर जुलूस में ही तलवार से वार कर दिया है। उसे तुरंत बिदुपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। यहां से स्थिति को नाजुक देखते हुए घायल को डॉक्टर ने सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया है।

दोनों तरफ से ईंट-पत्थर चलने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते हैं कि बिदुपुर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरुण कुमार पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे और लोगों को समझाने बुझाने की कोशिश की। लेकिन, जब यह लोग शांत नहीं हुए तो हंगामा करने वालों को खदेड़ दिया। तनाव बढ़ते देख इलाके में भारी

संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। बताया गया है कि माइल आखाड़ा का ताजिया जुलूस घूमकर वापस लौट रहा था। तभी भैरोपुर का अखाड़ा ताजिया जुलूस लेकर माइल अखाड़ा के सीमा पार कर गया था। इसी दौरान दोनों अखाड़ों के बीच झड़प हुई है।

इधर दोनों तरफ से हो रहे एक दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला करने का वीडियो किसी ने घटनास्थल से बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। इधर घटना के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इस संबंध में बिदुपुर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि आपसी रंजिश को लेकर दोनों अखाड़ों के बीच विवाद हुआ है। मौके से पहुंच कर मामले को शांत कराया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

त्रिशूली बस हादसे में लापता हुए 62 लोगों में से आठ शव गंडक नदी से बरामद

अन्य की तलाश जारी

पश्चिमी चंपारण (एजेंसियां)।

नेपाल की त्रिशूली नदी में भूस्खलन के कारण हुए बस हादसे में 60 से अधिक लोग लापता हो गए थे। वहीं, बिहार के पश्चिमी चंपारण के बगहा स्थित गंडक नदी से अब तक आठ शव बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि दो बसों में सवार 62 लोगों की तलाश में पुलिस और रेस्क्यू टीमों का अभियान लगातार जारी है।

जानकारी के अनुसार, रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी टीम ने जहां बीते रविवार को दो शव को बरामद किए। वहीं, सोमवार को दो और मंगलवार चार शवों को बरामद किया गया है और बाकी लापता लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों के अनुसार, बचाव कार्य में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त टीमों को भी तैनात किया जा रहा है। नेपाल पुलिस की टीम और वाल्मीकिनगर गंडक बैराज के कर्मचारियों के सहयोग से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। भूस्खलन के कारण नदी की तेज धारा में बहकर शव

वाल्मीकिनगर तक आ गए हैं। गंडक बैराज पर रेस्क्यू ऑपरेशन में शवों को बरामद किया जा रहा है।

इधर, घटना से प्रभावित परिवारों को संवेदना व्यक्त करते हुए नेपाल सरकार ने रेस्क्यू और राहत कार्यों में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। स्थानीय प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। समय के साथ जैसे-जैसे शव मिल रहे हैं, वैसे-वैसे उनकी पहचान कराई जा रही है। हालांकि, गंडक नदी में जलस्तर तेज होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी हो रही है।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते घटना उस वक्त हुई जब एक बस नेपाल के बीरगंज से राजधानी काठमांडू जा रही थी। वहीं, एक दूसरी बस काठमांडू से गौर जा रही थी। काठमांडू जा रही बस में सात भारतीयों समेत कुल 24 लोग सवार थे। वहीं, काठमांडू से आ रही बस में 30 नेपाली नागरिक सवार थे। जैसे ही दोनों बसें चितवन जिले के सिमलताल इलाके में नारायणघाट-मुगलिंग रोड पर थीं, तभी पहाड़ से भूस्खलन के साथ मलबा सड़क पर आ गिरा, जिसकी चपेट में आकर दोनों बसें त्रिशूली नदी में जा गिरीं थी। दोनों बसों में कुल 62 यात्री सवार थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com